1989-90

आयव्ययकअध्ययन

BUDGET STUDY

-544
352.1252
RAJ-B

आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

DIRECTORATE OF ECONOMICS & STATISTICS, RAJASTHAN, JAIPUR

प्रस्तावना

आय-व्ययक अध्ययन, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा वित्त विभाग से बजट संबंधी आवश्यक सूचना प्राप्त कर प्रतिवर्ष सांख्यिकी सारणियों एवं मान चित्रों के माध्यम से राज्य आय-व्ययक के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हुये प्रकाशित करता है। यह प्रकाशन राज्य विधान सभा में राज्य के बजट के साथ-साथ प्रस्तुत किया जाता है। इस प्रकाशन में वर्ष 1988-89 की आर्थिक समीक्षा सम्मिलित है जिसमें राज्य की अर्थ व्यवस्था, सरकार व अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित योजनाओं व कार्यक्रमों का चित्रण है।

यह प्रकाशन उन व्यक्तियों के लिये जो बजट 1989-90 के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व राज्य की अर्थव्यवस्था के बारे में जानने का इच्छुक है, के लिये अति उपयोगी सिद्ध होगा।

(शिवचरण माथुर)
मुख्य मंत्री

FOREWARD

The Budget Study which is prepared annually by the Directorate of Economics & Statistics, Rajasthan obtaining necessary Budget information from Finance Department, presents various aspects of the State Budget through statistical tables, graphs and charts. This publication is presented to the State Legislative Assembly alongwith the State Budget. It contains the economic review for the year 1988–89 which highlights performance of economy, programmes and other institutions.

This publication will be of immense value to those who are interested in knowing the salient features of the Budget 1989–90 and the economy of the State.

(SHIV CHARAN MATHUR)

Chief Minister

NIEPA DC
D04676

-544
352.1252
RAJ-A

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Aministration
17-B,SriAurbindo Marg,New Delhi-110016
DOC. No. D-4676
Date 21/4/89

भूमिका

आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय प्रतिवर्ष विधान सभा में आय-व्ययक प्रस्तुत करते समय एक प्रकाशन "आय-व्ययक अध्ययन" वित्त विभाग के सहयोग से प्रकाशित करता है। आय-व्ययक सम्बन्धी प्रमुख जानकारी मानचित्रों व रेखाचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत की जाती है। राजस्थान की वर्ष 1988-89 की आर्थिक समीक्षा भी इसमें सम्मिलित की गयी है।

भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक ने वर्ष 1986-87 से शीर्षकों व उपशीर्षकों के प्रतिरूप में परिवर्तन किये हैं, के अनुसार, वर्ष 1986-87 के लेखे अभी तक उन्मुक्त नहीं किये गये हैं। अतः तालिकाओं में वर्ष 1986-87 के संशोधित अनुमान दर्शाये गये हैं।

इस प्रकाशन में माननीय मुख्य मंत्री जी के वर्ष 1989-90 के आय-व्ययक प्रस्तावों का समावेश नहीं किया गया है।

यह प्रकाशन उनके लिये जो राज्य की अर्थ व्यवस्था व आय-व्ययक 1989-90 के बारे में जानकारी के इच्छुक हों, को सहायक सिद्ध होगा।

सुरेन्द्र भार्गव

(सुरेन्द्र कुमार भार्गव)
निदेशक,
आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय,
राजस्थान, जयपुर।

INTRODUCTION

Directorate of Economics & Statistics is bringing out a publication Budget Study every year in collaboration with the Finance Department at the time of presentation of Budget in the Legislative Assembly. Important details relating to budget are presented through charts and graphs. Economic Review of the Rajasthan for 1988-89 is also included in it.

As the finance accounts for the year 1986-87 on the pattern of changes in heads and sub-heads introduced in 1986-87 by the Comptroller and Auditor General of India, has not been released, revised estimates for the year 1986-87 have been shown in the tables.

The publication does not incorporate the budget proposals for 1989-90, of the Hon'ble Chief Minister.

This publication will be a useful document for those who are interested in knowing the Budget 1989-90 and the economy of the State.

सुरेन्द्र भार्गव

(S. K. Bhargava)
Director,
Directorate Economics & Statistics,
Rajasthan, Jaipur.

राजस्थान का आय-व्ययक अध्ययन
RAJASTHAN BUDGET STUDY
1989-90

विषय-सूची
CONTENTS

पृष्ठ
Page

क-राज्य वित्त
A—PUBLIC FINANCE

1. राजस्व लेखा
Revenue Account

1.1 राजस्थान आय-व्ययक का सिंहावलोकन 1-3
Rajasthan Budget at a Glance

1.2 राजस्व एवं व्यय तथा प्रतिशत विभाजन 4-5
Revenue and Expenditure and Percentage Distribution

1.3 करों एवं महसूलों से आय (केन्द्रीय एवं राज्य कर) 6-7
Revenue from Taxes and Duties (Central & State Taxes)

1.4 करों एवं महसूलों से आय (प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कर) 8-9
Revenue from Taxes and Duties (Direct & Indirect Taxes)

1.5 अ-कर राजस्व 10-11
Non-Tax Revenue

1.6 राजस्व व्यय (विकास एवं अ-विकास) 12-13
Revenue Expenditure (Development & Non-Development)

1.7 सामान्य सेवाओं पर व्यय 14-15
Expenditure on General Services

1.8 सामाजिक सेवाओं पर व्यय 16-17
Expenditure on Social Services

1.9 शिक्षा, कला एवं संस्कृति पर राजस्व व्यय 18-19
Revenue Expenditure on Education, Art and Culture

1.10 चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर राजस्व व्यय 20-21
Revenue Expenditure on Medical Public Health & Family Welfare

1.11 जल पूर्ति पर राजस्व व्यय 22–23
Revenue Expenditure on Water Supply

1.12 आर्थिक सेवाओं पर व्यय 24–25
Expenditure on Economic Services

1.13 कृषि एवं सम्बद्ध क्रिया कलाप पर राजस्व व्यय 26–27
Revenue Expenditure on Agriculture and Allied Activities

1.14 उद्योग पर राजस्व व्यय 28–29
Revenue Expenditure on Industries

1.15 राजस्व व्यय का उद्देश्यानुसार वर्गीकरण 30–31
Objectwise classification on Revenue Expenditure

2. पूंजीगत लेखा
Capital Account

2.1 पूंजीगत प्राप्तियां एवं परिव्यय 32–33
Capital Receipts and Outlay

2.2 राज्य सरकार द्वारा दिये गए ऋण एवं अग्रिम 34–35
Loans & Advances by the State Government

2.3 राज्य ऋण 36–37
Public Debt

2.4 पूंजीगत व्यय का उद्देश्यानुसार वर्गीकरण 38–39
Objectwise calssification of Capital Expenditure

3. सार्वजनिक लेखा
Public Account

3.1 ऋण, निक्षेप तथा विप्रेषण व्यवहार 40–41
Debt Deposits and Remittance Transactions

4. राजस्व, पूंजी एवं ऋण
Revenue Capital and Loans

4.1 राजस्व, पूंजीगत एवं ऋण पर कुल व्यय (विकास एवं अ-विकास) 42–43
Total Expenditure on Revenue, Capital and Loans (Development and Non-Development)

4.2 राजस्व, पूंजीगत एवं ऋण पर व्यय 44–45
Expenditure by Revenue, Capital and Loans

5. पंचवर्षीय योजनायें
Five Year Plans

5.1 पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत उदव्यय 46–47
Outlay during Five Year Plans

5.2 पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत व्यय 48–49
Expenditure during Five Year Plans

5.3 योजना का उदव्यय (1989-90) 50–51
Plan Outlay 1989-90

ख–आर्थिक स्थिति
B —ECONOMIC SITUATION

1. राजस्थान की राज्य आय औद्योगिक उद्भव प्रचलित कीमतों पर एवं प्रतिशत विभाजन .. 51–53
State Income of Rajasthan by Industrial origin at current prices & percentage Distribution

2. राजस्थान की राज्य आय औद्योगिक उद्भव स्थिर (1970-71) कीमतों पर एवं प्रतिशत विभाजन 54–55
State Income of Rajasthan by Industrial origin at 1970-71 prices and percentage Distribution

3. राजस्थान में कृषि उत्पादन के सूचकांक 56–57
Index Numbers of Agricultural Production in Rajasthan

4. औद्योगिक उत्पादन 58–59
Industrial Production

5. राजस्थान के थोक भाव सूचकांक 60–61
Index Numbers of Wholesale Prices in Rajasthan

6. उपभोक्ता भाव सूचकांक 62–63
Consumers Price Index Numbers

7. राजस्थान में अकाल/अभाव स्थिति से हुई क्षति 64
Loss due to Famine/Scarcity Condition in Rajasthan

8. वेतनमान अनुसार राज्य कर्मचारियों के स्वीकृत पद 65
Sanctioned strength of Govt. Employees according to Pay Scales

ग. राज्यवार आर्थिक सूचक 66–70
C—STATEWISE ECONOMIC INDICATORS

घ. आर्थिक समीक्षा 71–129
D—ECONOMIC REVIEW

1.1 राजस्थान आय-व्ययक का सिंहावलोकन
RAJASTHAN BUDGET AT A GLANCE

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे Accounts 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
(अ) राजस्व लेखे की प्राप्तियां एवं व्यय **Revenue and Expenditure on Revenue Account**					
(i) राजस्व प्राप्तियां Revenue Receipts	150596.50	184413.11	218307.75	234021.12	252379.95
(ii) राजस्व व्यय Revenue Expenditure	151114.17	191930.73	23917.76	259056.39	259961.16
(iii) बचत (+) अथवा घाटा (−) Surplus(+)or Deficit (—)	(−)517.67	(−)7517.62	(−)35610.01	(−)25035.27	(−)7581.21
(ब) राजस्व खाते के अतिरिक्त लेनदेन **Transactions outside the Revenue Account**					
I प्राप्तियां Receipts					
(i) स्थायी ऋण Permanent Debt	11194.75	10643.70	11904.40	15868.00	16523.00
(ii) अल्पकालीन ऋण Floating Debt	9207.89	20000.00	49864.03	130000.00	50000.00
(iii) केन्द्रीय सरकार से लिया गया ऋण Loans from the Central Govt.	36599.51	41603.98	55371.40	54239.72	40720.04
(iv) अन्य ऋण Other Loans	787.28	1077.35	1631.34	2089.00	2983.62
(v) सार्वजनिक लेखा Public Account	298824.16	287918.00	472378.31	412236.01	414582.26
(vi) ऋण एवं अग्रिम Loans and Advances	7506.96	5779.26	4376.31	6136.12	6123.62
(vii) आकस्मिकता निधि Contingency Fund	..	..	..	1000.00	..
योग (ब) I TOTAL	364120.55	367022.29	593825.79	621618.85	530932.54

क्रमशः
Contd.

राजस्थान आय-व्ययक का सिंहावलोकन (समाप्त)
RAJASTHAN BUDGET AT A GLANCE (*Concld.*)

(लाख रु.)
(*Lakh Rs.*)

विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे Accounts 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
II बितरण" Disbursements					
(i) पूंजीगत व्यय (शुद्ध) Capital Expenditure (Net)	26905.56	34225.39	40017.26	43565.20	44172.83
(ii) स्थायी ऋण Permanent Debt	3564.32	2440.27	2389.83	2434.29	2284.23
(iii) अल्पकालीन ऋण Floating Debt	10432.89	20000.00	44787.84	130000.00	50000.00
(iv) केन्द्रीय सरकार से लिया गया ऋण Loans from the Central Govt.	14598.76	21800.43	22378.85	21147.25	16322.60
(v) अन्य ऋण Other Loans	543.68	592.44	611.48	684.47	829.33
(vi) सार्वजनिक लेखा Public Account	288184.82	272355.36	437947.66	386626.61	390636.58
(vii) ऋण एवं अग्रिम Loans and Advances	14801.99	17326.94	19081.09	13988.40	14225.56
(viii) आकस्मिकता निधि का विनियोग Appropriation to Contingency Fund	..	..	..	1000.00	..
कुल वितरण TOTAL-Disbursement	359032.02	368440.83	567214.01	599446.22	518471.13
III राजस्व खाते के अतिरिक्त बचत (+) या घाटा (-) Surplus (+) or Deficit (—) outside Revenue Account	(+)5088.53	(-)1418.54	(+)28611.78	(+)22172.63	(+)12461.41
IV सर्वोपरि शुद्ध Overall Net	(+)4570.86	(-)8936.16	(-)6998.23	(-) 2862.64	(+)4880.20

आय व्ययक का सिंहावलोकन
BUDGET AT A GLANCE 1989-90
प्राप्तियाँ
RECEIPTS
करोड़ रु०
CRORE Rs.
व्यय
EXPENDITURE
8000
7200
6400
5600
4800
4000
3200
2400
1600
800
0
कर-राजस्व
TAX-REVENUE
अ-करराजस्व
NON-TAX REV.
विकास व्यय
DEVE. EXP.
अ-विकास व्यय
NON-DEVE. EXP.
राजस्व प्राप्तियाँ
REVENUE RECEIPTS
ऋण (वसूली)
LOANS (RECOVERIES)
लोक ऋण
PUBLIC DEBT
लोक लेखा
PUBLIC ACCOUNT
राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE
पूँजीगत व्यय (शुद्ध)
CAPITAL EXP. (NET)
ऋण (अग्रिम)
LOANS (ADVANCES)
लोक ऋण
PUBLIC DEBT
लोक लेखा
PUBLIC ACCOUNT
बचत
SURPLUS

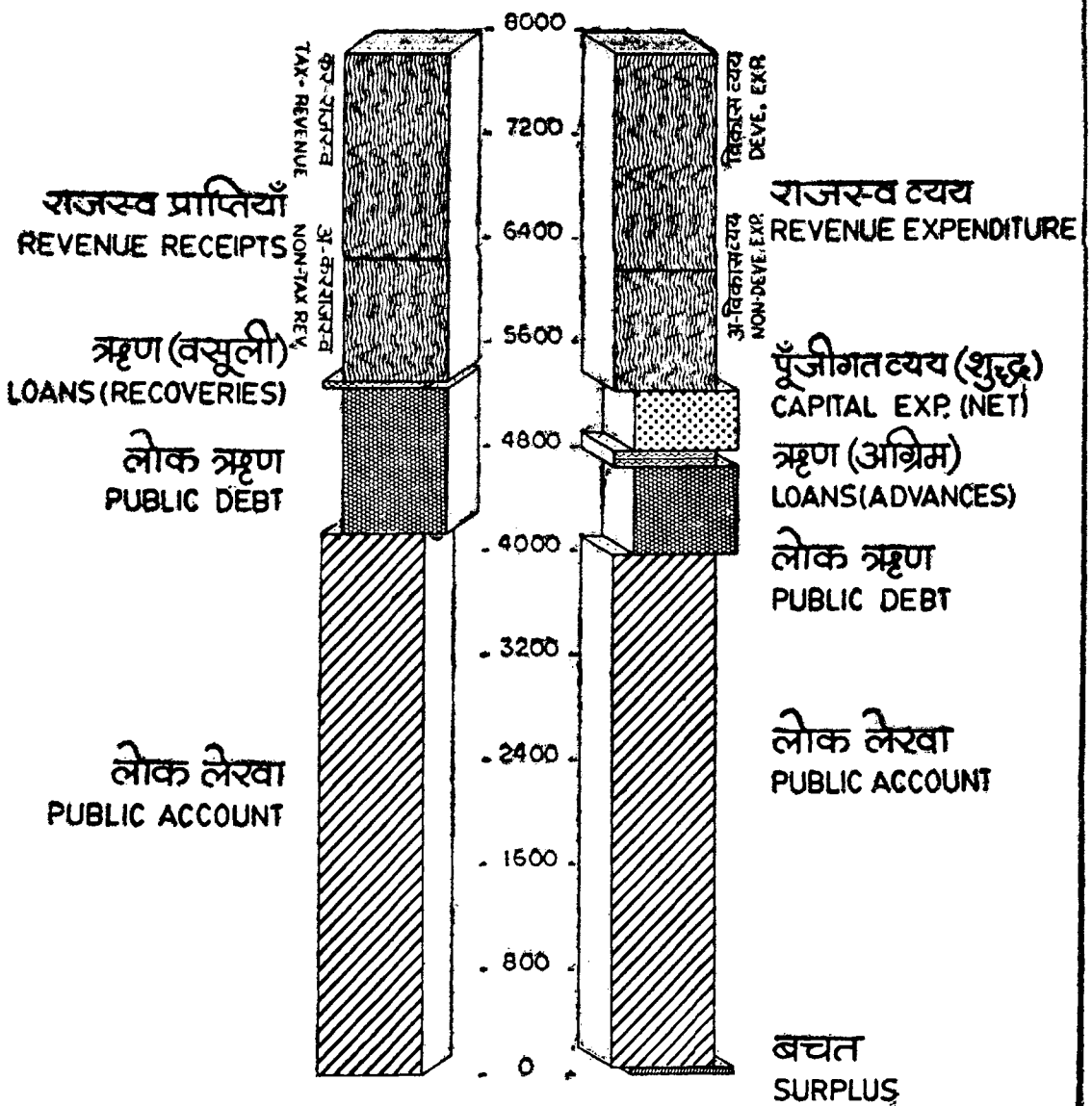

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.2 राजस्व एवं व्यय तथा प्रतिशत विभाजन
REVENUE AND EXPENDITURE AND PERCENTAGE DISTRIBUTION

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

लेख का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
क–कुल राजस्व प्राप्तियां .. Total Revenue Receipts	150596.50 (100.00)	184413.11 (100.00)	218307.75 (100.00)	234021.12 (100.00)	252379.95 (100.00)
(i) कर-राजस्व .. .. Tax Revenue	89124.58 (59.18)	103696.05 (56.23)	118278.59 (54.18)	133073.20 (56.86)	158615.75 (62.85)
(ii) अ-कर राजस्व .. .. Non-Tax Revenue	30027.10 (19.94)	29844.98 (16.18)	36952.62 (16.93)	38689.73 (16.53)	39860.43 (15.79)
(iii) सहायतार्थ अनुदान .. Grants-in-aid	31444.82 (20.88)	50872.08 (27.59)	63076.54 (28.89)	62258.19 (26.61)	53903.72 (21.36)
ख–कुल राजस्व व्यय Total Revenue Expenditure	151114.17 (100.00)	191930.73 (100.00)	253917.76 (100.00)	259056.39 (100.00)	259961.16 (100.00)
(i) सामान्य सेवाओं पर व्यय .. Expenditure on General Services	46973.26 (31.08)	55832.50 (29.09)	63509.54 (25.01)	79887.69 (30.84)	95113.04 (36.59)
(ii) सामाजिक सेवाओं पर व्यय Expenditure on Social Services	59517.13 (39.39)	71895.29 (37.46)	90763.28 (35.75)	97369.23 (37.59)	100920.46 (38.82)
(iii) आर्थिक सेवाओं पर व्यय .. Expenditure on Economic Services	44623.78 (29.53)	64202.94 (33.45)	99644.94 (39.24)	81799.47 (31.57)	63927.66 (24.59)
ग–बचत (+) अथवा घाटा (–) राजस्व लेखे में .. .. **Surplus(+) or Deficit (–) on Revenue Account**	(–)517.67	(–)7517.62	(–)35610.01	(–)25035.27	(–)758.121
	सूचकांक+ INDEX				
राजस्व प्राप्तियां .. .. .. Revenue Receipts	892	1092	1293	1386	1495
राजस्व व्यय .. .. .. Revenue Expenditure	685	870	1151	1174	1178

+(आधार 1970-71=100)
Base.

राजस्व एवं व्यय
REVENUE & EXPENDITURE

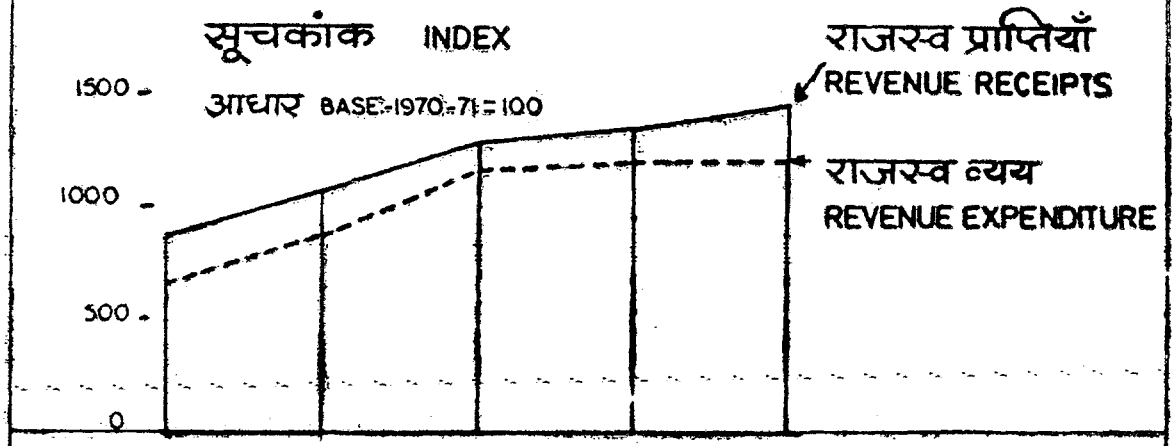

करोड़ रु.
CRORE RS.

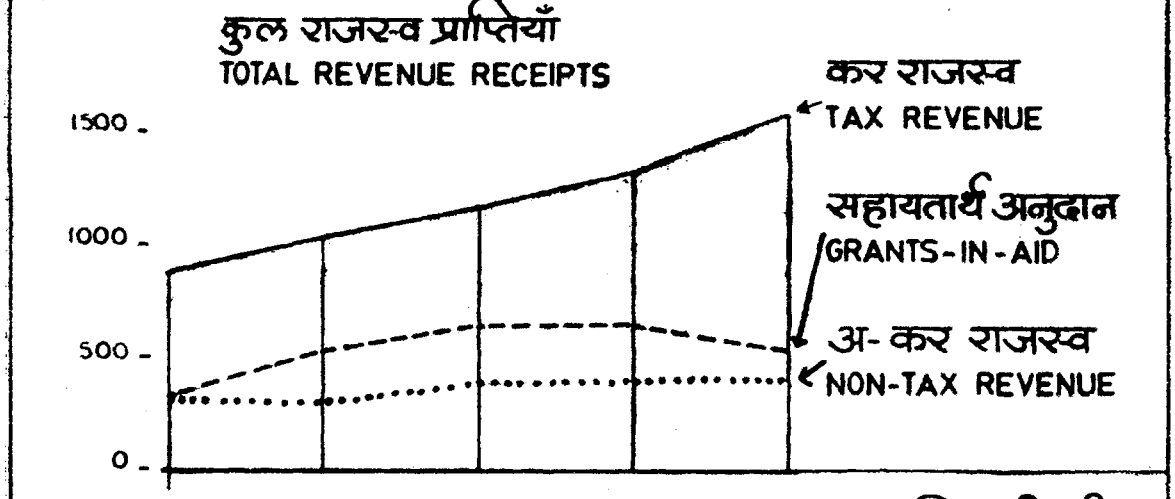

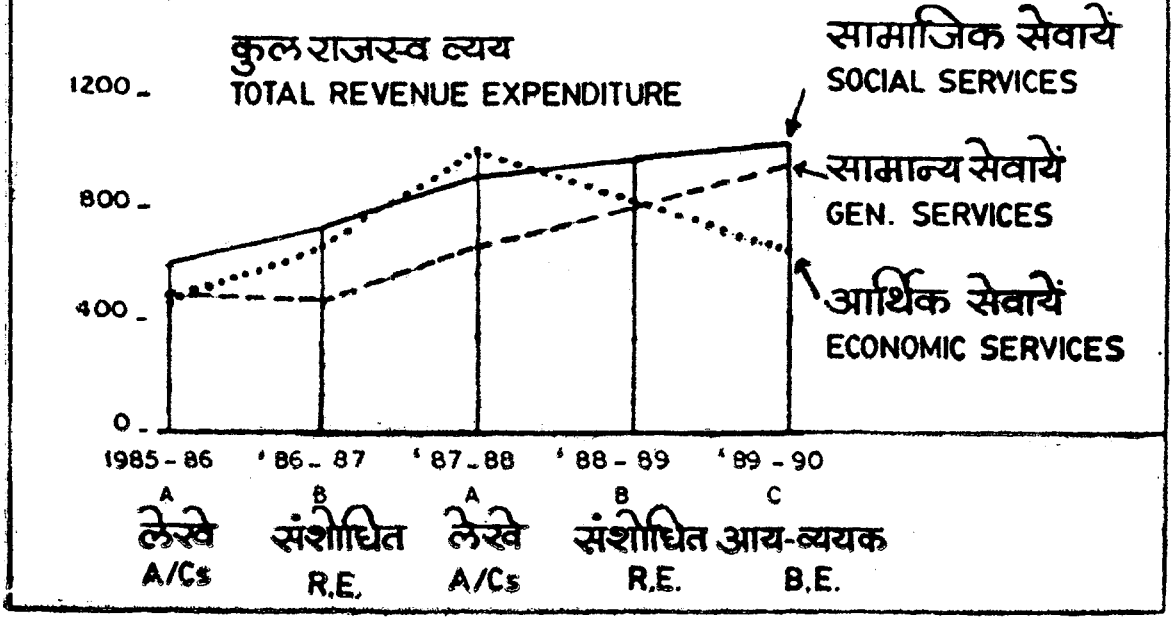

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.3 करों एवं महसूलों से आय
REVENUE FROM TAXES AND DUTIES

(केन्द्रीय एवं राज्य कर) (लाख रुपये)
(Central & State Taxes) (*Lakh Rs.*)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित-अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
क–केन्द्रीय करों का अंश .. .. Share in Central Taxes	32529.56	36789.00	41032.81	45492.00	58806.00
(i) आय कर .. .. Income Tax	8393.75	9818.00	11719.41	12431.00	14937.00
(ii) भू-सम्पत्ति कर .. Estate duty	59.13	2.00	(–) 9.09	3.00	..
(iii) संघीय आबकारी कर .. Union Excise duty	24076.68	26969.00	29322.49	33058.00	43809.00
ख–राज्य कर-राजस्व .. .. State Tax Revenue	56595.02	66907.05	77245.78	87581.20	99809.75
(i) भू-राजस्व .. .. Land Revenue	1562.35	1911.00	2263.00	2566.65	2711.00
(ii) मुद्रांक एवं पंजीयन शुल्क Stamps & Registration	2740.87	3000.00	3994.32	4510.00	4962.00
(iii) राज्य आबकारी .. State Excise	8441.58	10000.00	12729.74	14264.00	18400.00
(iv) बिक्री कर .. .. Sales Tax	33535.08	38900.00	45046.77	51766.00	57500.00
(v) वाहनों पर कर .. .. Taxes on Vehicles	6597.53	8330.00	8428.53	8888.00	10227.00
(vi) सामान और यात्रियों पर कर Taxes on goods and passengers	409.91	636.00	170.60	290.00	266.00
(vii) बिजली पर कर और शुल्क Taxes & Duties on Electricity	1903.49	2563.00	2803.77	3113.95	3493.15
(viii) अन्य कर एवं महसूल+ .. Other Taxes and Duties	1404.21	1567.05	1809.05	2182.60	2250.60
ग–कुल कर–राजस्व .. Total Tax Revenue	89124.58	103696.05	118278.59	133073.20	158615.75
	सूचकांक @ INDEX				
कुल कर-राजस्व .. .. .. Total Tax Revenue	932	1085	1237	1392	1659
राज्य कर-राजस्व .. .. State Tax Revenue	937	1108	1279	1450	1653

+ कृषि आय पर कर, अचल सम्पत्ति पर कर, मनोरंजन कर और वाणिज्यिक फसलों पर उप-कर सहित
Includes Taxes on agricultural income, immovable property, entertainment tax and cess on commercial crops

@ (आधार 1970-71 = 100)
Base

करों एवं महसूलों से आय

केन्द्रीय व राज्यकर

REVENUE FROM TAXES & DUTIES

CENTRAL & STATE TAXES

करोड़ रु.

CRORE RS.

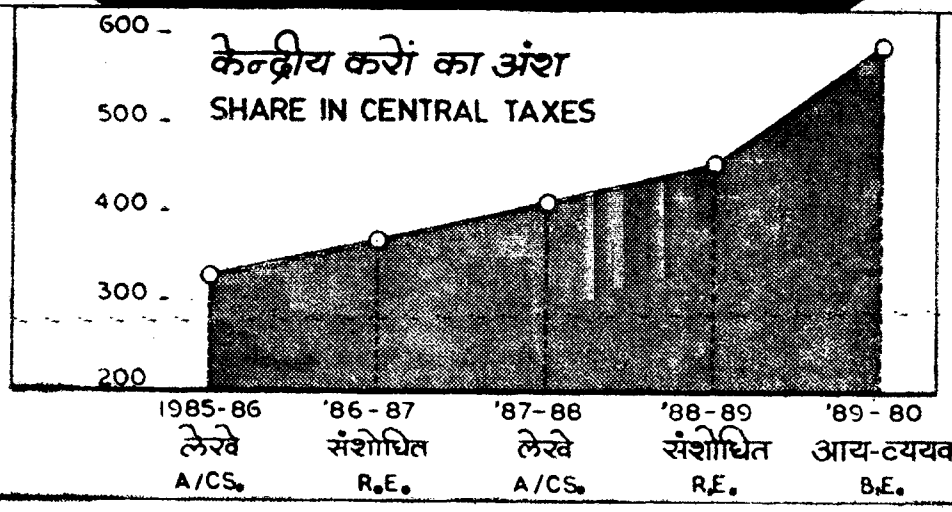

राज्य कर-राजस्व STATE TAX REVENUE

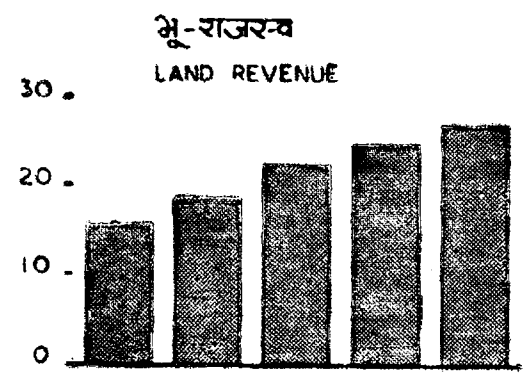

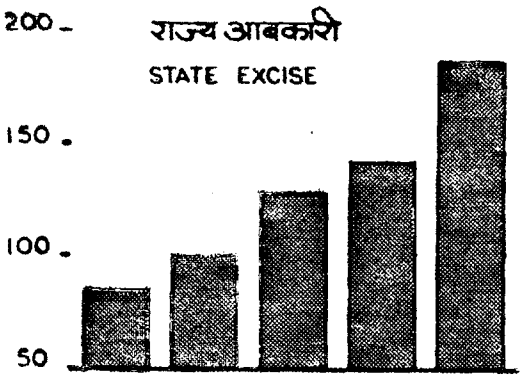

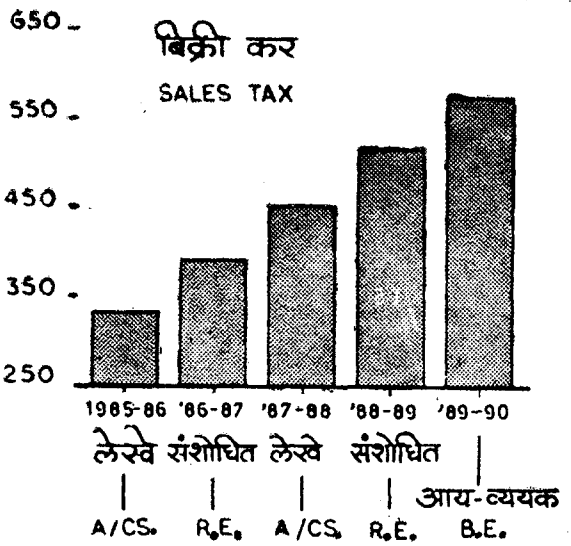

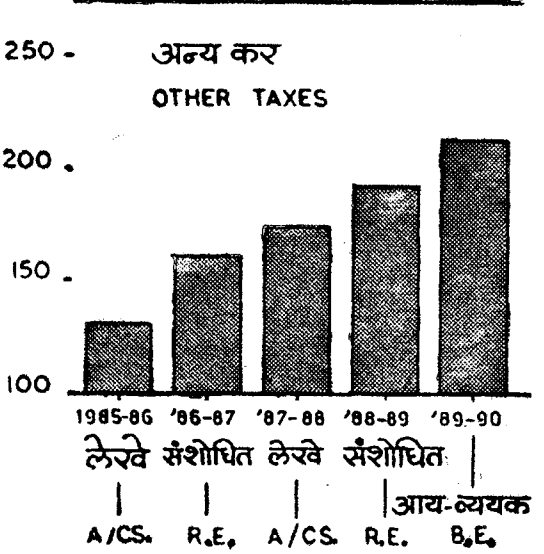

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.4 करों एवं महसूलों से आय

REVENUE FROM TAXES AND DUTIES
(प्रत्यक्ष व परोक्ष कर Direct & Indirect Taxes)

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित-अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
क–प्रत्यक्ष कर .. .. .. Direct Taxes	12971.51	14991.25	18490.53	20410.85	23510.20
(i) केन्द्रीय करों का अंश + .. Share in Central Taxes	8452.88	9820.00	11710.32	12434.00	14937.00
(ii) भू-राजस्व एवं कृषि आय पर कर Land Revenue and Taxes on Agricultural Income	1562.65	1911.25	2263.10	2566.85	2711.20
(iii) मुद्रांक एवं पंजीयन शुल्क .. Stamps & Registration	2740.87	3000.00	3994.32	4510.00	4962.00
(iv) अचल सम्पत्ति पर कर .. Taxes on Immovable Property	215.11	260.00	522.79	900.00	900.00
ख–परोक्ष कर .. .. .. Indirect Taxes	76153.07	88704.80	99788.06	112662.35	135105.55
(i) संघीय आबकारी का अंश .. Share in Union Excise	24076.68	26969.00	29322.49	33058.00	43869.00
(ii) राजकीय आबकारी .. State Excise	8441.58	10000.00	12729.74	14264.00	18400.00
(iii) बिक्री कर .. .. Sales Tax	33535.08	38900.00	45046.77	51766.00	57500.00
(iv) वाहनों पर कर .. .. Taxes on Vehicles	6597.53	8330.00	8428.53	8888.00	10227.00
(v) सामान एवं यात्रियों पर कर Taxes on Goods and Passengers	409.91	636.00	170.60	290.00	266.00
(vi) अन्य कर एवं महसूल × .. Other Taxes & Duties	3092.29	3869.80	4089.93	4396.35	4843.55
ग–कुल कर-राजस्व .. .. Total Tax Revenue	89124.58	103696.05	118278.59	133073.20	158615.75
प्रत्यक्ष कर राजस्व का कुल कर-राजस्व से प्रतिशत .. .. .. Percentage of Direct Tax Revenue to total Tax Revenue	14.55	14.46	15.63	15.34	14.82
सूचकांक INDEX @					
प्रत्यक्ष कर-राजस्व .. .. Direct Tax Revenue	443	512	631	697	803
परोक्ष कर राजस्व .. .. Indirect Tax Revenue	1153	1343	1511	1706	2046

+ आयकर, भू-सम्पत्ति कर और होटल कर प्राप्तियां सहित
Includes Taxes on Income, Estate Duty and Hotel Receipts Tax

× बिजली शुल्क, मनोरंजन कर और वाणिज्यिक फसलों पर उपकर सहित
Includes Electricity duties, Entertainment Tax and cess on commercial crops

@ (आधार 1970-71=100)
Base

करों एवं महसूलों से आय

(प्रत्यक्ष व परोक्ष कर)

REVENUE FROM TAXES & DUTIES

करोड़ रु.　(DIRECT & INDIRECT TAXES)　CRORE Rs.

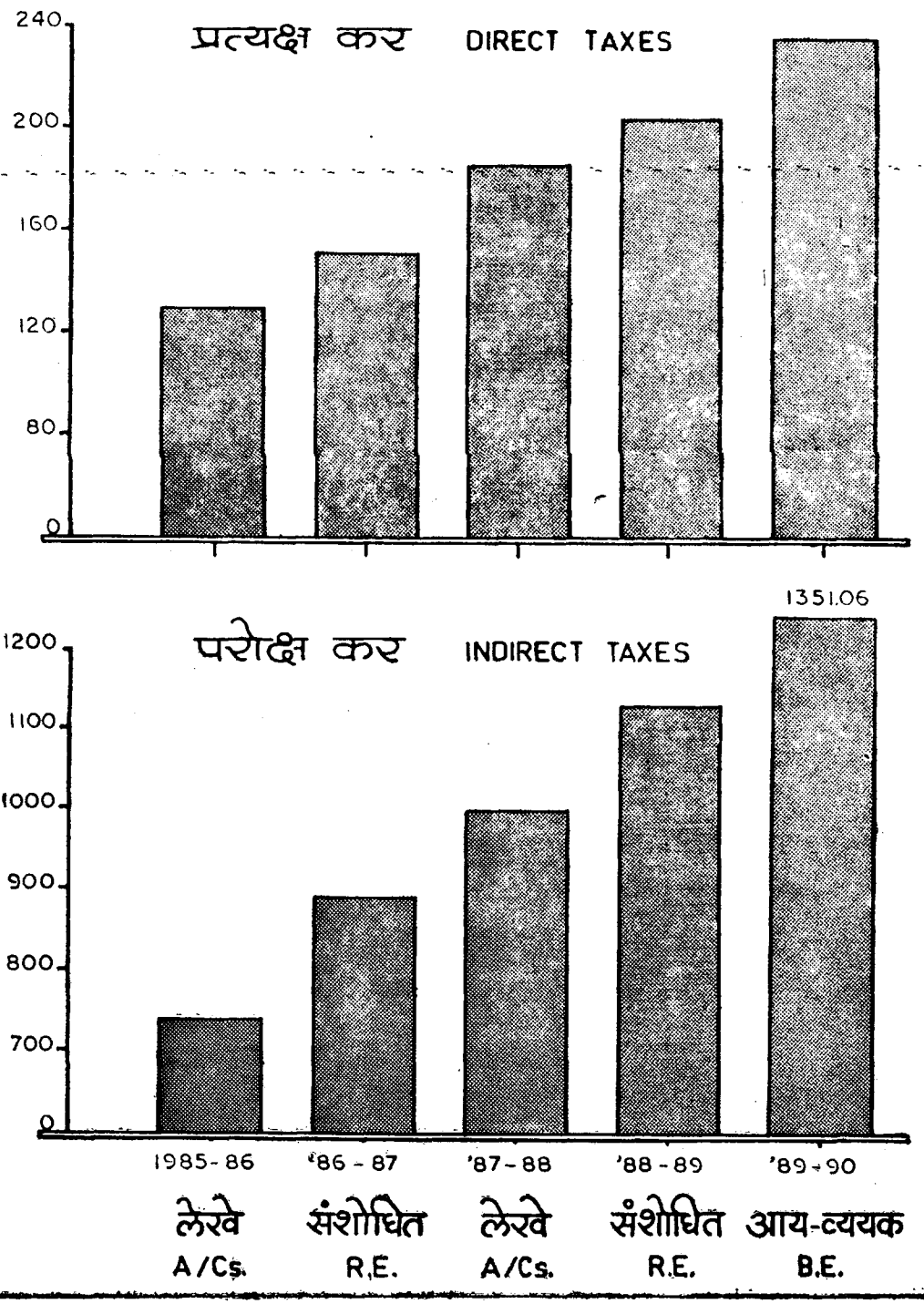

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.5 अ-कर राजस्व
NON-TAX REVENUE

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
1. ब्याज की प्राप्तियां, लाभांश एवं लाभ Interest receipts, Dividends and Profits	7824.57	8883.55	12926.30	1194450	12182.29
2. सामान्य सेवायें .. .. General Services	8604.36	7702.25	9120.11	8841.23	9417.54
3. सामाजिक सेवायें Social Services	3978.63	4273.21	4617.20	6368.68	6268.58
(i) शिक्षा, कला एवं संस्कृति .. Education, Art and Culture	256.46	277.70	270.45	1171.26	711.53
(ii) चिकित्सा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण .. Medical, Health and Family Welfare	372.34	454.92	540.92	675.27	675.28
(iii) जलपूर्ति, सफाई, आवास और शहरी विकास Water Supply, Sanitation, Housing and Urban Devlop.	3170.40	3382.99	3593.55	4355.15	4718.67
(iv) अन्य Others	179.43	157.60	212.28	167.00	163.10
4. आर्थिक सेवायें .. .. Economic Services	9619.54	8985.97	10289.01	11535.32	11992.07
(i) लघु सिंचाई .. .. Minor Irrigation	742.04	740.51	1047.45	1354.56	1358.30
(ii) वानिकी और वन्य जीवन Forestry and Wild Life	900.01	870.20	845.58	894.48	900.69
(iii) उद्योग, ग्रामोद्योग व लघु उद्योग Industries, village and Small industries	435.53	292.30	339.12	268.20	298.80
(iv) वृहद् एवं मध्यम सिंचाई परियोजनायें .. .. Major and Medium Irrigation Projects	1057.22	1229.18	1219.20	1437.27	1536.23
(v) अलौह धातु, खनन् एवं धातु कर्म उद्योग Non Ferrous, Mining & Metallurgical Industries	5730.62	5210.10	6001.72	6740.78	6708.10
(vi) अन्य . .. .. Others	754.12	643.68	835.94	840.03	1189.95
5. सहायतार्थ अनुदान .. .. Grants-in-aid	31444.82	50872.08	63076.54	62258.19	53903.72
कुल अ-कर राजस्व .. .. Total Non-Tax Revenue	61471.92	80717.06	100029.16	100947.92	93764.20
सूचकांक INDEX+					
अ-कर राजस्व .. .. Non-Tax Revenue	837	1099	1362	1374	1277

+(आधार 1970-71 100)
Base

अ-कर राजस्व
NON-TAX REVENUE

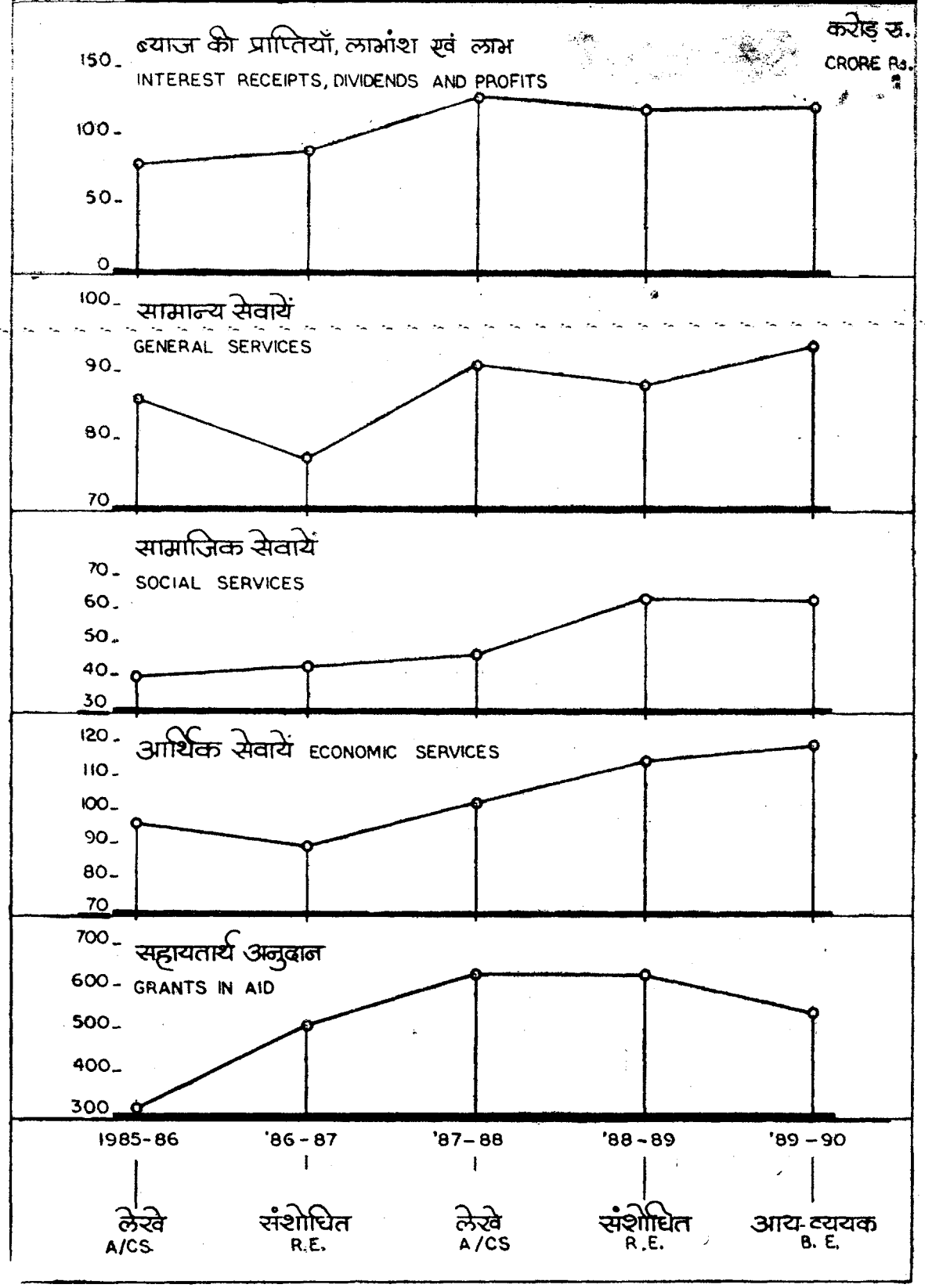

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.6 राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE

(विकास एवं अ-विकास)
(Development & Non-Development)

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित-अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
कुल राजस्व व्यय .. .. Total Revenue Expenditure	151114.17	191930.73	253917.76	259056.39	259961.16
(i) विकास व्यय .. .. Development Expenditure	104140.91	136098.23	190408.22	179168.70	164848.12
(ii) अ-विकास व्यय .. Non-Development Expenditure	46973.26	55832.50	63509.54	79887.69	95113.04
कुल व्यय से विकास व्यय का प्रतिशत Percentage of Development Expenditure to total Expenditure	68.92	70.90	74.99	69.16	63.41

सूचकांक@
INDEX

विकास व्यय .. .. Development Expenditure	973	1271	1679	1674	1540
अ-विकास व्यय .. .. Non-Development Expenditure	415	493	561	706	840

@ (आधार 1970-71=100)
Base

राजस्व व्यय (विकास एवं अ-विकास)
REVENUE EXPENDITURE (DEVELOPMENT & NON-DEVELOPMENT)

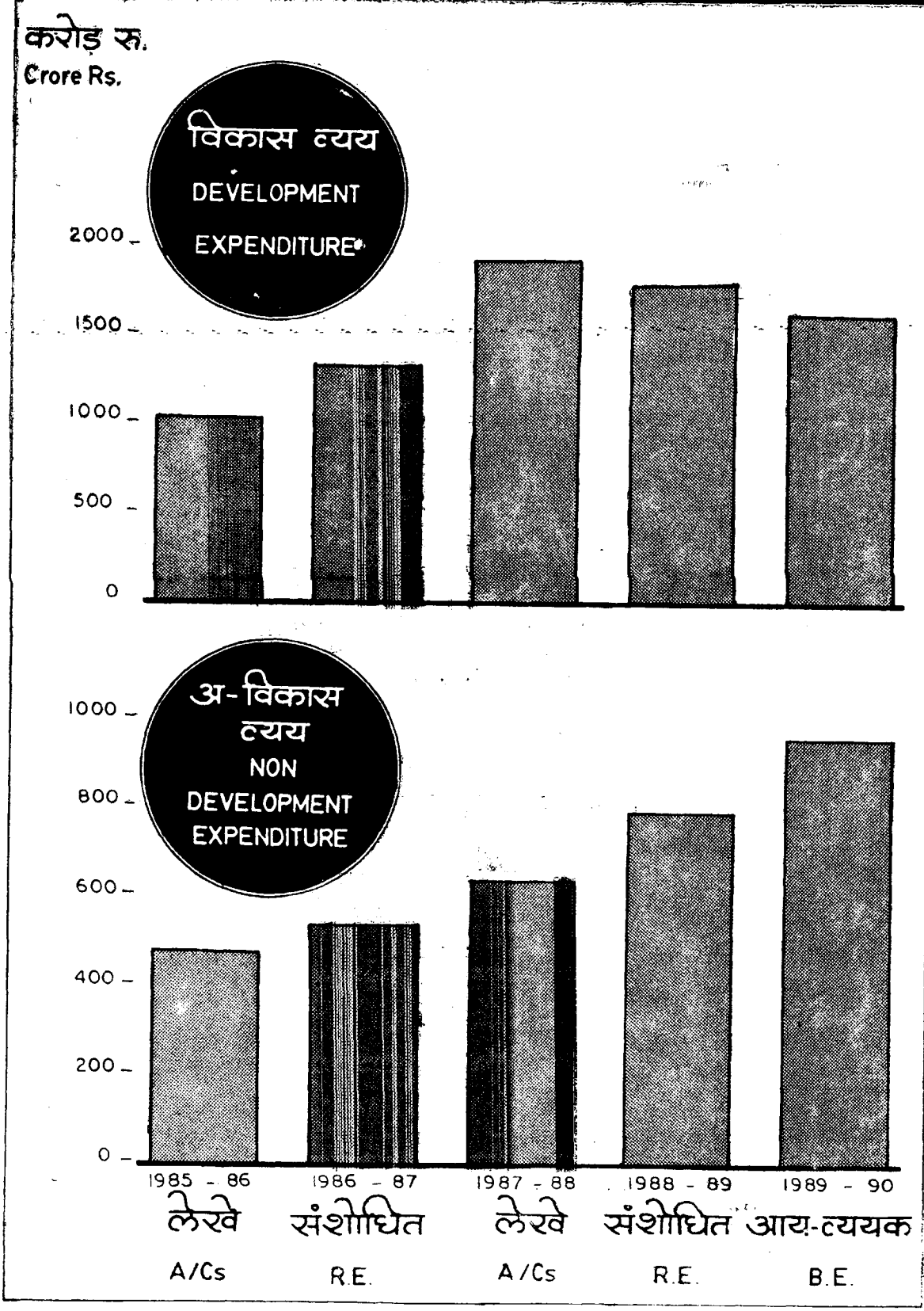

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.7 सामान्य सेवाओं पर व्यय
EXPENDITURE ON GENERAL SERVICES

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
1. राज्य के अंग* Organs of State	1394.77	1665.34	1943.14	2349.50	3747.28
2. राजकोषीय सेवायें Fiscal Services ..	4846.31	5811.61	6053.58	6873.58	7591.24
(i) सम्पत्ति एवं पूंजीगत लेन-देनों पर करों का संग्रहण Collection of taxes on property & capital transactions	2548.45	2987.60	3431.44	3817.95	4111.69
(ii) वस्तुओं एवं सेवाओं पर करों का संग्रहण .. .. Collection of Taxes on Commodities and Services	2011.77	2576.80	2399.68	2658.62	2984.10
(iii) अन्य .. .. .. Others	286.09	247.21	222.46	397.01	495.45
3. ब्याज संदाय और ऋण परिशोधन Interest payment and servicing of Debt	20134.10	25624.91	29870.20	37706.08	43114.12
4. प्रशासनिक सेवायें+ .. .. Administrative Services	13772.87	15634.91	17463.32	19767.07	22459.29
5. पेंशन और विविध सामान्य सेवायें Pensions & Misc. general services	6109.10	6355.87	7451.77	12391.38	17292.98
6. सहायता अनुदान और अंशदान .. Grants in aid and contribution	716.11	739.86	727.53	800.08	908.13
योग .. Total	46973.26	55832.50	63509.54	79887.69	95113.04
सामान्य सेवाओं का कुल व्यय से प्रतिशत .. .. .. Percentage of expenditure on general services to total expenditure	31.08	29.09	25.01	30.84	36.59
सूचकांक × INDEX					
सामान्य सेवाओं पर व्यय .. Expenditure on General Services	415	493	561	706	840

*संसद, राज्य/संघ क्षेत्र, विधान सभा, मन्त्री परिषद्, न्याय प्रशासन, निर्वाचन सहित
Includes Parliament, State/Union Territory, Legislature, Council of Ministers, Administration of Justice & Elections.

+लोक सेवा आयोग, सचिवालय, जिला प्रशासन, खजाना, पुलिस, जेल, मुद्रण इत्यादि
R.P.S.C., Secretariat, District Administration, Treasury, Police, Jails, Printing Presses etc.

× (आधार 1970-71=100)
Base

सामान्य सेवाओं पर व्यय
EXPENDITURE ON GENERAL SERVICES

करोड़ रु॰ CRORE RS.

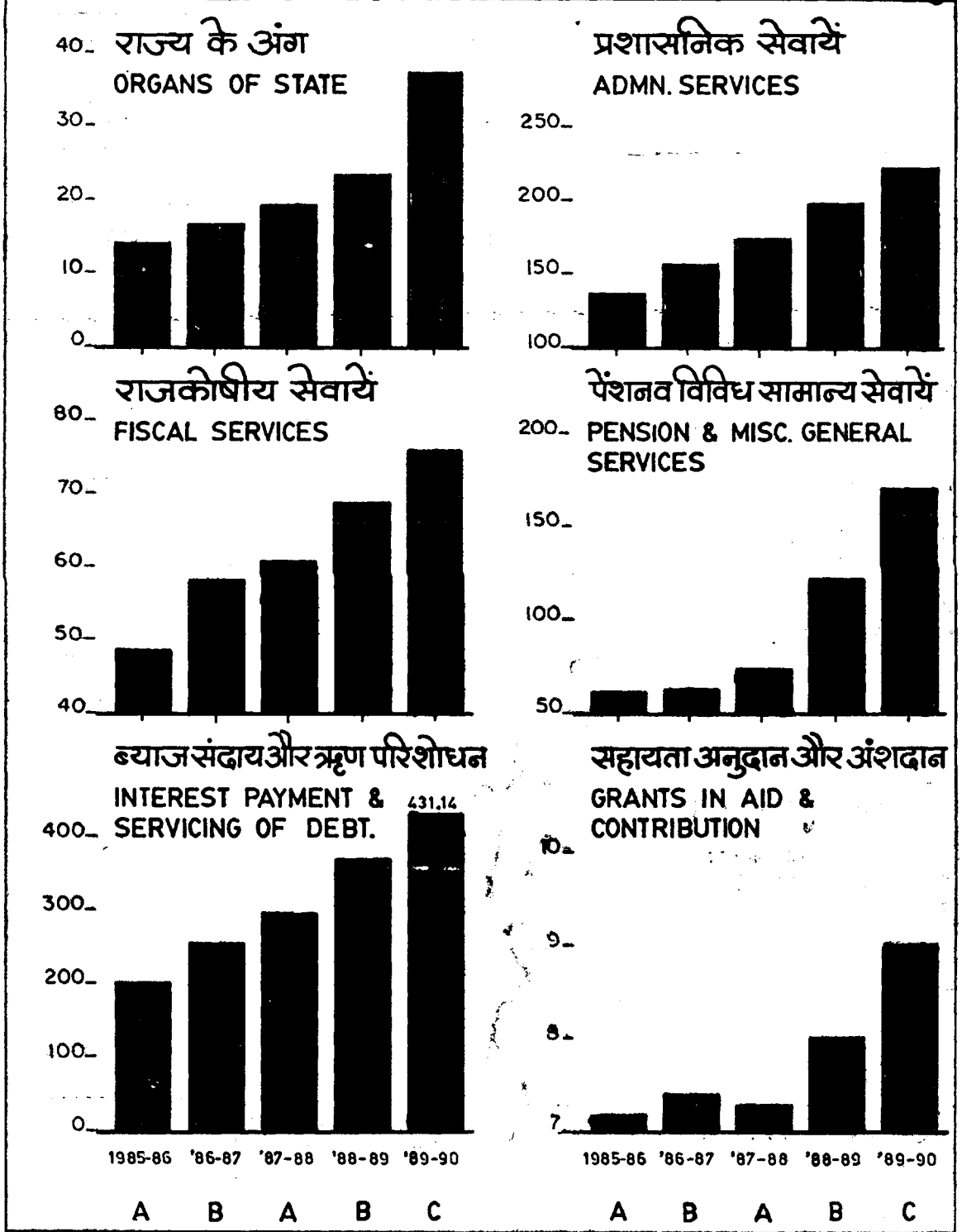

A = A/Cs लेखे

B = R.E. संशोधित

C = B.E. आय-व्ययक

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.8 सामाजिक सेवाओं पर व्यय
EXPENDITURE ON SOCIAL SERVICES

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
1. शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति .. Education, Sport, Art & Culture	32580.19	40228.88	47329.42	53703.26	59915 91
2. चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण Medical Health & Family Welfare	12212.68	14575.88	16249.49	18211.59	19618.01
3. जलपूर्ति, सफाई आवास और शहरी विकास Water Supply Sanitation, Housing and Urban Development	7952.10	8606.58	10903.46	10958.70	11324.26
4. श्रमिक और श्रमिक कल्याण .. Labour & Labour welfare	431.39	597.35	678.52	820.29	992.32
5. अनुसूचित जातियों, अनु. जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण Welfare of Schedule caste, Schedule Tribe and other Backward classes	2697.28	3275.29	3060 16	3271.81	3485.61
6. समाज कल्याण और पोषाहार .. Social Welfare and Nutrition	3273.39	4189.17	12116 82	9899.92	5045.87
7. अन्य+ .. .. Other	370.10	422.14	425.41	503.66	538.48
योग .. Total	59517.13	71895.29	90763 28	97369.23	100920.46
सामाजिक सेवाओं के व्यय का कुल व्यय से प्रतिशत .. .. Percentage of expenditure on Social Services to total Expenditure	39.39	37.46	35 75	37.59	38.82
	सूचकांक @ INDEX				
सामाजिक सेवाओं पर व्यय .. Expenditure on Social Services	897	1084	1368	1468	1522

@ (आधार 1970-71=100)
Base.

+ सूचना और प्रसार, सचिवालय सामाजिक सेवाय तथा अन्य सामाजिक सेवायें सम्मिलित हैं।
Includes Information & Publicity, Secretariate Social Services and other Social Services.

सामाजिक सेवाओं पर व्यय
EXPENDITURE ON SOCIAL SERVICES

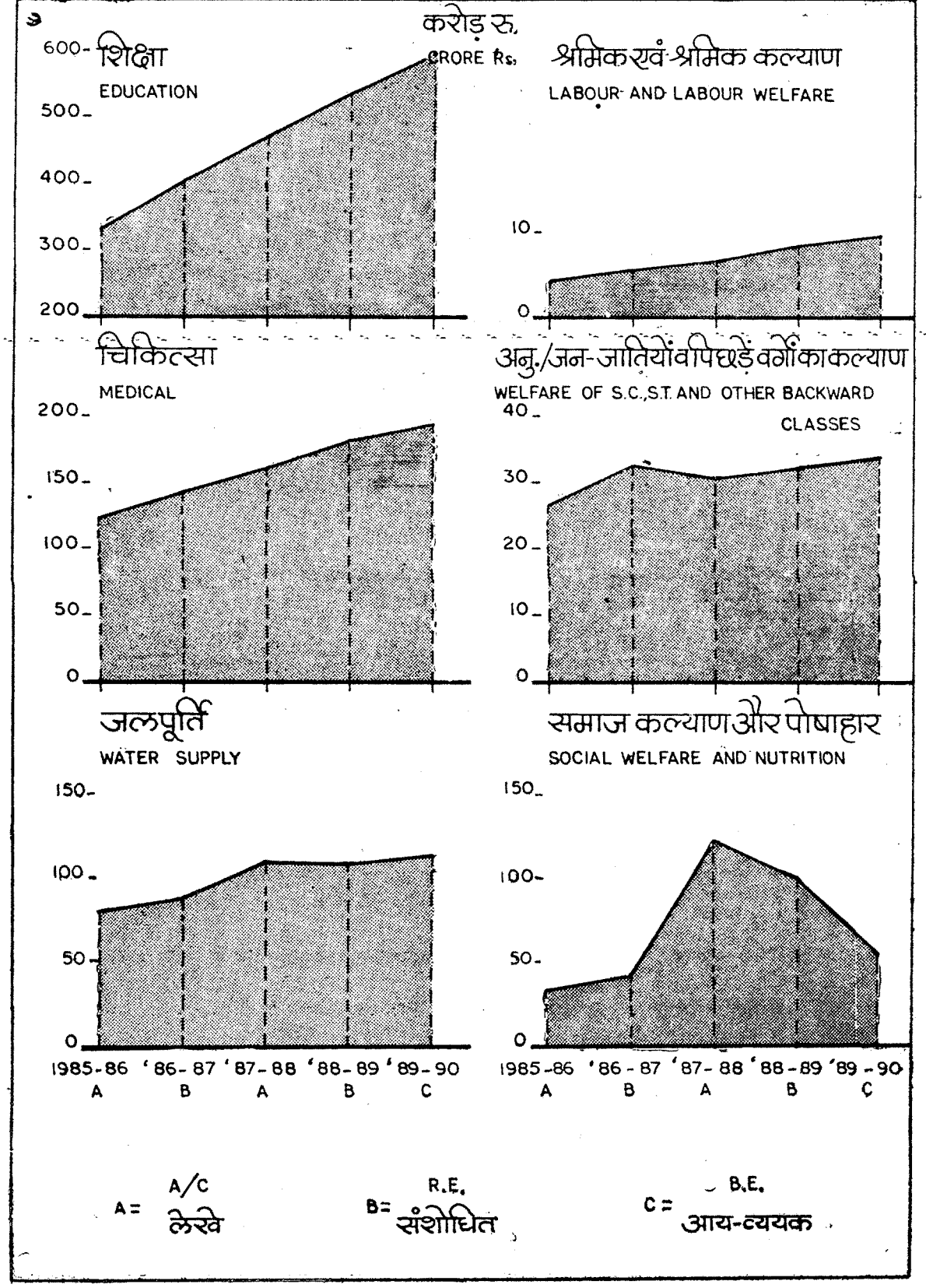

A = A/C लेखे

B = R.E. संशोधित

C = B.E. आय-व्ययक

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.9 शिक्षा, कला एवं संस्कृति पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON EDUCATION, ART AND CULTURE

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

	विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R. E. 1986-87	लेखे Accounts 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
	1	2	3	4	5	6
1.	सामान्य शिक्षा .. .. General Education	31626.32	38984.79	45786.71	52047.94	57910.79
2.	तकनीकी शिक्षा .. .. Technical Education	384.24	539.78	735.33	758.60	977.63
3.	खेल और युवा कल्याण .. Sports and youth welfare	319.47	419.96	499.34	564.80	635.94
4.	कला और संस्कृति .. .. Art and culture	250.16	284.35	308.04	331.92	391.55
	योग .. TOTAL	32580.19	40228.88	47329.42	53703.26	59915.91

शिक्षा, कला, एवं संस्कृति पर राजस्व व्यय

REVENUE EXPENDITURE ON EDUCATION, ART & CULTURE

करोड़ रु. CRORE Rs.

सामान्य शिक्षा GENERAL EDUCATION

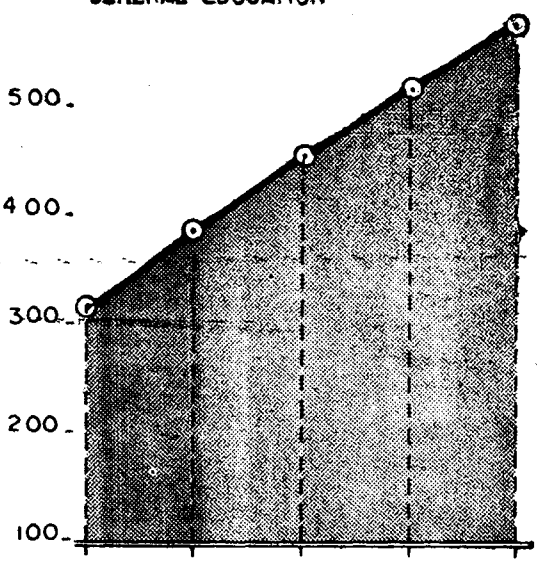

खेल एवं युवा कल्याण SPORTS AND YOUTH WELFARE

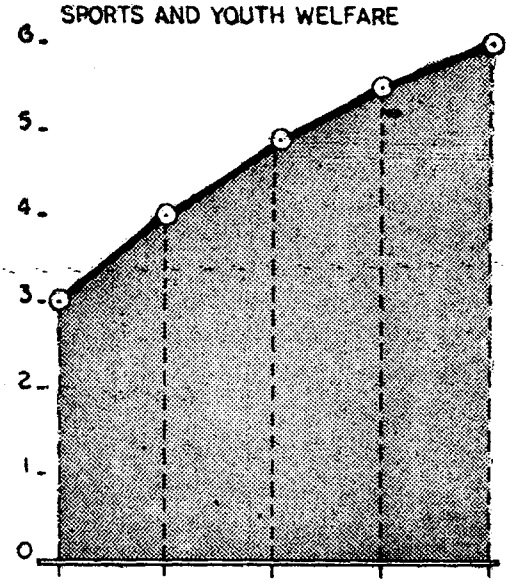

तकनीकी शिक्षा TECHNICAL EDUCATION

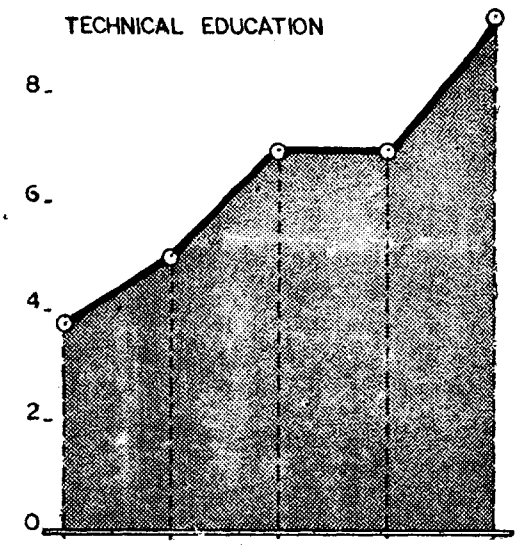

कला एवं संस्कृति ART AND CULTURE

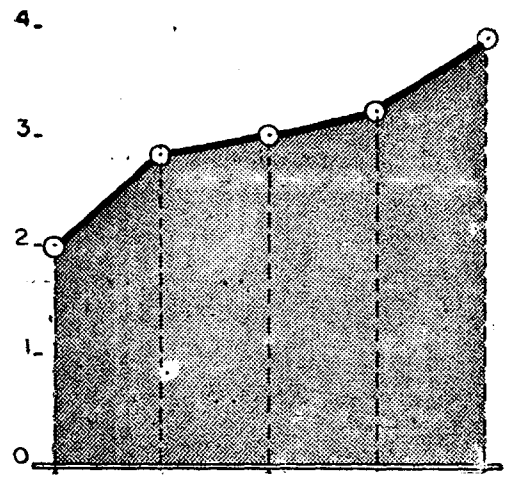

A = A/Cs. लेखे

B = R.E. संशोधित

C = B.E. आय-व्ययक

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.10 चिकित्सा, जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON MEDICAL PUBLIC HEALTH & FAMILY WELFARE

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs*)

विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान RE 1986-87	संशोधित अनुमान R.E. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E 1989-90
1	2	3	4	5	6
(अ) एलोपैथी Allopathy	6477.36	7953.63	9380.48	10312.05	10537.89
1. निदेशन और प्रशासन .. .. Direction & Administration	94.42	138.05	136.06	141.31	158.96
2. चिकित्सा सहायता+ .. .. Medical Relief	4996.44	6032.41	6766.79	7479.01	7950.93
3. आदिम जाति क्षेत्र उप-योजना .. Tribal Area Sub-Project	121.09	176.37	201.76	273.99	295.31
4. चिकित्सा, शिक्षा एवं प्रशिक्षण .. Medical, Education and Training	879.47	1105.85	1312.46	1413.36	1488.07
5. कर्मचारी राज्य बीमा योजना .. Employees State Insurance	367.64	453.24	514.63	563.76	621 80
6. चिकित्सा भण्डार डिपो .. Medical Store Depot	15.35	19.04	19.64	21.31	22.80
7. विभागीय औषध निर्माण Departmental Laboratory	2.95	28.67	429.14	419.31	0.02
(ब) अन्य चिकित्सा प्रणालियां Other Systems of Medicines	1479.44	1864.31	1992.67	2310.23	2556.70
1. आयुर्वेदिक+ .. .. .. Ayurvedic	1369.80	1712.87	1822.63	2133.87	2343.35
2. आदिम जाति क्षेत्र उप-योजना .. Tribal Area Sub-Project	56.43	77.67	85.97	91.86	110 45
3. होम्योपैथी+ .. .. .. Homoeopathy	21.61	32.07	37.79	35.39	44.48
4. यूनानी+ .. .. .. Unani	27.08	35.48	39.20	41.79	49.87
5. अन्य पद्धतियां .. .. Other Systems	4.52	6.22	7.08	7.32	8.55
(स) जन स्वास्थ्य .. .. Public Health	1666.35	1816.98	1918.04	2106.71	2469.38
(द) नवीन सेवा* New Items	..	..	..	..	492.14
(स) परिवार कल्याण .. .. Family Welfare	2589.53	2940.96	3272.24	3482.60	3561.90
योग .. TOTAL	12212.68	14575.88	16563.43	18211.59	19618.01

* पूर्व वर्षों में समंक पहिले ही समायोजित हैं।
Earlier years figures have already been adjusted.

+ इसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र सम्मिलित है।
Includes Urban and Rural areas.

चिकित्सा,जनस्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर राजस्व व्यय

REVENUE EXPENDITURE ON MEDICAL, PUBLIC HEALTH & FAMILY WELFARE

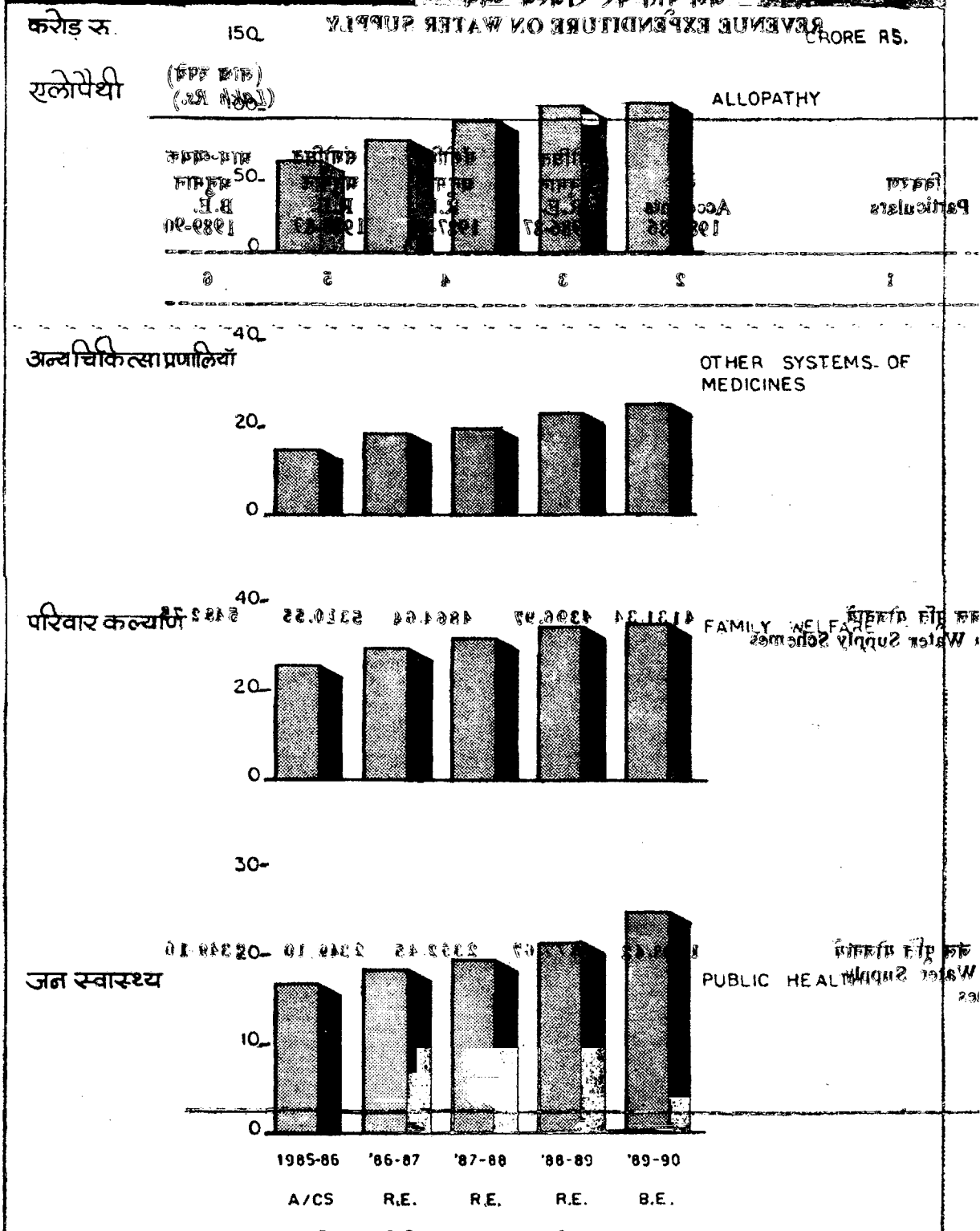

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.11 जल पूर्ति पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON WATER SUPPLY

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	संशोधित अनुमान R.E. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
1. शहरी जल पूर्ति योजनायें Urban Water Supply Schemes	4131.34	4396.97	4864.64	5310.55	5482.75
2. ग्रामीण जल पूर्ति योजनायें Rural Water Supply Schemes	1808.42	1877.67	2352.45	2349.10	2349.10

जल पूर्ति पर राजस्व व्यय

REVENUE EXPENDITURE ON WATER SUPPLY

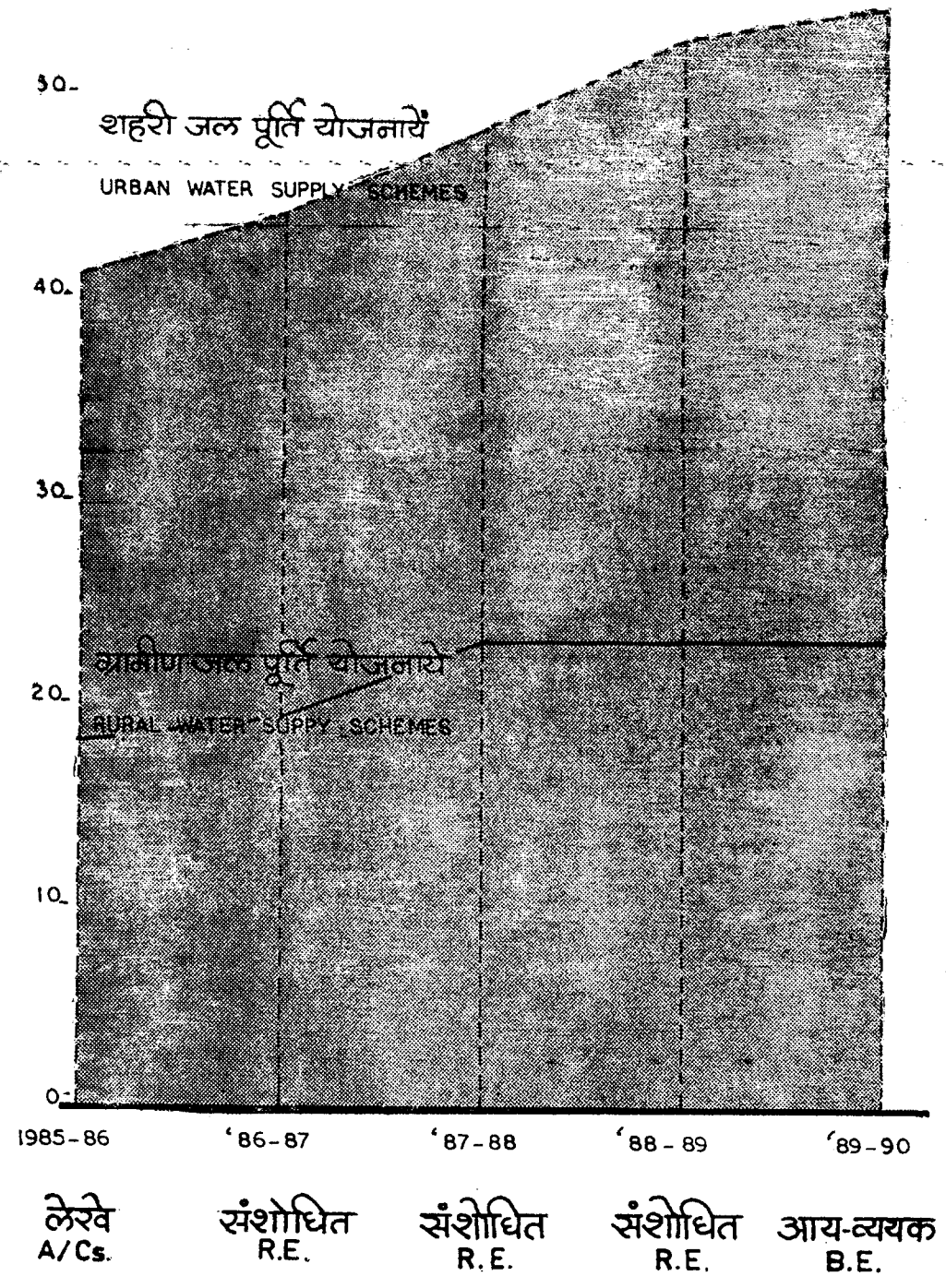

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.12 आर्थिक सेवाओं पर व्यय
EXPENDITURE ON ECONOMIC SERVICES

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
1. कृषि और सम्बद्ध क्रिया कलाप.. Agriculture and Allied Activities	9054.01	11695.95	16647.75	17712.84	13603.96
2. ग्रामीण विकास एवं विशेष क्षेत्र कार्यक्रम .. Rural Development and Special Areas Programme	8439.87	20760.05	36751.40	27281.57	17761.66
3. उद्योग एवं खनिज .. .. Industries and Minerals	3277.19	3421.73	4293.90	3294.40	3150.72
4. सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं ऊर्जा .. Irrigation, Flood Control and Energy	17761.67	19575.76	25630.08	21154.21	19639.91
5. परिवहन .. .. Transport	5411.24	7878.18	15370.34	11231.43	8451.27
6. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण .. Science, Technology and Environment	22.83	58.15	63.80	80.84	105.05
7. सामान्य आर्थिक सेवायें .. General Economic Services	656.97	813.12	887.67	1044.18	1215.09
योग .. TOTAL	44623.78	64202.94	99644.94	81799.47	63927.66
आर्थिक सेवाओं पर व्यय का कुल व्यय से प्रतिशत Percentage of Eco. Services Expenditure to total Expenditure	29.53	33.45	39.24	31.57	24.59
सूचकांक* INDEX					
आर्थिक सेवाओं पर व्यय .. Expenditure on Economic Services	1092	1572	2440	2003	1565

* (आधार 1970-71 = 100)
Base.

आर्थिक सेवाओं पर व्यय
EXPENDITURE ON ECONOMIC SERVICES

करोड़ रु.
CRORE RS.

A लेखे A/CS.
B संशोधित R.E.
C आय-व्ययक B.E.

कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलाप
AGRI. & ALLIED ACTIVITIES

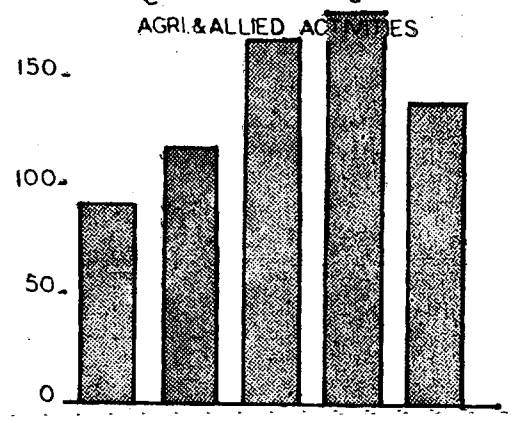

ग्रामीण विकास एवं विशेष क्षेत्र कार्यक्रम
RURAL DEVELOPMENT & SPECIAL AREAS PROGRAMME

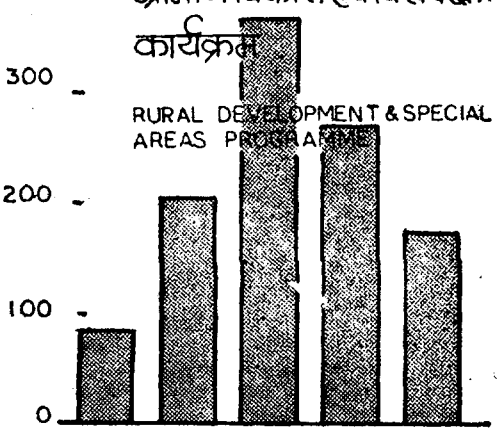

सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं ऊर्जा
IRRIGATION FLOOD CONTROL & ENERGY

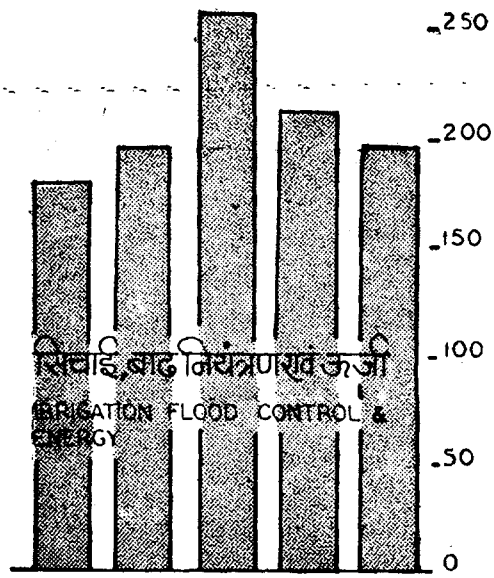

उद्योग एवं खनिज
INDUSTRIES AND MINERALS

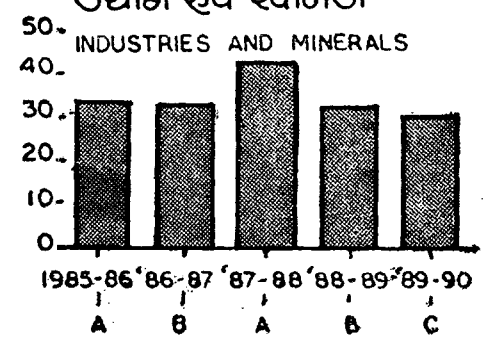

परिवहन
TRANSPORT

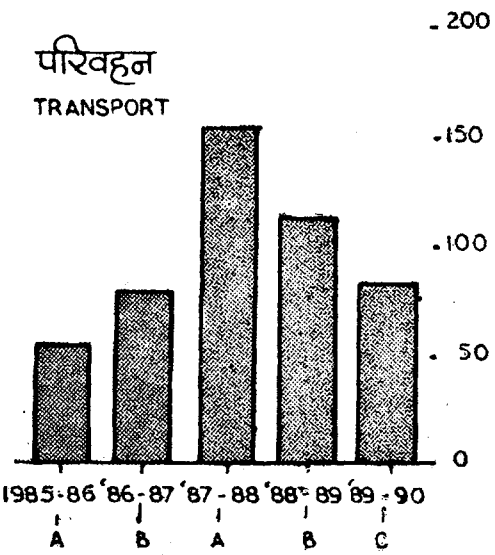

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.13 कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलाप पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON AGRICULTURE AND ALLIED ACTIVITIES

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

	विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे Accounts 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
	1	2	3	4	5	6
1.	कृषि कार्य Crop Husbandry	2676.27	2309.49	2955.81	3864.39	3194.04
2.	भू और जल संरक्षण Soil and Water Conservation	827.05	1927.16	1254.70	1438.88	859.71
3.	पशु पालन Animal Husbandry	1614.78	1987.22	6054.32	5923.07	2821.05
4.	डेरी विकास Dairy Development	200.75	273.67	201.00	200.00	225.00
5.	मीन उद्योग Fisheries	137.53	202.11	192.19	211.43	233.83
6.	वानिकी और वन्य जीवन Forestry and Wild Life	2299.89	3308.04	4199.64	3662.96	3520.80
7.	खाद्य, भण्डारण और भण्डागारण Food, Storage and Warehousing	84.89	45.37	62.24	202.49	91.49
8.	कृषि अनुसंधान और शिक्षा Agricultural Research and Education	653.27	770.34	930.50	1141.11	1278.78
9.	सहकारिता Co-operation	503.41	664.57	712.69	897.52	1144.65
10.	अन्य कृषि कार्यक्रम Other Agriculture Programme	56.17	207.98	84.66	170.99	234.61
	योग Total	9054.01	11695.95	16647.75	17712.84	13603.96

कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलाप पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON AGRICULTURE & ALLIED ACTIVITIES

करोड़ रु.
CRORE Rs.

कृषि कार्य
CROP HUSBANDARY

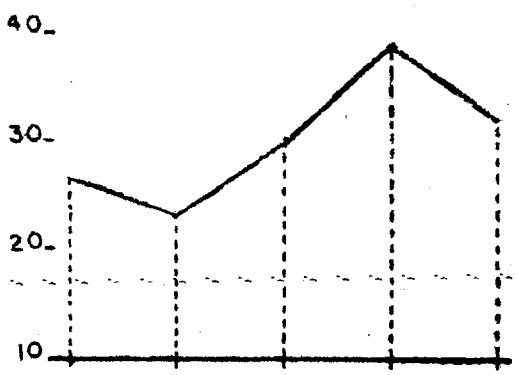

वानिकी और वन्य जीवन
FORESTRY & WILD LIFE

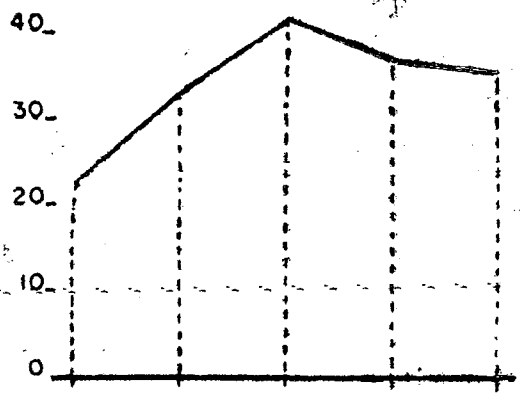

भू और जल संरक्षण
SOIL & WATER CONSERVATION

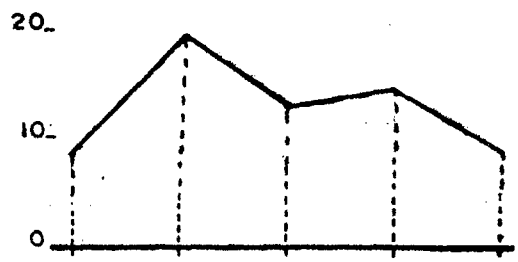

कृषि अनुसंधान और शिक्षा
AGRICULTURAL RESEARCH & EDUCATION

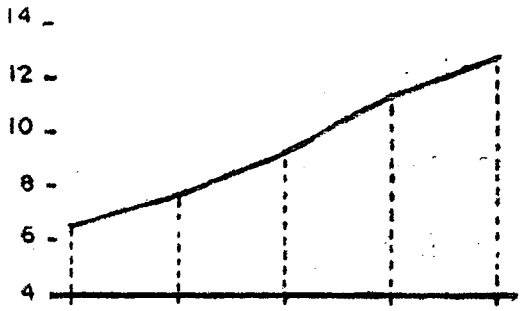

पशु पालन
ANIMAL HUSBANDRY

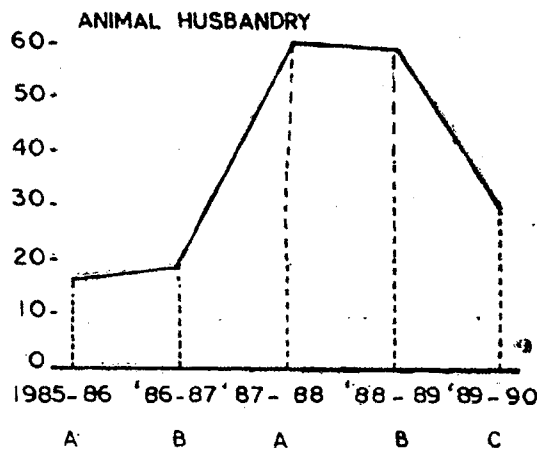

सहकारिता
COOPERATION

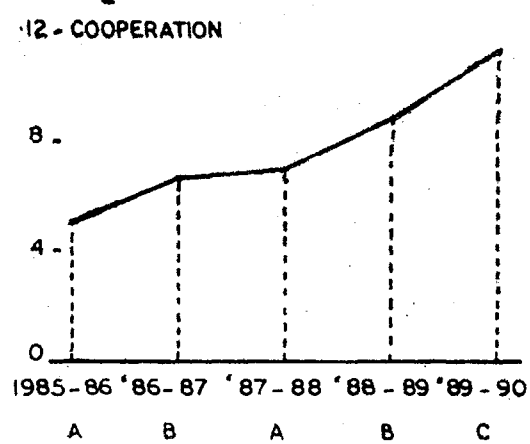

A = A/Cs. लेखे

B = R.E. संशोधित

C = B.E. आय-व्ययक

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.14 उद्योग पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON INDUSTRIES

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	संशोधित अनुमान R.E. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
(अ) सामान्य General	844.04	910.30	994.58	818.60	875.81
1. निदेशन और प्रशासन Direction and Administration	210.28	266.20	323.21	313.44	339.09
2. औद्योगिक उत्पादकता Industrial Productivity	589.62	586.50	618.98	453.12	477.75
3. औद्योगिक शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण Industrial Education, Research and Training	25.16	34.50	30.65	32.40	36.20
4. आदिम क्षेत्र उप-योजना Tribal Area Sub-Project	18.92	22.94	21.24	19.49	21.97
5. अन्य व्यय Other Expenditure	0.06	0.16	0.50	0.15	0.80
(ब) बड़े और मध्यम उद्योग Large & Medium Industries	163.02	162.64	148.97	160.80	192.26
1. नमक के व्यापार की योजना Salt Trading Scheme	121.97	118.74	102.43	99.54	130.74
2. सोडियम सल्फेट के व्यापार की योजना Sodium Sulphate Trading Scheme	38.45	41.90	44.46	59.11	59.20
3. राजकीय ऊन मिल, बीकानेर State Woollen Mills, Bikaner	1.50	2.00	2.08	2.15	2.32
4. अन्य योजना Other Schemes	1.10	..	..	..	..
(स) नवीन सेवा New Items	..	..	..	..	50.00
योग TOTAL	1007.06	1072.94	1143.55	979.40	1118.07

उद्योगों पर राजस्व व्यय
REVENUE EXPENDITURE ON INDUSTRIES

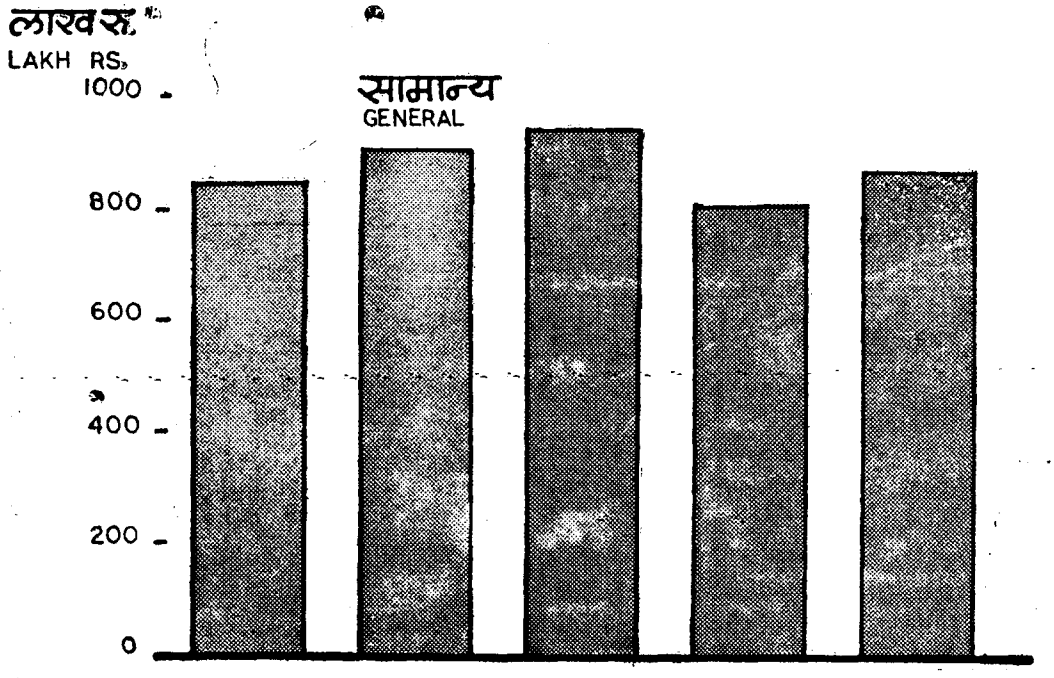

बड़े व मध्यम उद्योग

LARGE & MEDIUM INDUSTRIES

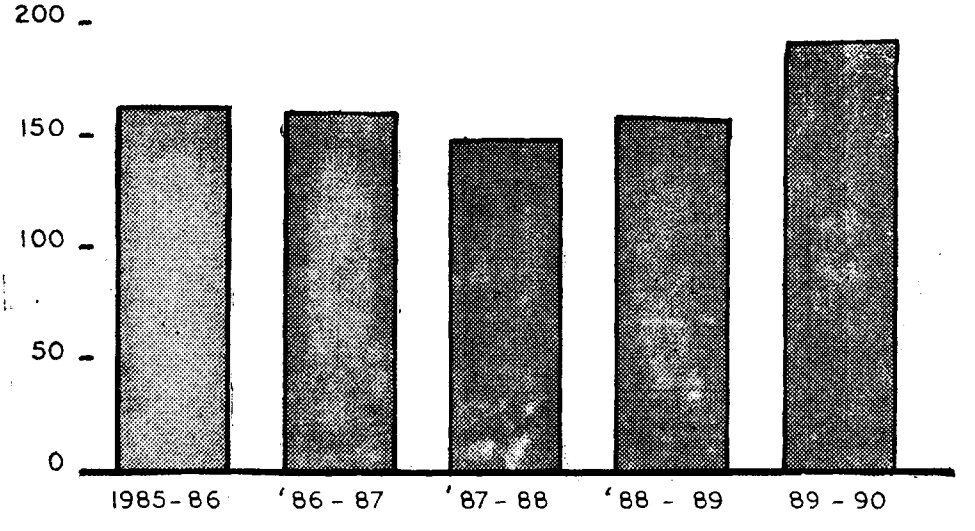

लेखे	संशोधित	संशोधित	संशोधित	आय-व्ययक
A/CS.	R.E.	R.E.	R.E.	B.E.

राजस्व लेखा
Revenue Account

1.15 राजस्व व्यय का उद्देश्यानुसार वर्गीकरण
OBJECTWISE CLASSIFICATION OF REVENUE EXPENDITURE

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

	उद्देश्य Object	लेखे A/Cs. 1983-84	लेखे A/Cs. 1984-85	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	संशोधित अनुमान R.E. 1987-88	आय-व्यय अनुमान B.E. 1988-89
	1	2	3	4	5	6	7
1.	मजदूरी एवं वेतन Wages & Salaries	41426	48317	52583	66346	77807	84441
2.	यात्रा एवं चिकित्सा व्यय T.A. & Medical Charges	2469	2773	3116	3243	3406	3559
3.	किराया, रायल्टी, प्रकाशन, विज्ञापन, कार्यालय व्यय इत्यादि Rent, Royalty, Publication, Adv.,Office Exp. etc.	2427	4324	4480	5614	5560	5369
4.	सहायतार्थ अनुदान/ सहाय्य Grant-in-aid/Subsidies	20386	23112	29763	46141	75099	47833
5.	छात्रवृत्ति एवं निर्वाह भत्ता Scholarship & Stipend	643	988	1134	1270	1522	1652
6.	वृहद् एवं लघु निर्माण कार्य Major & Minor Works	1805	1238	1509	1993	2908	2734
7.	मशीन एवं संयंत्र, मोटर गाड़ियां एवं ह्रास इत्यादि Plant & Machinery, Motor Vehicles and Depreciation etc.	8774	10521	9597	10707	10740	11175
8.	विनियोग/ऋण और ब्याज/लाभांश Investment/Loans & Interest/Dividends	18297	23243	26504	32929	38031	45294
9.	पेन्शन एवं ग्रेच्युटी Pensions & Gratuities	4708	5375	5439	5502	7996	10832
10.	अन्य .. .. Cthers	8912	9797	16989	18186	26359	23219
	योग .. TOTAL	109847	129688	151114	191931	249428	236108

राजस्व व्यय — उद्देश्यानुसार वर्गीकरण

REVENUE EXP. — OBJECTWISE CLASSIFICATION

CRORE RS.
करोड़ रु.

a = लेखे A/Cs.

r = संशोधित R.E.

b = आय-व्ययक B.E.

मजदूरी एवं वेतन
WAGES & SALARIES

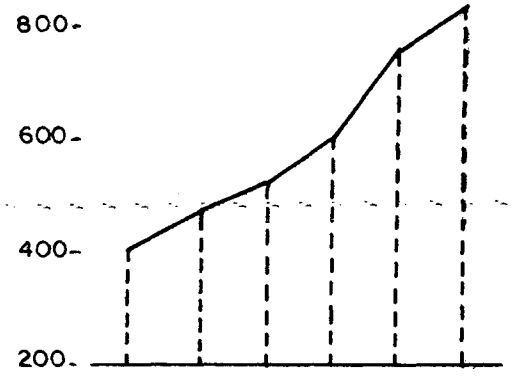

सहायतार्थ अनुदान/सहाय्य
GRANTS IN AID/SUBSIDIES

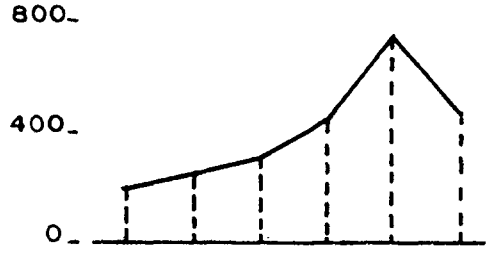

मशीन एवं संयंत्र
PLANT & MACHINERY

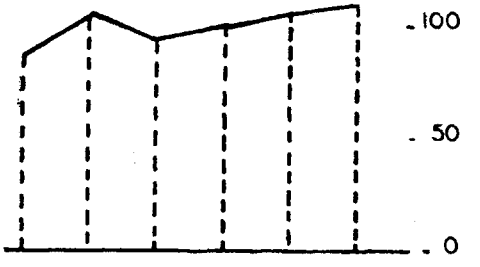

पेंशन एवं उपदान
PENSION & GRATUITY

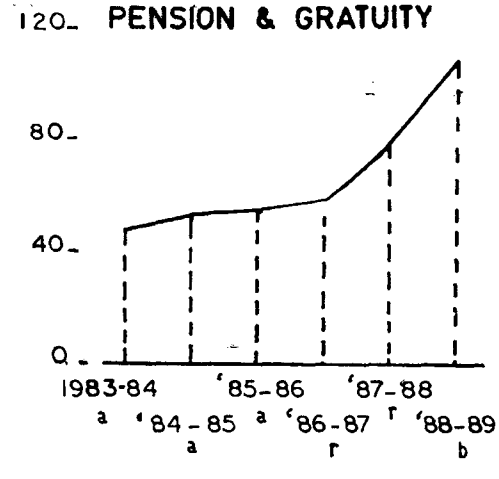

विनियोग
INVESTMENT

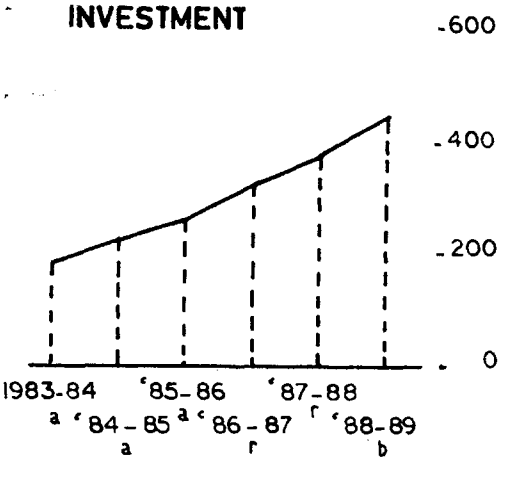

पूंजीगत लेखा
Capital Account

2.1 पूंजीगत प्राप्तियां एवं परिव्यय
CAPITAL RECEIPTS AND OUT LAY

(लाख रुपये) *(Lakh Rs.)*

लेख का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
क. पूंजीगत प्राप्तियां Capital Receipts	..	..	0.01	..	..
ख. पूंजी परिव्यय Capital out lay					
1. सामान्य सेवायें .. .. General Services	485.04	798.12	656.10	899.09	788.45
2. सामाजिक सेवायें Social Services	9746.26	12559.43	14746.23	15752.29	13132.66
(i) शिक्षा, खेल कला और संस्कृति Education, Sports Art and Culture	119.10	177.75	198.87	251.35	2107.03
(ii) चिकित्सा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण Medical, Health and Family Welfare	403.39	449.95	529.19	478.03	530.63
(iii) जलपूर्ति, सफाई, आवास और शहरी विकास Water Supply, Sanitation, Housing and Urban Development	9126.63	11816.24	13901.33	14915.05	10416.00
(iv) अन्य .. .. Others	97.14	115.49	113.84	107.86	79.00
3. आर्थिक सेवाएं .. .. Economic Services	16674.26	20867.84	24614.94	27213.82	30251.71
(i) कृषि और सम्बद्ध कार्यकलाप.. Agriculture & Allied Activities	709.91	967.11	990.99	1076.91	1721.63
(ii) ग्रामीण विकास एवं विशेष क्षेत्र कार्यक्रम Rural Development and Special Areas Programmes	15.00	748.54	1160.02	263.15	171.38
(iii) उद्योग एवं खनिज .. Industry & Minerals	715.21	1311.57	1958.83	2472.64	2839.68
(iv) सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं ऊर्जा Irrigation, Flood Control and Energy	12021.91	13395.35	16716.78	18743.00	20222.60
(v) परिवहन Transport	3144.81	4304.12	3681.25	4488.50	5077.03
(vi) विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण Scienec, Technology and Environment	..	..	..	2.50	..
(vii) सामान्य आर्थिक सेवायें .. General Economic Services	67.42	141.15	107.07	167.12	219.34
कुल पूंजी परिव्यय .. .. Total *Capital outlay*	26905.56	34225.39	40017.27	43565.20	44172.83
	सूचकांक@ INDEX				
पूंजी परिव्यय .. .. Capital Outlay	974	1238	1448	1576	1598

@Base (आधार, 1970-71=100)

पूँजी परिव्यय CAPITAL OUTLAY

करोड़ रु.
CRORE RS.

सामान्य सेवायें
GENERAL SERVICES

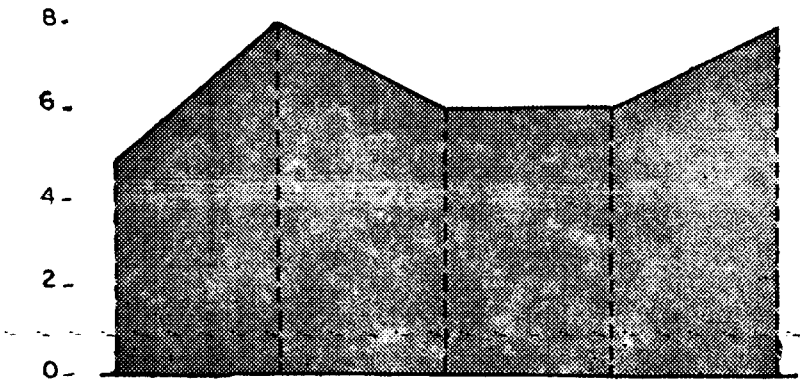

सामाजिक सेवायें
SOCIAL SERVICES.

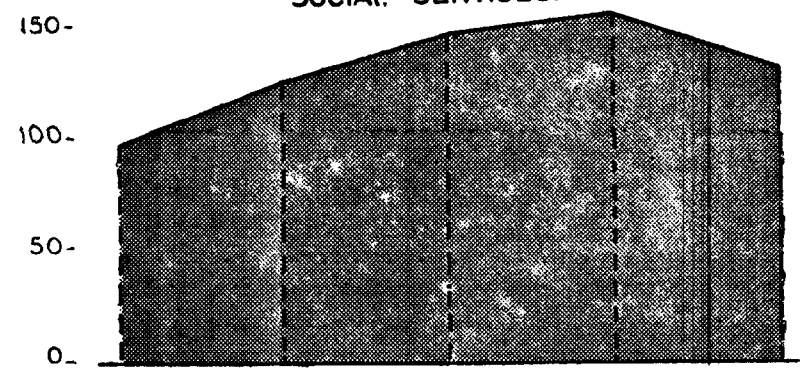

आर्थिक सेवायें
ECONOMIC SERVICES

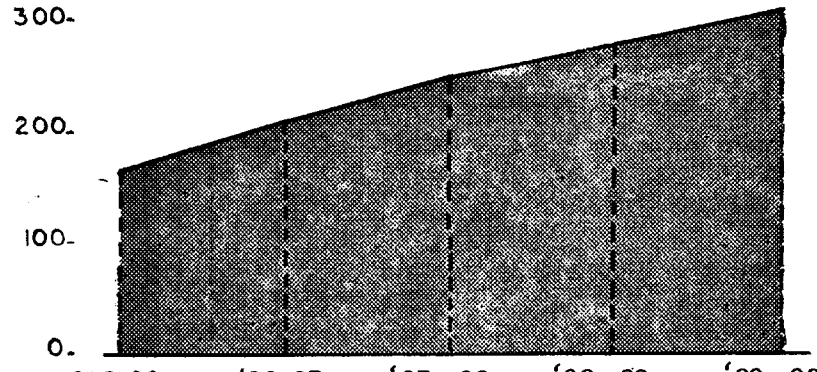

1985-86	'86-87	'87-88	'88-89	'89-90
लेखे A/CS.	संशोधित R.E.	लेखे A/CS.	संशोधित R.E.	आय-व्ययक B.E.

2.2 राज्य सरकार द्वारा दिये गये ऋण एवं अग्रिम
LOANS AND ADVANCES BY THE STATE GOVERNMENT

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

लेखे का शीर्षक Head of Account	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
(क) अग्रिम .. .. .. Advanced	14801.90	17326.94	19081.09	13983.40	14225.56
(i) सामान्य सेवायें .. General Services	2116.53	2196.50	2788.28	3049.08	3088.00
(ii) सामाजिक सेवायें .. Social Services	658.70	664.27	1366.57	552.86	796.33
(iii) आर्थिक सेवायें .. .. Economic Services	12026.76	14466.17	14926.24	10386.46	10341.23
(ख) प्रत्यादत्त .. .. .. Recovered	7506.96	5779.26	4373.31	6136.12	6123.32
(i) सामान्य सेवायें .. General Services	1816.89	1891.79	2579.99	2685.07	2760.63
(ii) सामाजिक सेवायें .. Social Services	168.89	248.59	170.57	817.39	421.31
(iii) आर्थिक सेवायें .. .. Economic Services	5521.18	3638.88	1625.75	2633.66	2941.68
(ग) शुद्ध अग्रिम ऋण .. .. Net Loan Advanced	7295.03	11547.68	14704.78	7852.28	8101.94

सूचकांक*
INDEX

शुद्ध अग्रिम ऋण .. .. Net Loan Advanced	434	687	875	467	482

*(आधार 1970-71=100)
Base.

राज्य सरकार द्वारा दिये गये ऋण एवं अग्रिम
LOANS & ADVANCES BY THE STATE GOVT.

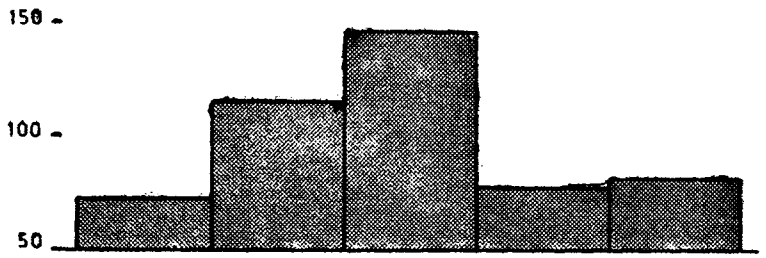

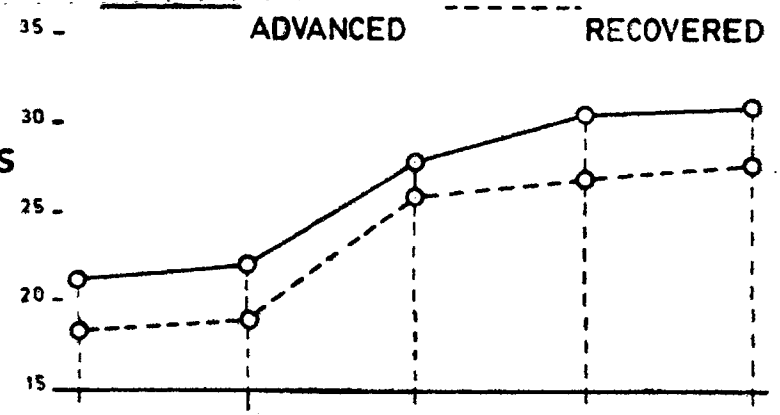

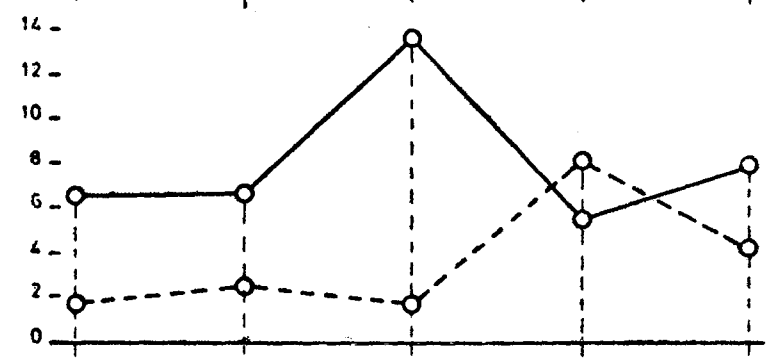

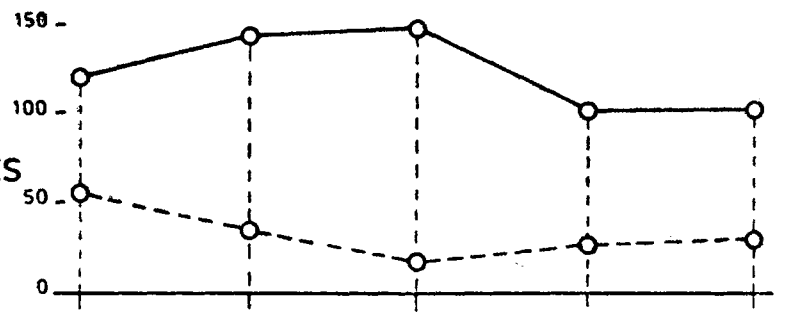

National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurbindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No.
Date

पूंजीगत लेखा
Capital Account

2.3 राज्य ऋण
PUBLIC DEBT

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

विवरण Particulars	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
(अ) स्थाई ऋण **Permanent Debt**					
(i) उन्नयनित Raised	11194.75	10643.70	11904.40	15868.00	16523.00
(ii) प्रतिदत्त Repaid	3564.32	2440.27	2389.83	2434.29	2284.23
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	7630.43	8203.43	9514.57	13433.71	14238.77
(ब) अल्पकालीन ऋण **Floating Debt**					
(i) उन्नयनित Raised	9207.89	20000.00	49864.03	130000.00	50000.00
(ii) प्रतिदत्त Repaid	10432.89	20000.00	44787.84	130000.00	50000.00
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	(-)1225.00	..	5076.19	..	..
(स) अन्य ऋण **Other Loans**					
(i) प्राप्तियां Receipts	787.28	1077.35	1631.34	2089.00	2983.62
(ii) प्रतिदत्त Repaid	543.68	592.44	611.48	684.47	829.33
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	243.60	484.91	1019.86	1404.53	2154.29
(द) केन्द्रीय सरकार का ऋण **Loans from the Central Govt.**					
(i) प्राप्तियां Receipts	37035.65	41603.98	55371.40	54289.72	40720.04
(ii) प्रतिदत्त Repaid	15034.90	21800.43	22378.85	21147.25	16322.60
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	22000.75	19803.55	32992.55	33142.47	24397.44
(य) कुल राज्य ऋण **Total Public Debt**					
(i) प्राप्तियां Receipts	57789.43	73325.03	11877.17	202246.72	110226.66
(iii) प्रतिदत्त Repaid	29139.65	44833.14	70168.00	154266.01	69436.16
(ii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	28649.78	28491.89	48603.17	47980.71	40790.50

करोड़ रु.

राज्य ऋण
PUBLIC DEBT

CRORE Rs.

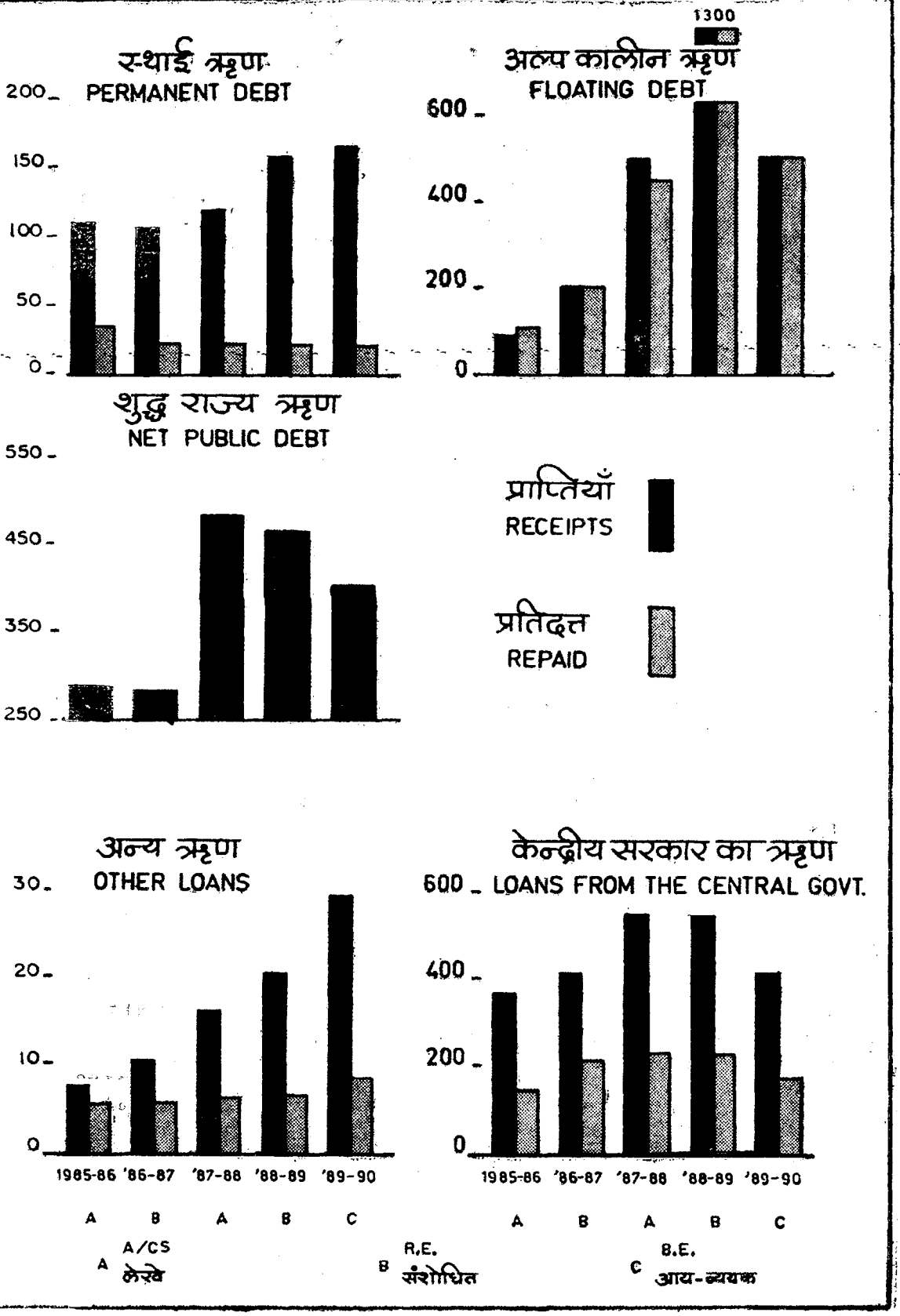

पूंजीगत लेखा
Capital Account

2.4 पूंजीगत व्यय का उद्देश्यानुसार वर्गीकरण
OBJECTWISE CLASSIFICATION OF CAPITAL EXPENDITURE

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

उद्देश्य Object	लेखे A/Cs. 1983-84	लेखे A/Cs. 1984-85	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	संशोधित अनुमान R.E. 1987-88	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1988-89
1	2	3	4	5	6	7
1. स्थापना .. Establishment	2014.96	2107.73	2446.84	2614.73	4140.91	5063.54
2. मशीनरी एवं संयंत्र व अन्य उपकरण Plant & Machinery & Other Equipment	88.52	(−)84.28	342.69	753.87	832.27	925.79
3. निर्माण.. .. Construction	21861.55	19579.25	22476.39	27889.50	31257.95	25558 65
4. विनियोग .. Investment	2211.28	1423.45	1667.98	2550 48	3329.00	7817.62
5. प्रतिभूतियां एव ऋण-पत्रों का क्रय Purchase of Securities & Debentures	..	(−) 0.97	..	6.43	..	..
6. अन्य क्रय एवं व्यय Other Purchases & Exp.	627.87	215.83	(−)28.34	410.38	1971.19	(−)23.54
7. ऋण एवं अग्रिम .. Loans and Advances	11504.08	10642.63	14801.99	17326.94	19542.62	16101.71
योग .. TOTAL	38308.26	33883.64	41707.55	51552.33	61073.94	55443.77

पूँजीगत व्यय का उद्देश्यानुसार वर्गीकरण

OBJECTWISE CLASSIFICATION OF CAPITAL EXPENDITURE

करोड़ रु. CRORE RS.

स्थापना ESTABLISHMENT

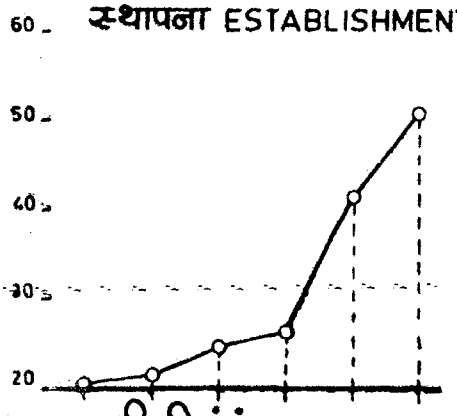

विनियोग INVESTMENT

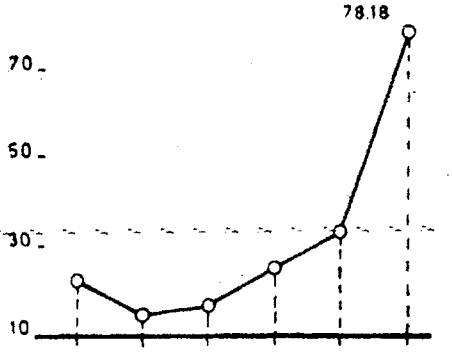

मशीनरी संयंत्र व अन्य उपकरण
PLANT MACHINERY & OTHER EQUIPMENT

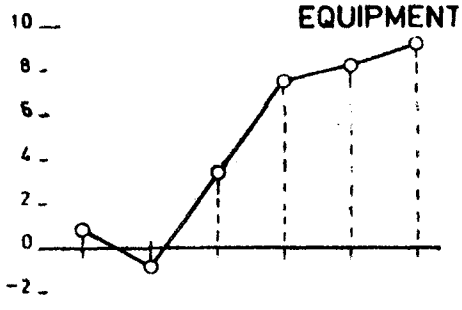

अन्य क्रय एवं व्यय
OTHER PURCHASES & EXPENDITURE

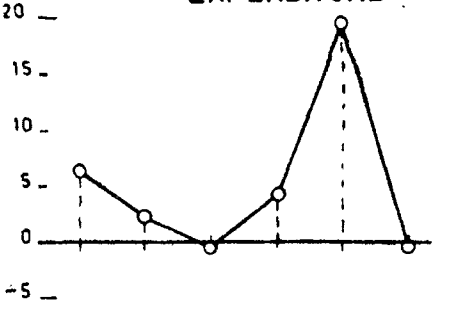

निर्माण CONSTRUCTION

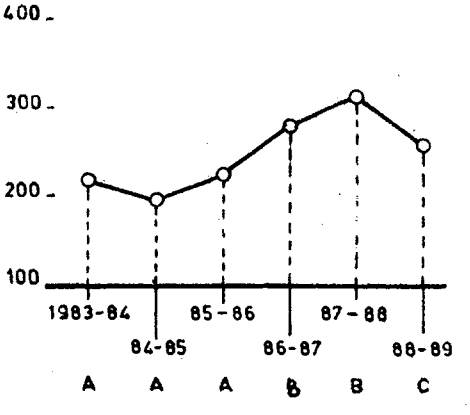

ऋण एवं अग्रिम
LOANS & ADVANCES

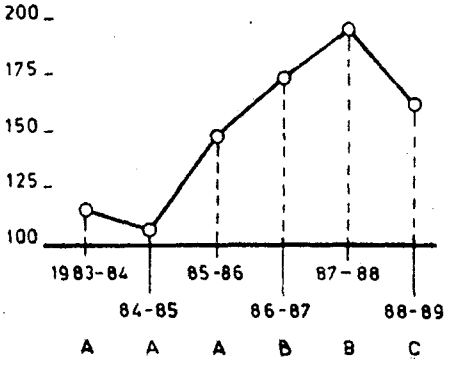

A – लेखे/A/Cs B – संशोधित/R.E. C – आय-व्ययक/B.E.

3. सार्वजनिक लेखा
Public Account

3.1 ऋण, निक्षेप तथा विप्रेषण व्यवहार
DEBT, DEPOSIT & REMITTANCE TRANSACTIONS

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

विवरण Particulars	लेखे A/Cs 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
(अ) अ-कोषीय ऋण **Un-funded Debt**					
(i) प्राप्तियां Receipts	11293.02	15000.81	19951.50	22163.98	23367.88
(ii) वितरण Disbursement	3686.54	3683.70	4605.08	5486.00	5815.25
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	7606.48	11317.11	15346.42	16677.98	17552.63
(ब) अन्य ऋण **Other Debt**					
(i) प्राप्तियां Receipts	287531.14	272917.19	452726.81	390072.03	391214.38
(ii) वितरण Disbursement	284498.29	268371.66	433342.58	381140.61	384821.33
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	3032.86	4545.53	19384.23	8931.42	6393.05
(स) कुल लोक लेखा **Total Public Account**					
(i) प्राप्तियां Receipts	298824.16	287918.00	472678.31	412236.01	414582.26
(ii) वितरण Disbursement	288184.82	272055.36	437947.66	386626.61	390636.58
(iii) शुद्ध प्राप्तियां Net Receipts	10639.34	15862.64	34730.65	25609.40	23945.68

ऋण, निक्षेप तथा विप्रेषण व्यवहार
DEBT DEPOSIT & REMITTANCE TRANSACTIONS

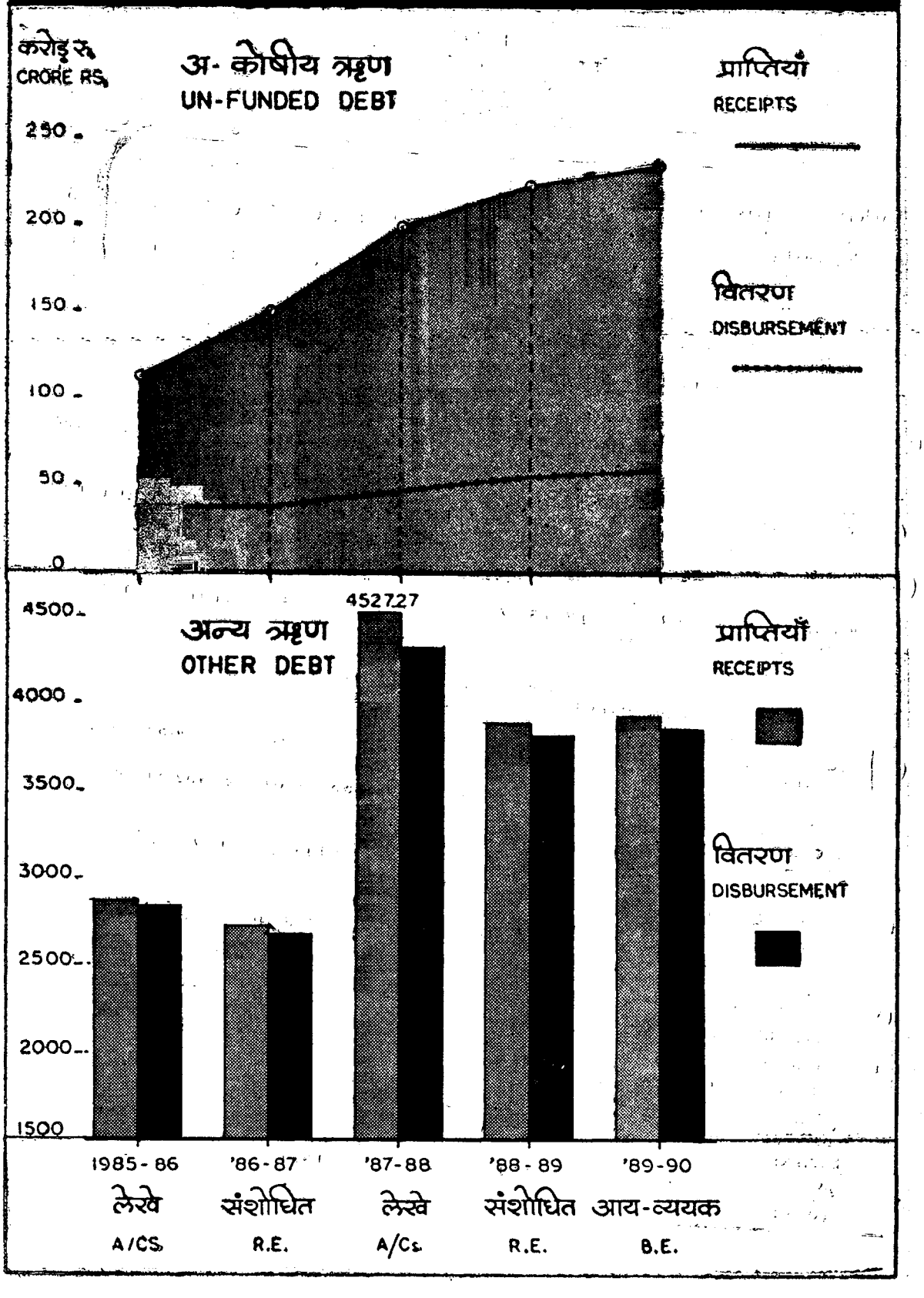

4.1 राजस्व, पूंजी एवं ऋण पर कुल व्यय
(विकास एवं अ-विकास)

Total Expenditure on Revenue, Capital & Loans
(Development & Non-Development)

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

विवरण Particulars	लेखे Accounts 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे Accounts 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
I विकास व्यय Development Expenditure	143246.89	184655.94	246062.20	233074.13	219370.05
(अ) सामाजिक सेवायें .. Social Services	69922.09	85118.99	106876.08	113674.38	114849.45
(ii) शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति .. Education, Sports, Art & Culture	32709.81	40413.79	47534.83	53978.99	62049.76
(iii) चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण .. Medical, Heatlh & Family Welfare	12616.07	15025.83	16778.68	18689.62	20148.64
(iv) जलपूर्ति, सफाई, आवास और शहरी विकास .. .. Water Supply, Sanitation, Housing and Urban Development	17650.86	20910.56	25252.13	26386.90	22509.54
(i) अन्य सामाजिक सेवायें .. Other Social Services	6945.35	8768.81	17310.44	14618.87	10141.51
(ब) आर्थिक सेवायें Economic Services	73324.80	99536.95	139186.12	119399.75	104520.60
(i) कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलाप Agriculture & Allied Activities	12215.77	15742.76	19261.85	21036.44	18290.22
(ii) ग्रामीण विकास एवं विशेष क्षेत्र कार्यक्रम .. Rural Development and Special Areas Programmes	8454.87	21573.59	37911.42	27544.72	17933.04
(iii) उद्योग एवं खनिज .. Industries & Mines	5038.96	5408.47	6692.19	6234.51	6704.90
(iv) सिंचाई, बाढ नियंत्रण एवं ऊर्जा .. Irrigation, Flood Control and Energy	38291.58	43601.11	55180.61	47552.31	46502.51
(iv) परिवहन .. .. Transport	8556.05	12182.30	19051.59	15719.93	13528.30
(vi) विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण .. Science, Technology and Environment	22.83	58.15	63.80	83.34	105.05
(vii) सामान्य आर्थिक सेवायें .. General Economic Services	744.74	970.57	1024.66	1228.50	1456.58
II अ-विकास व्यय .. .. Non-Development Expenditure					
(सामान्य सेवाओं पर व्यय) .. (Expenditure on General Services)	49574.83	58827.12	66953.92	83535.86	98989.50
कुल व्यय .. .. Total Expenditure (I+II)	192821.72	243483.06	313016.12	316609.99	318359.55

राजस्व, पूँजीगत एवं ऋण पर कुल व्यय

TOTAL EXPENDITURE ON REVENUE, CAPITAL & LOANS

(विकास एवं अ-विकास व्यय) (DEV. & NON-DEV. EXPENDITURE)

करोड़ रु.

CRORE Rs.

विकास व्यय
DEV. EXPENDITURE

अ-विकास व्यय
NON-DEV. EXP.

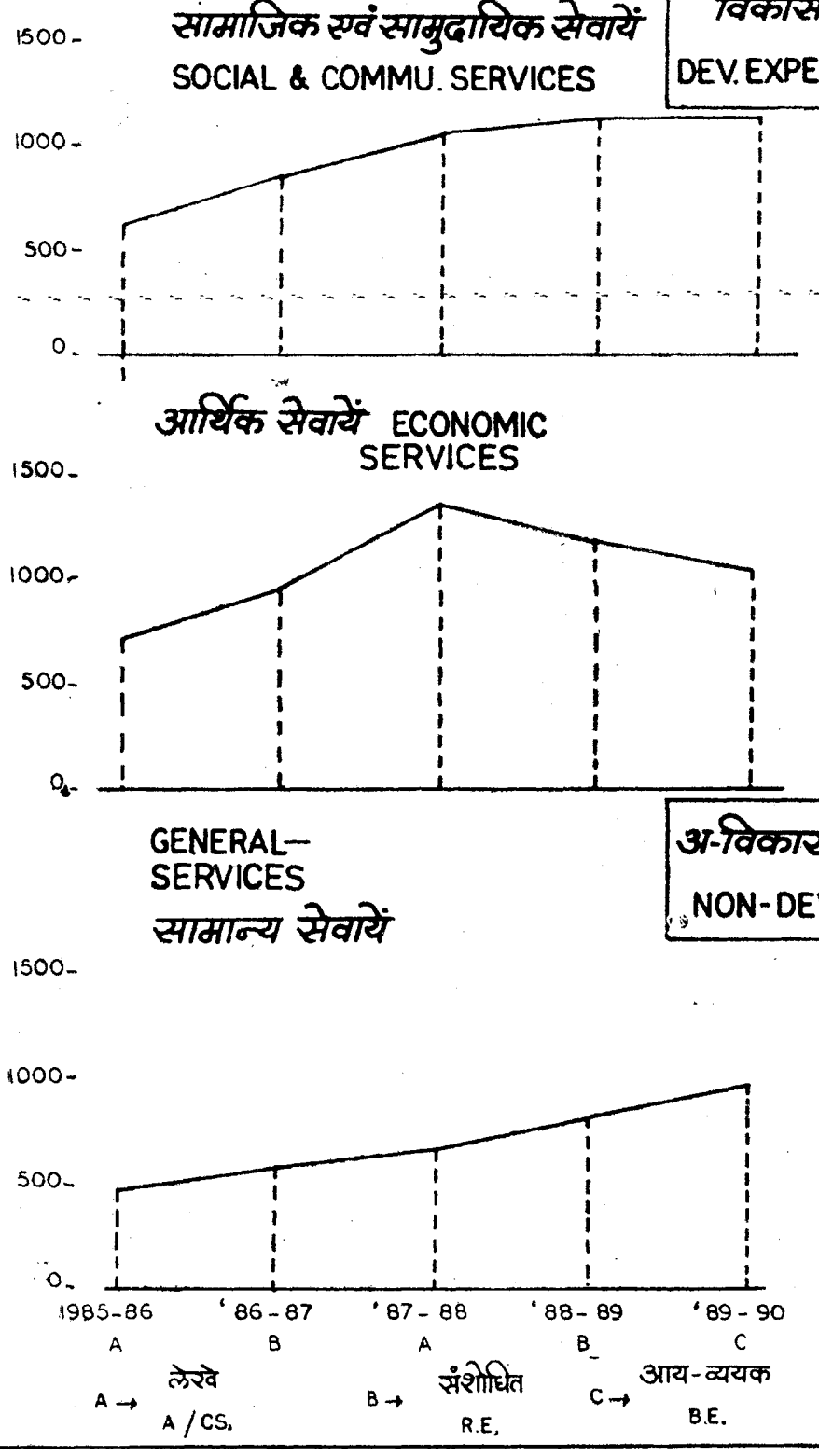

4.2 राजस्व, पूंजीगत एवं ऋण व्यय
EXPENDITURE BY REVENUE, CAPITAL AND LOANS

(लाख रुपये)
(*Lakh Rs.*)

मद Items	लेखे A/Cs. 1985-86	संशोधित अनुमान R.E. 1986-87	लेखे A/Cs. 1987-88	संशोधित अनुमान R.E. 1988-89	आय-व्ययक अनुमान B.E. 1989-90
1	2	3	4	5	6
1. सामान्य सेवायें .. .. General Services	49574.83	58827.12	66953.92	83535.86	98989.50
(i) राजस्व .. .. Revenue	46973.26	55832.50	63509.54	79887.69	95113.04
(ii) पूंजीगत .. .. Capital	485.04	798.12	656.10	599.09	788.46
(iii) ऋण .. .. Loans	2116.53	2196.50	2788.28	3049.08	3088.00
2. सामाजिक सेवायें .. Social Services	69922.09	85118.99	106876.08	113674.38	114849.45
(i) राजस्व .. .. Revenue	59517.13	71895.29	90763.28	97369.23	100920.46
(ii) पूंजीगत .. .. Capital	9746.26	12559.43	14746.23	15752.29	13132.66
(iii) ऋण .. .. Loans	658.70	664.27	1366.57	552.86	796.33
3. आर्थिक सेवायें .. .. Economic Services	73324.80	99536.95	139186.12	119399.75	104520.60
(i) राजस्व .. .. Revenue	44623.78	64202.94	99644.94	81799.47	63927.66
(ii) पूंजीगत .. .. Capital	16674.26	20867.84	24614.94	27213.82	30251.71
(iii) ऋण .. .. Loans	12026.76	14466.17	14926.24	10386.46	10341.23
4. कुल व्यय .. .. Total Expenditure	192821.72	243483.06	313016.12	316609.99	318359.55
(i) राजस्व .. .. Revenue	151114.17	191930.73	253917.76	259056.39	259961.16
(ii) पूंजीगत .. .. Capital	26905.56	34225.39	40017.27	43565.20	44172.83
(iii) ऋण .. .. Loans	14801.99	17326.94	19081.09	13988.40	14225.56
	सूचकांक + INDEX				
कुल व्यय .. .. .. Total Expenditure	705	890	1144	1157	1164

+ (आधार 1970–71 = 100)
Base

राजकीय व्यय (राजस्व, पूँजीगत एवं ऋण)
GOVT. EXPENDITURE (Revenue, Capital & Loans)

करोड़ रु०
CRORE RS.

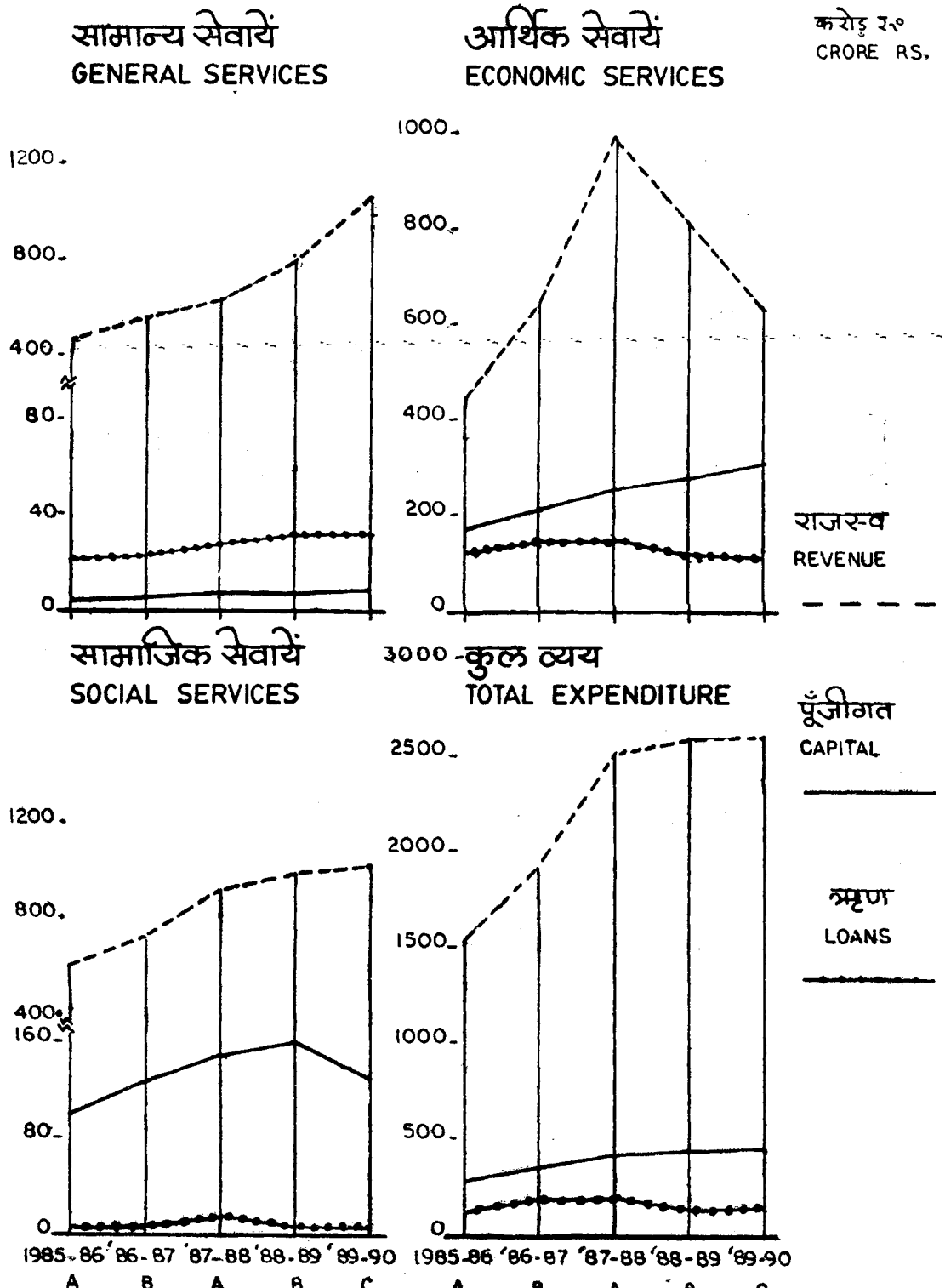

A = लेखे A/CS

B = संशोधित R.E.

C = आय-व्ययक B.E.

5.1 पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत उद्व्यय
OUTLAY DURING FIVE YEAR PLANS

(करोड़ रुपये)
(*Crore Rs.*)

विभाग Sector	प्रथम First 1951-56	द्वितीय Second 1956-61	तृतीय Third 1961-66	वार्षिक Annual 1966-69	चतुर्थ Fourth 1969-74	पंचम Fifth 1974-79	वार्षिक Annual 1979-80	षष्टम Sixth 1980-85	सप्तम Seventh 1985-90
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. कृषि एवं संबंधित सेवायें Agriculture & Allied Services	3.24	6.70	16.30	11.01	10.95	32.83	12.67	82.33	144.74
2. ग्रामीण विकास Rural Development	3.12	7.27	17.80	4.27	3.19	18.06	9.30	112.26	145.57
3. सहकारिता Co-operation	0.28	1.64	4.00	0.85	5.00	14.18	4.50	24.38	46.20
4. सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण Irrigation & flood control	29.83	29.56	92.70	39.65	102.84	276.45	81.25	539.98	681.07
5. शक्ति Power	9.58	19.99	35.00	47.29	90.37	242.30	90.00	650.61	927.48
6. उद्योग एवं खनिज Industries & minerals	0.55	5 77	8.95	2.35	7.95	33.67	12.54	83.50	190.52
7. यातायात Transport	6.27	9.57	13.20	3.74	9.78	79.59	24.50	136.50	153.28
8. वैज्ञानिक सेवायें एवं अनुसंधान Scientific Services & Research	..	..	..	..	..	..	..	..	8.40
9. सामाजिक एवं सामुदायिक सेवायें Social & Community Services	11.07	24.67	47.75	23.43	73.77	146.19	38.59	386.13	674.71
10. आर्थिक सेवायें Economic Services	0.56	0.10	0.30	0.13	0.51	0.94	0.21	1.31	7.31
11. सामान्य सेवायें General Services	..	..	..	..	1.85	2.95	1.44	8.00	20.72
कुल योग GRAND TOTAL	64.50	105.27	236.00	132.72	306.21	847.16	275.00	2025.00	3900.00

पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत उद्व्यय

OUTLAY DURING FIVE YEAR PLANS

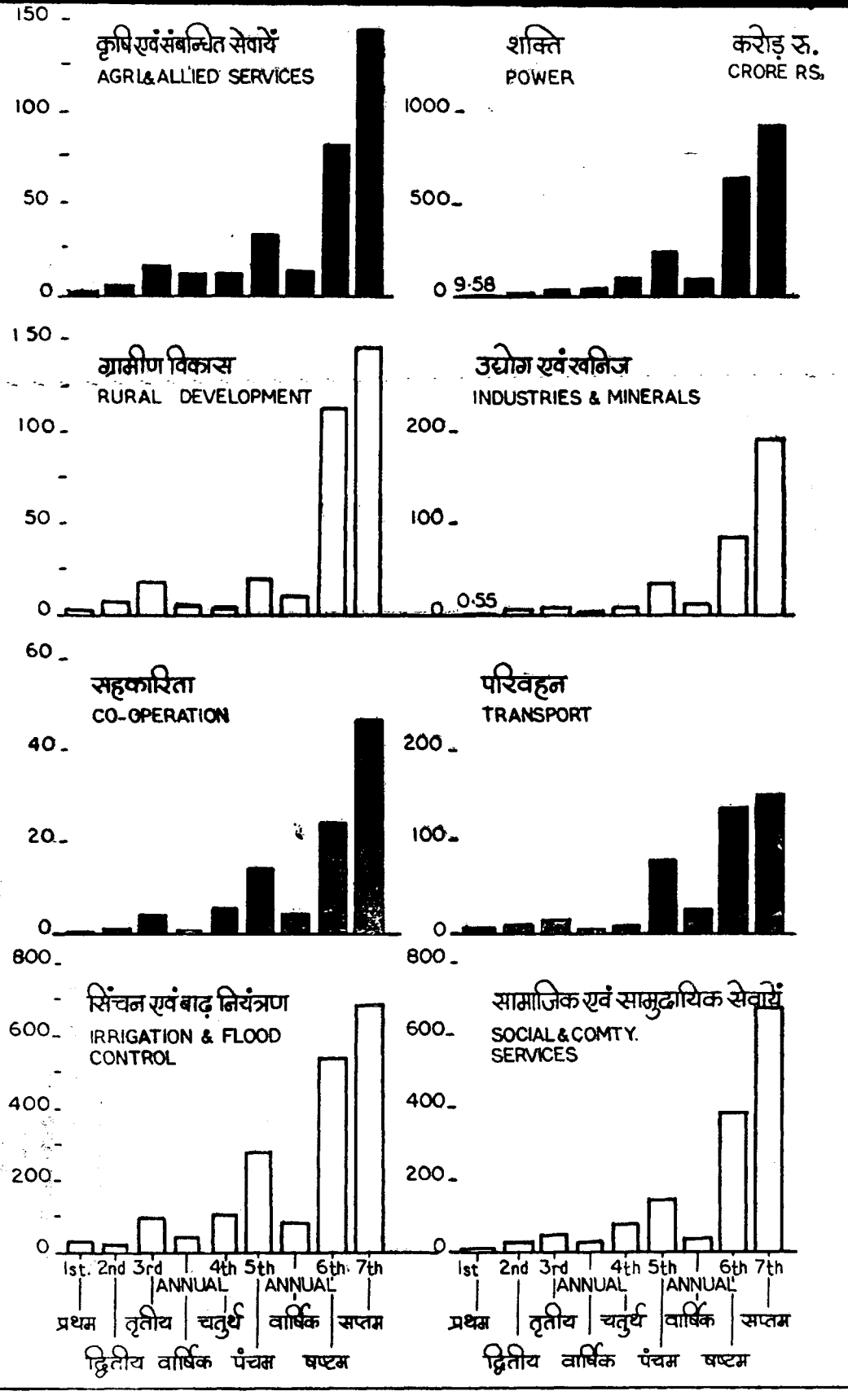

5.2 पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत व्यय
EXPENDITURE DURING FIVE YEAR PLANS

(करोड़ रुपये)
(Crore Rs.)

विभाग Sector	प्रथम First	द्वितीय Second	तृतीय Third	वार्षिक Annual	चतुर्थ Fourth	पंचम Fifth	वार्षिक Annual	षष्टम Sixth	सप्तम Seventh	
									वास्तविक Actual	अनुमानित Estimated
	1951-56	1956-61	1961-66	1966-69	1969-74	1974-79	1979-80	1980-85	1985-88	1988-89
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. कृषि एवं सम्बधित सेवायें Agriculture & Allied Services.	2.62	6.32	12.40	10.02	10.28	31.44	15.60	94.89	78.81	36.45
2. ग्रामीण विकास Rural Development	3.04	12.52	14.48	4.15	3.00	19.24	18.12	123.32	88.87	48.78
3. सहकारिता Co-operation	0.26	1.94	2.43	0.93	5.32	15.41	4.75	26.53	21.42	10.30
4. सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण Irrigation & flood Control	31.31	27.86	87.88	46.59	105.26	271.17	76.31	553.29	386.72	142.62
5. शक्ति Power	1.24	15.15	39.36	46.82	93.98	248.97	100.00	566.14	513.07	193.35
6. उद्योग एवं खनिज Industries & minerals	0.46	3.37	3.31	2.06	8.55	34.53	11.87	83.66	69.97	29.02
7. यातायात Transport	5.55	10.17	9.75	4.41	9.99	84.20	22.57	251.04	59.13	48.14
8. वैज्ञानिक सेवायें एवं अनुसंधान Scientific Services & Research	..	..	..	..	..	..	..	0.15	1.30	0.66
9. सामाजिक एवं सामुदायिक सेवायें Social & Community Services	9.11	25.05	42.86	21.66	72.07	149.05	39.74	419.89	315.46	182.57
10. आर्थिक सेवायें Economic Services	0.55	0.11	0.23	0.11	0.34	0.83	0.16	1.50	5.02	3.31
11. सामान्य सेवाएं General Services	..	0.25	..	..	..	2.78	1.07	10.28	8.08	3.33
12. मेवात विकास बोर्ड Mewat Development Board	..	..	..	..	..	..	..	..	..	0.95
13. वित्त आयोग के तहत अनुदान Grants under Finance Commission	..	..	..	..	..	..	..	..	6.79	10.22
14. प्रशासनिक सुधार Administrative Reforms	..	..	..	..	..	..	..	..	0.04	0.05
15. राहत कार्य हेतु मैटेरियल कम्पोनेंट Material component for relief work	..	..	..	..	..	..	..	..	45.00	..
16. जिला योजना (अनटाइड) Distt. Planning (United)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	0.25
17. विशेष क्षेत्र योजना Special Area Programme	..	..	..	..	..	..	..	..	0.65	..
कुल योग GRAND TOTAL	54.14	102.74	212.70	136.75	308.79	857.62	290.19	2130.69	1600.33	710.00

पंच वर्षीय योजनाओं के अंतर्गत व्यय
EXPENDITURE DURING FIVE YEAR PLANS

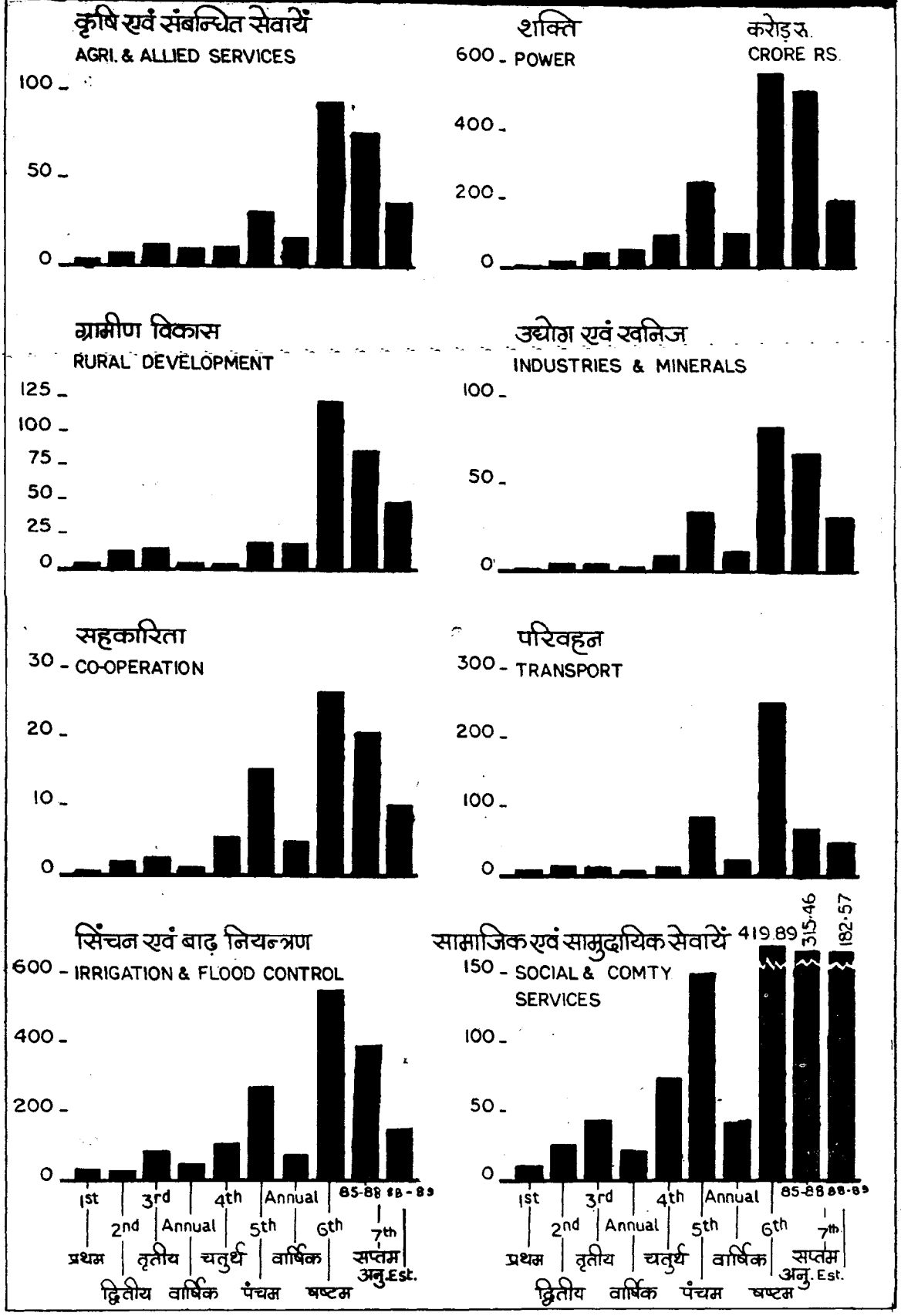

5.3 योजना का उद्व्यय
PLAN OUTLAY
1989-90

आय-व्ययक अनुमान (लाख रुपये)
Budget Estimates (*Lakh Rs.*)

विभाग Sector	राजस्व Revenue	पूंजीगत Capital	ऋण Loan	योग Total
1	2	3	4	5
1. कृषि एवं सम्बन्धित सेवायें .. .. .. Agriculture and Allied Services	4017.26	1113.64	310.10	5441.00
2. ग्रामीण विकास . .. .. Rural Development	4081.04	27.96	..	4109.00
3. विशेष क्षेत्र कार्यक्रम .. .. .. Special Area Programme	115.00	..	..	115.00
4. सिचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण .. .. Irrigation & Flood Control	1873.51	14130.49	40.00	16044-00
5. विद्युत् .. .. .. Power	14000	1000.00	21400.00	22540.00
6. उद्योग और खनिज .. .. .. Industries & Mining	963.30	2945.03	24.67	3933.00
7. परिवहन .. Transport	34.00	3566.00	..	3600.00
8. वैज्ञानिक सेवायें और अनुसन्धान .. .. Scientific services & Research	78.00	..	..	78.00
9 सामाजिक और सामुदायिक सेवायें .. .. Social Community services	14177.73	7454.74	1462 04	23094.51
10. आर्थिक सेवायें . .. . Economic services	190.00	206.00	..	396.00
11. सामान्य सेवायें .. General services	58.80	506.98	..	565.78
12. वित्त आयोग के अनुसार स्तर सुधार .. Upgradation Grants Under Finance Commission	..	1787.30	..	1787.30
13. प्रशासनिक सुधार .. Administrative Reforms	12.00	18.00	..	30.00
14. निबंन्ध जिला योजना .. Untied Distt. Planning	431.00	..	..	431.00
योग .. TOTAL	26171.64	32756.14	23236.81	82164.59*

*राजस्थान राज्य विद्युत् मंडल द्वारा 14870 लाख रुपये, रीको द्वारा 371 लाख रुपये, आवासन बोर्ड एवं नगरपालिकाओं को जीवन बीमा निगम द्वारा 517 लाख रुपये तथा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम व पर्यटन विकास निगम द्वारा 578 लाख रुपये की धन राशियों का आन्तरिक तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त की जावेगी, इसमें सम्मिलित हैं।

Includes Rs. 14870 lakhs of R.S.E.B., Rs. 371 lakhs of RIICO., Rs. 517 lakhs for Housing Board and Municipalities from L.I.C. and Rs. 578 lakhs for R.S.R.T.C. and Tourism Development Corporation will be obtained from internal & other sources.

योजना का उद्व्यय

PLAN OUTLAY

1989-90

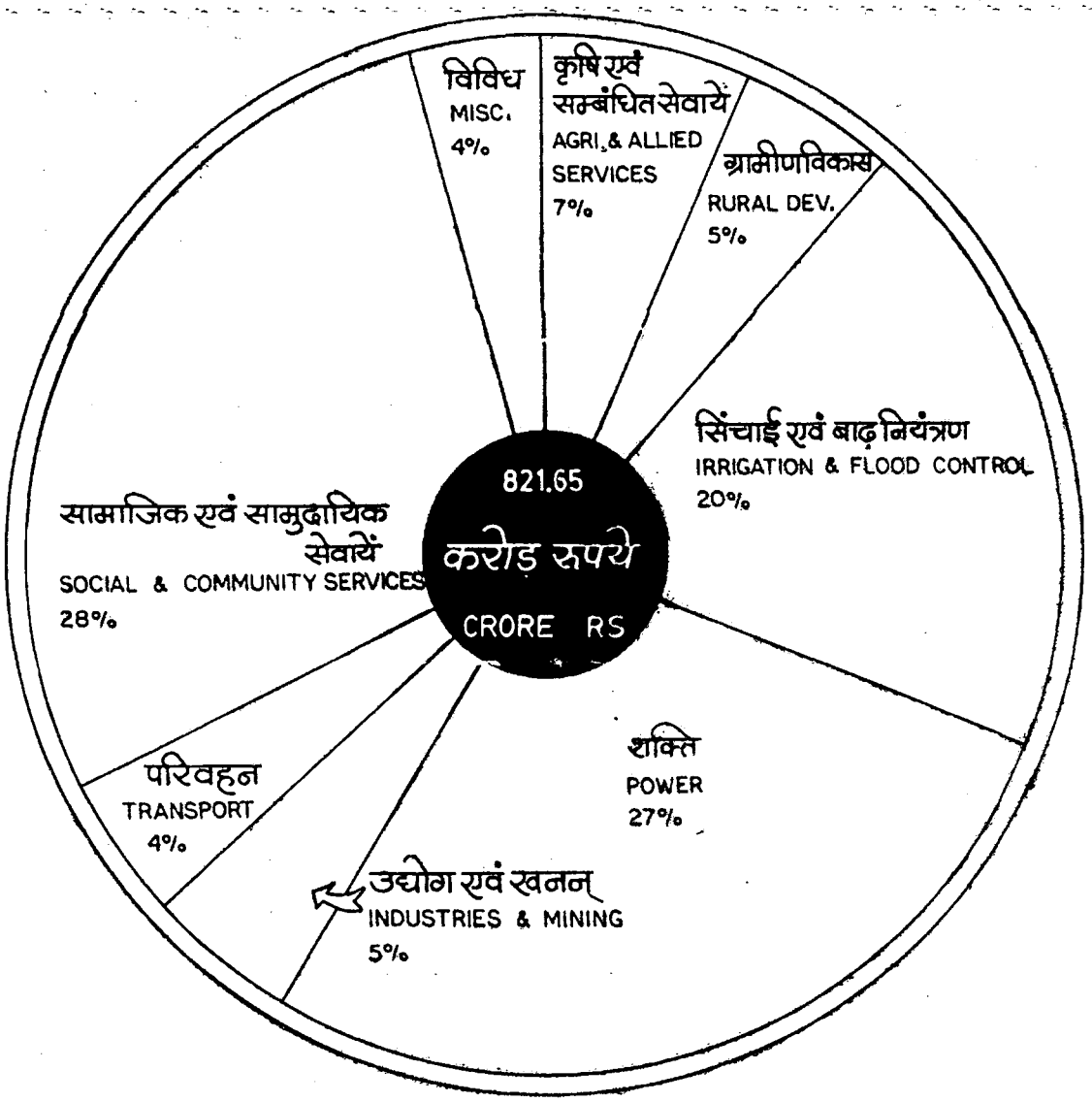

1. राजस्थान की राज्य आय औद्योगिक उद्भव, प्रचलित कीमतों पर एवं प्रतिशत विभाजन
STATE INCOME OF RAJASTHAN BY INDUSTRIAL ORIGIN, AT CURRENT PRICES AND PERCENTAGE DISTRIBUTION

(लाख रुपये)
(Lakh Rs.)

अनुभाग Sector	1983-84	1984-85	1985-86*	1986-87*	1987-88*
1	2	3	4	5	6
1. कृषि Agriculture	384244 (51.94)	362332 (49.73)	356896 (46.18)	384909 (44.09)	414315 (43.63)
2. वन Forestry	969 (0.13)	1054 (0.14)	976 (0.13)	1004 (0.12)	1123 (0.12)
3. मत्स्य पालन Fisheries	1636 (0.22)	1746 (0.24)	1694 (0.22)	1871 (0.21)	942 (0.10)
4. खनन Mining	18126 (2.45)	18388 (2.52)	21403 (2.77)	30520 (3.50)	32236 (3.39)
5. विनिर्माण (पंजीकृत) Manufacturing (Regd.)	47634 (6.44)	42379 (5.82)	44885 (5.81)	52844 (6.05)	57929 (6.10)
6 विनिर्माण (गैर-पंजीकृत) Manufacturing (Un-registered)	26623 (3.60)	28341 (3.89)	29606 (3.83)	34384 (3.94)	34565 (3.64)
7. निर्माण कार्य Construction	42032 (5.68)	43688 (6.00)	49735 (6.43)	63582 (7.28)	61949 (6.52)
8. विद्युत, गैस तथा जलपूर्ति Electricity, Gas & Water Supply	8727 (1.18)	6671 (0.92)	16615 (2.15)	19836 (2.27)	24000 (2.52)
9. रेल्वे Railways	8411 (1.14)	8277 (1.14)	10470 (1.35)	11467 (1.31)	12559 (1.32)
10. अन्य यातायात तथा संग्रहण Other Transport and Storage	19859 (2.68)	24824 (3.41)	28340 (3.67)	33095 (3.79)	40268 (4.24)
11. संचार Communication	3542 (0.48)	4325 (0.59)	4641 (0.60)	5369 (0.62)	6211 (0.65)
12. व्यापार, होटल तथा जलपान गृह Trade, Hotels & Restaurants	89677 (12.12)	83958 (11.52)	87851 (11.37)	98340 (11.26)	107666 (11.33)
13. बैंक व्यापार तथा बीमा Banking & Insurance	18069 (2.44)	21727 (2.98)	26901 (3.48)	33307 (3.82)	41239 (4.34)
14. स्थावर सम्पदा, आवासीय गृहों का स्वामित्व तथा व्यावसायिक सेवाएं Real Estate, Ownership of Dwellings & Business Services.	6863 (0.93)	7102 (0.97)	7290 (0.94)	7633 (0.88)	8158 (0.86)
15. सार्वजनिक प्रशासन Public Administration	27207 (3.68)	32447 (4.45)	37147 (4.80)	39497 (4.52)	43598 (4.59)
16. अन्य सेवायें Other Services	36172 (4.89)	41357 (5.68)	48454 (6.27)	55377 (6.34)	63161 (6.65)
शुद्ध उत्पाद, प्रतिकारक लागत पर Net Domestic Product at Factor Cost	739791 (100.00)	728616 (100.00)	772904 (100.00)	873035 (100.00)	950219 (100.00)
प्रति व्यक्ति आय (रुपयों में) Per Capita Income (Rs.)	2011	1929	1993	2193	2326

*प्रावधानिक अनुमान Provisional Estimates.
कोष्ठकीय संख्याएं प्रतिशत को दर्शाती हैं Figures within bracket denote percentage.

राज्य आय- औद्योगिक उद्भव, प्रचलित कीमतों पर
STATE INCOME-BY INDUSTRIAL ORIGIN, AT CURRENT PRICES

करोड़ रु. Crore Rs.

कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्र
AGRI.&ALLIED SECTORS

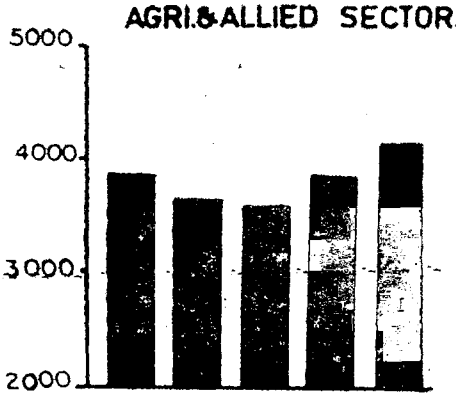

परिवहन एवं संचार
TRANSPORT & COMMUNICATION

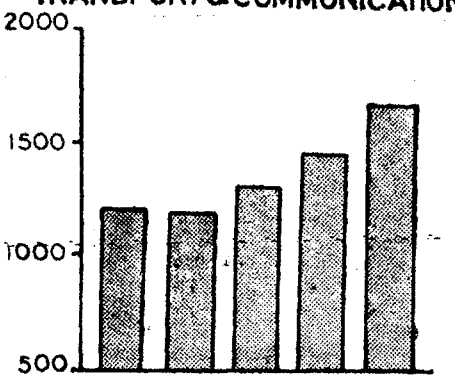

प्रति व्यक्ति आय
PER CAPITA INCOME

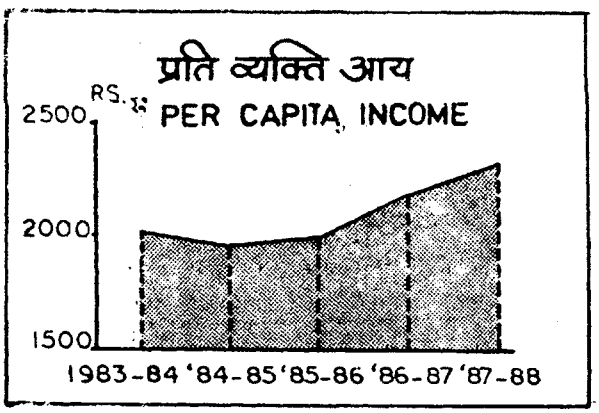

खनन एवं विनिर्माण
MINING & MANUFACTURING

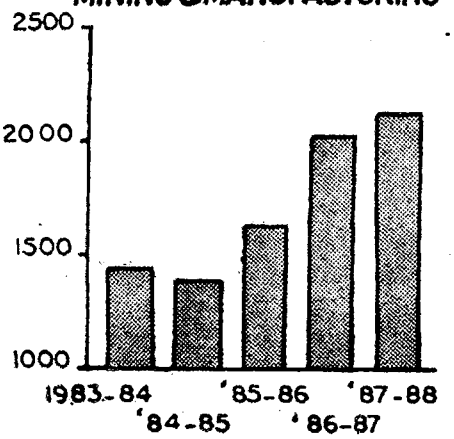

अन्य क्षेत्र
OTHER SECTORS

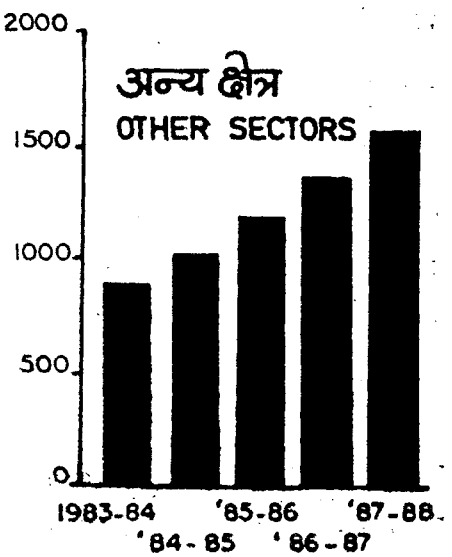

2. राजस्थान की राज्य आय-औद्योगिक उद्भव स्थिर (1970-71) कीमतों पर एवं प्रतिशत विभाजन

STATE INCOME OF RAJASTHAN-BY INDUSTRIAL ORIGIN AT 1970-71 PRICES AND PERCENTAGE DISTRIBUTION

(लाख रुपये) (*Lakh Rs.*)

अनुभाग Sector	1983-84	1984-85	1985-86*	1986-87*	1987-88*
1	2	3	4	5	6
1. कृषि Agriculture	141384 (55.80)	127492 (52.85)	122723 (50.77)	123280 (48.85)	108858 (45.68)
2. वन Forestry	134 (0.05)	134 (0.05)	119 (0.05)	129 (0.05)	144 (0.06)
3. मत्स्य पालन Fisheries	371 (0.15)	410 (0.17)	361 (0.15)	387 (0.15)	186 (0.08)
4. खनन् Mining	4909 (1.94)	4880 (2.02)	4930 (2.04)	5351 (2.12)	5708 (2.39)
5. विनिर्माण (पंजीकृत) Manufacturing (Regd.)	12272 (4.84)	10608 (4.40)	10867 (4.50)	12220 (4.84)	12378 (5.19)
6. विनिर्माण (गैर पंजीकृत) Manufacturing (Un-registered)	8475 (3.35)	8337 (3.46)	8643 (3.58)	9883 (3.92)	7769 (3.26)
7. निर्माण कार्य Construction	9737 (3.84)	10016 (4.15)	10623 (4.39)	12930 (5.12)	12217 (5.13)
8. विद्युत्, गैस तथा जल पूर्ति Electricity, Gas & Water Supply	4690 (1.85)	5301 (2.20)	5777 (2.39)	6423 (2.53)	7145 (3.00)
9. रेल्वे Railways	3153 (1.24)	3056 (1.27)	3361 (1.39)	3413 (1.35)	3463 (1.45)
10. अन्य यातायात तथा संग्रहण Other Transport & Storage	7093 (2.80)	7719 (3.20)	8358 (3.46)	9078 (3.60)	9884 (4.15)
11. संचार Communication	1330 (0.53)	1460 (0.60)	1486 (0.61)	1593 (0.63)	1708 (0.72)
12. व्यापार, होटल तथा जलपान गृह Trade, Hotels & Restaurants	25554 (10.08)	24950 (10.34)	25008 (10.35)	25965 (10.29)	25021 (10.50)
13. बैंक व्यापार तथा बीमा Banking & Insurance	6153 (2.43)	6670 (2.77)	7583 (3.14)	8621 (3.42)	9301 (4.11)
14. स्थावर सम्पदा, आवासीय गृहों का स्वामित्व एवं व्यावसायिक सेवायें Real Estate and Ownership of Dwellings & Business Services	3701 (1.46)	3815 (1.58)	3952 (1.63)	4148 (1.64)	4352 (1.82)
15. सार्वजनिक प्रशासन Public Administration	10034 (3.96)	11312 (4.69)	11977 (4.95)	12003 (4.76)	12179 (5.11)
16. अन्य सेवायें Other Services	14399 (5.68)	15092 (6.25)	15961 (6.60)	16927 (6.71)	17510 (7.35)
शुद्ध उत्पाद, प्रतिकारक लागत पर Net Domestic Product at Factor Cost	253389 (100.00)	241252 (100.00)	241729 (100.00)	252351 (100.00)	238323 (100.00)
प्रति व्यक्ति आय (रुपयों में) Per Capita Income (Rs.)	689	639	623	634	583

* प्रावधानिक अनुमान Provisional Estimates

कोष्ठकीय संख्याएं प्रतिशत को दर्शाती हैं Figures within bracket denote percentage.

राज्य आय- औद्योगिक उद्भव, स्थिर (1970-71) कीमतों पर
STATE INCOME - BY INDUSTRIAL ORIGIN, AT 1970-71 PRICES

करोड़ रु Crore Rs.

कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्र
AGRI. & ALLIED SECTORS

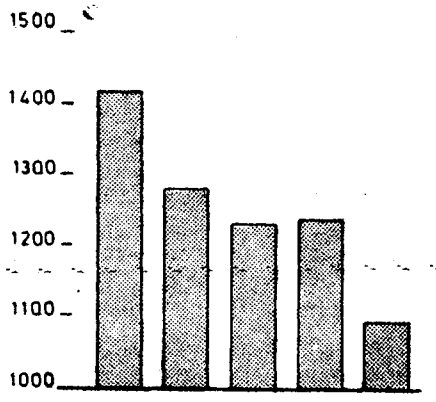

परिवहन एवं संचार क्षेत्र
TRANSPORT & COMMUNICATION

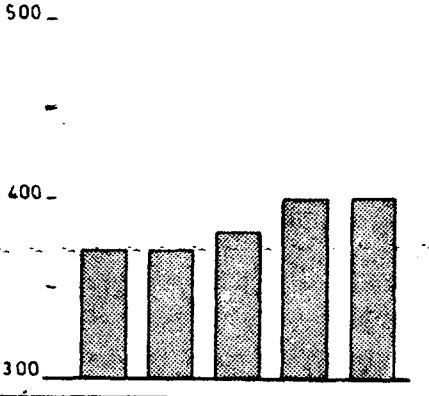

प्रति व्यक्ति आय
PER CAPITA INCOME

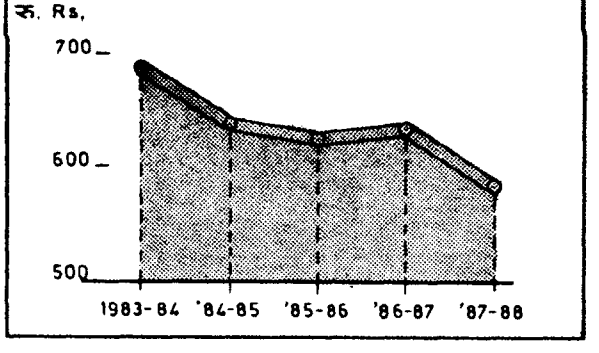

खनन् एवं विनिर्माण क्षेत्र करोड़ रु. Crore Rs.
MINING & MANUFACTURING

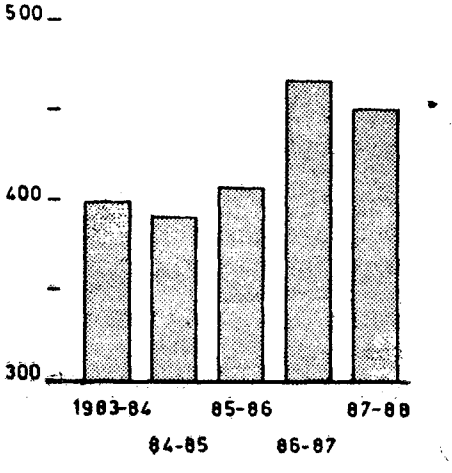

अन्य क्षेत्र
OTHER SECTORS

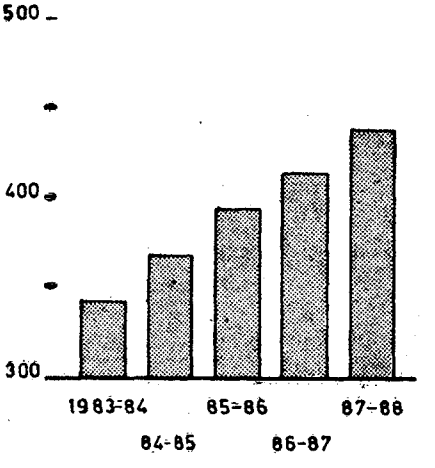

3. राजस्थान में कृषि उत्पादन के सूचकांक
INDEX NUMBERS OF AGRICULTURAL PRODUCTION IN RAJASTHAN

(आधार 1979-80 से 1981-82 = 100)
Base

फसल Crop	1982-83	1983-84	1984-85	1985-86	1986-87	1987-88 (प्रन्तिम) (final)
1	2	3	4	5	6	7
1. अन्न .. .. Cereals	131.52	162.18	127.27	125.09	115.18	85.30
अ-रबी .. Rabi	134.06	122 28	99.62	140.99	120.11	103.18
ब-खरीफ .. Kharif	127.08	233.37	176.41	96.93	106.47	53.60
2. दालें .. .. Pulses	132.68	142.65	117.16	148.86	79.73	39.77
3. कुल खाद्यान्न .. Total Food Grain	131.88	156.45	124.27	132.19	104.63	71.74
4. तिलहन Oilseeds	145.58	219.65	274.01	188.23	187.45	240.69
5. रेशे (कपास एवं सण) Fibres(Cotton & Sanhemp)	126.09	134.63	105.40	109.28	159.33	50.59
6. मसाले .. Spices and Condiments	161.73	217.17	207.03	205.55	216.34	142.58
7. तरकारियां .. Vegetables	97.91	257.81	234.50	287.35	299.15	518.52
8. अन्य फसलें@ .. Other Crops	113.05	117.80	109.68	81.66	102.81	81.65
9. कुल अखाद्य फसलें Total Non-Food Crops	138.85	193.35	224.49	163.00	172.52	188.32
10. समस्त फसलें .. All Crops	133.18	163.36	143.03	137.96	117.34	93.57

@गन्ना एवं तम्बाकू सम्मिलित हैं ।
Includes Sugarcane and Tobacco.

कृषि उत्पादन के सूचकांक

INDEX NUMBERS OF AGRICULTURAL PRODUCTION

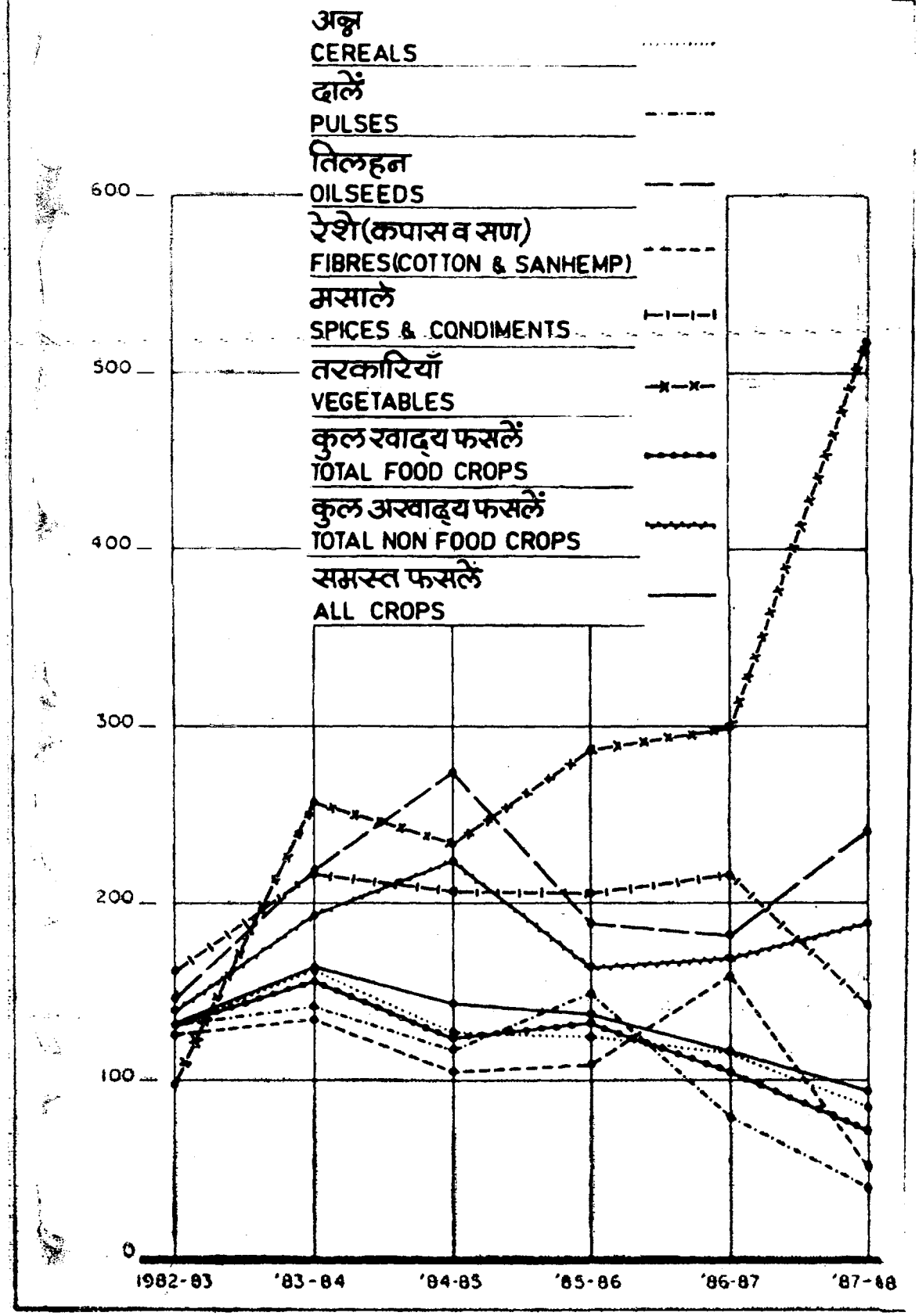

4. औद्योगिक उत्पादन
INDUSTRIAL PRODUCTION

	मदें Items	1982	1983	1984	1985	1986	1987	1988*
	1	2	3	4	5	6	7	8
1.	सीमेन्ट .. .. Cement '000 मै. टन '000 Tonnes	2265	2858	3017	3939	3654	3898	4031
2.	शक्कर .. .. Sugar '000 मै. टन '000 Tonnes	23	25	22	20	16	23	5
3.	यूरिया .. .. Urea '000 मै. टन '000 Tonnes	324	298	313	360	322	262	298
4.	सुपर फास्फेट .. Super Phosphate '000 मै. टन '000 Tonnes	39	51	131	109	115	89	110
5.	बाल बियरिंग .. Ball Bearings लाख संख्या Lakh No.	91	92	104	109	116	123	139
6.	विद्युत् मीटर .. Electric Meters हजार संख्या '000 No.	240	232	437	630	696	879	868
7.	नमक .. .. Salt '000 मै. टन '000 Tonnes	738	605	821	1093	906	833	1038
8.	पोलियेस्टर धागा .. Polyster yarn '000 मै. टन '000 Tonnes	2.34	5.51	2.49	5.46	7.20	14.38	18.21

*प्रावधानिक
Provisional

औद्योगिक उत्पादन INDUSTRIAL PRODUCTION

लाख मै.टन
LAKH TONNES

सीमेन्ट CEMENT
CEMENT

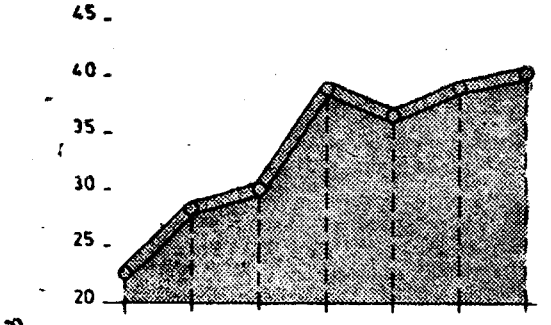

लाख संख्या
LAKH Nos.

बाल बियरिंग
BALL BEARINGS

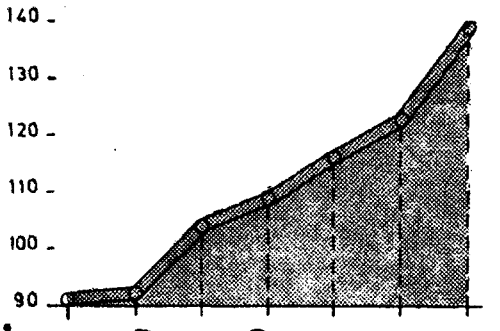

मै.टन
TONNES

शक्कर
'000
SUGAR

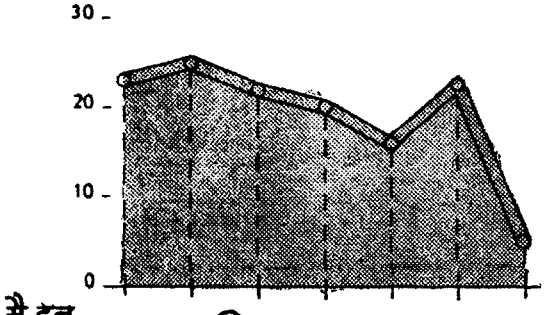

संख्या
Nos.

विद्युत मीटर
'000
ELECTRIC METERS

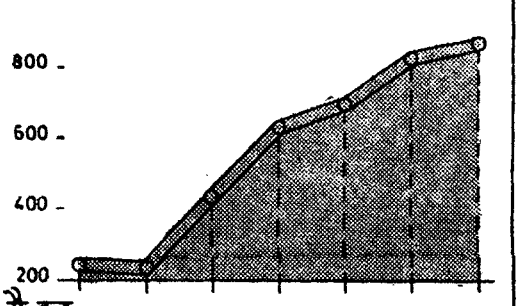

मै.टन
TONNES

यूरिया
'000
UREA

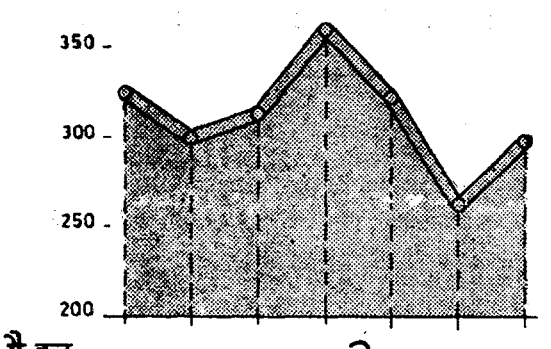

मै.टन
TONNES

नमक
'000
SALT

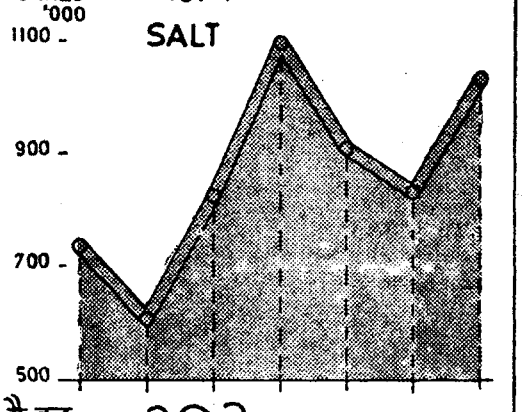

मै.टन
TONNES

सुपर फास्फेट
'000
SUPER PHOSPHATE

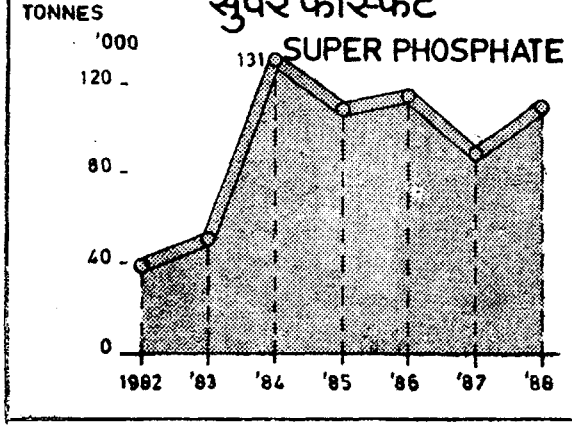

मै.टन
TONNES

पोलियेस्टर धागा
'000
POLYSTER YARN

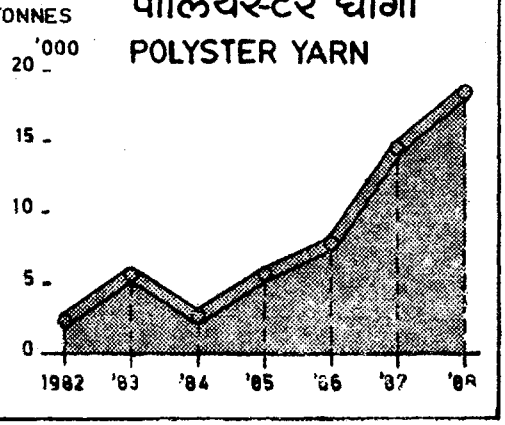

5. राजस्थान के थोक भाव सूचकांक
INDEX NUMBERS OF WHOLESALE PRICES IN RAJASTHAN

(आधार 1952-53 = 100)
Base

वर्ग Group	1983	1984	1985	1986	1987	1988
1	2	3	4	5	6	7
1. खाद्यान्न वस्तुयें .. .. Food Articles	664.5	710.9	792.7	805.4	897.7	1035.9
2. औद्योगिक कच्चा माल .. Industrial Raw Materials	588.7	654.6	615.0	629.8	818.2	827.9
3. ईंधन, शक्ति एवं उपस्नेहक .. Fuel, Power & Lubricants	1245.9	1519.5	1622.0	1680.4	1715.1	1801.2
4. निर्मित वस्तुयें .. .. Manufactured goods	852.8	891.6	921.8	965.1	1044.5	1082.5
5. सामान्य सूचकांक .. .. General Index	709.9	763.2	828.9	848.2	942.9	1054.0

राजस्थान के थोक भाव सूचकांक

INDEX NUMBERS OF WHOLESALE PRICES IN RAJASTHAN

आधार BASE 1952-53=100

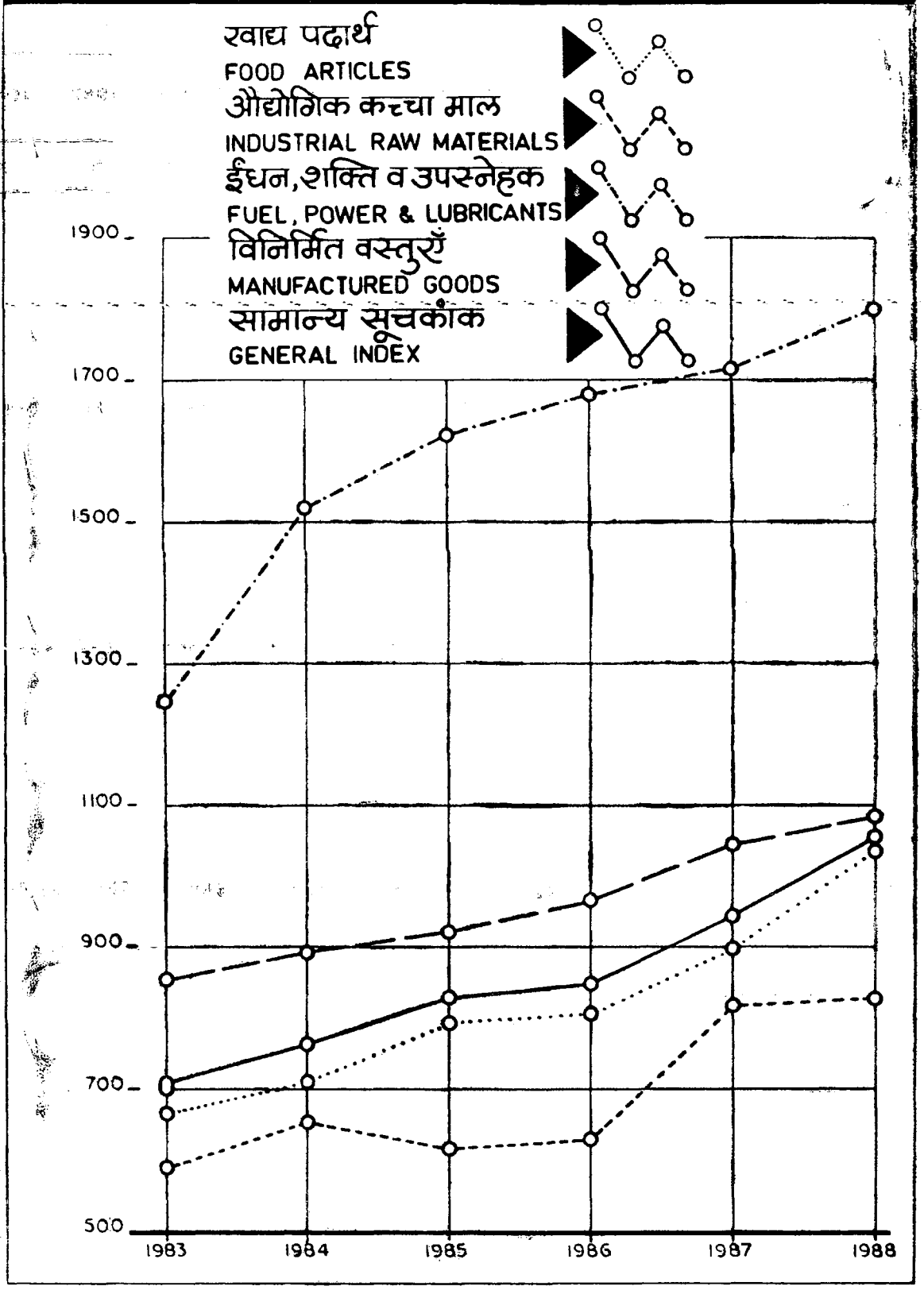

6. उपभोक्ता भाव सूचकांक
CONSUMERS PRICE INDEX NUMBERS

वर्ग Group	1982	1983	1984	1985	1986	1987	1988
1	2	3	4	5	6	7	8
ब्यावर– Beawar							
(वर्ष समाप्ति जुलाई 1952= 100) Year Ending July							
सामान्य .. General	581	613	652	710	742	798	890
अजमेर– Ajmer							
(आधार 1960=100) Base							
सामान्य .. .. General	498	531	565	614	665	740	808+
जयपुर– Jaipur							
(आधार 1960=100) Base							
सामान्य .. .. General	511	550	588	634	665	735	819+

+ Average of nine months
नौ माह का औसत

उपभोक्ता भाव सूचकांक
CONSUMERS' PRICE INDEX NUMBERS

सामान्य GENERAL

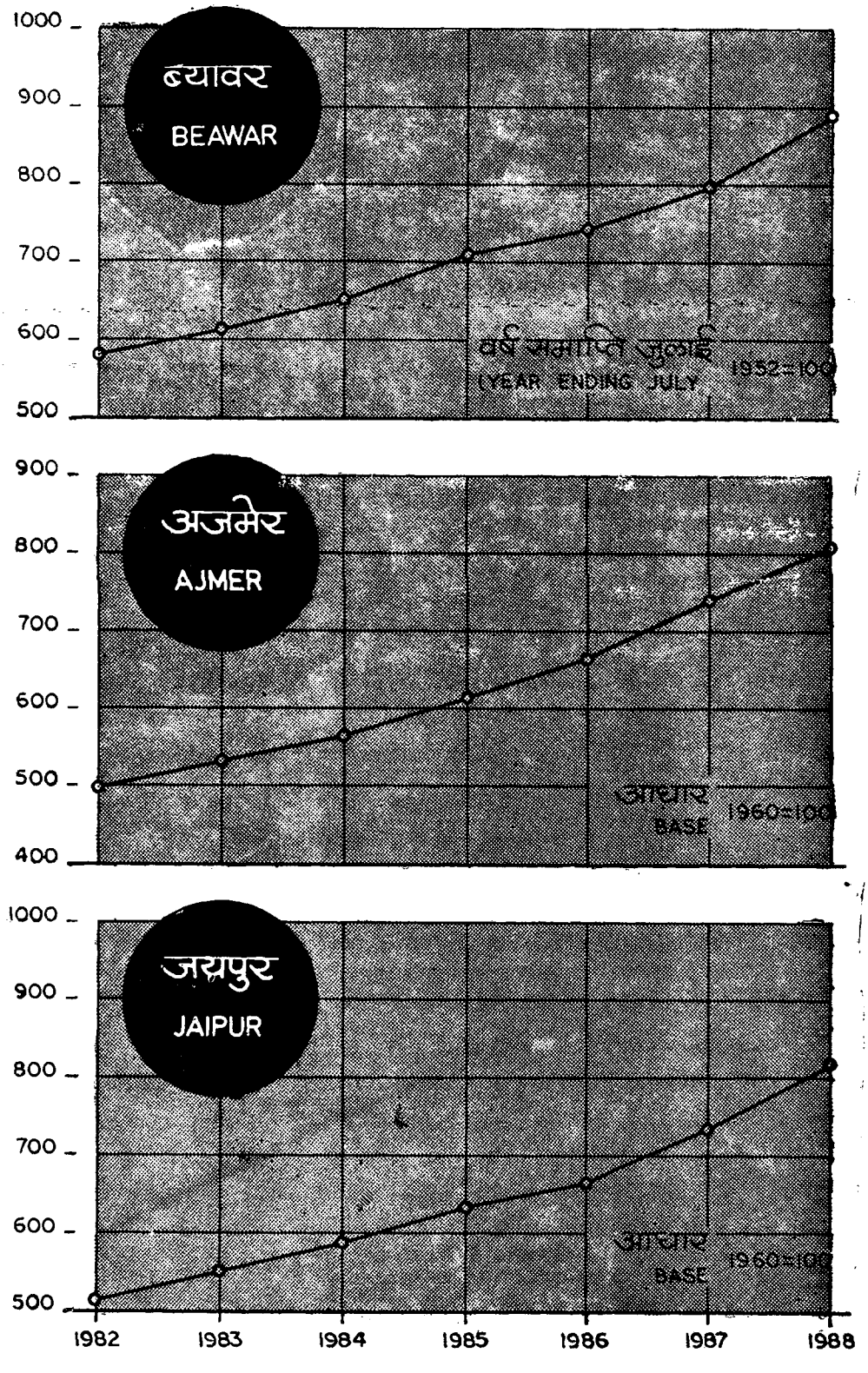

7. राजस्थान में अकाल/अभाव स्थिति से हुई क्षति
LOSS DUE TO FAMINE/SCARCITY CONDITION IN RAJASTHAN

कृषि वर्ष Agri. Year	प्रभावित जिलों की संख्या No. of Distts. affected	प्रभावित ग्रामों की संख्या Number of Villages affected	प्रभावित जनसंख्या (लाखों में) Population affected (*Lakh*)	भू-राजस्व निलंबित (लाख रु.) Land Revenue suspended (*Lakh Rs.*)
1	2	3	4	5
1968-69 ..	26	22799	131.63	466.64
1969-70 ..	23	10877	72.84	277.93
1970-71 ..	8	503	3.29	N.A.
1971-72 ..	12	4510	30.00	130.78
1972-73 ..	26	18768	140.23	999.66
1973-74 ..	..	..	..	102.75
1974-75 ..	25	20073	148.99	891.39‡
1975-76 ..	..	..	..	..
1976-77 ..	..	..	..	..
1977-78 ..	18	12251	92.37	213.04
1978-79 ..	24	5609	N.A.	170.37
1979-80 ..	26	31095	240.00	1061.19
1980-81 ..	26	21395	167.79	1225.5
1981-82 ..	26	23246	200.12	1165.15
1982-83 ..	26	22606	171.10	416.46
1983-84 ..	..	..	..	6.85
1984-85 ..	21	10276	92.02	172.23
1985-86 ..	26	26859	218.80	1252.30
1986-87 ..	27	31922	252.66	अप्राप्त
1987-88 ..	27	36252	317.37	753.81

‡वित्तीय वर्ष के समंक।
Figures for financial year.

8. वेतनमान अनुसार राज्य कर्मचारियों के स्वीकृत पद
SANCTIONED STRENGTH OF GOVT. EMPLOYEES ACCORDING TO PAY SCALES

वेतन श्रृंखला वर्ग Pay Scale Group	वर्ष Year				
	1984-85	1985-86	1986-87	1987-88	1988-89
1	2	3	4	5	6
350-430 से 420-740 (Old Scales)	122266	127964			
700-865 से 820-1520 (Revised Scales)			132181	133263	147953
490-840 से 625-1120 (Old Scales)	210484	218835			
880-1680 से 1140-2260 (Revised Scales)			226927	238935	246864
640-1180 से 780-1460 (Old Scales)	18937	18179			
1160-2360 से 1460-2900 (Revised Scales)			20848	19646	19827
820-1550 से 1500-2250 (Old Scales)	26027	31979			
1490-3050 से 2540-3900 (Revised Scales)			32318	33158	34639
1600-2325 से 2800 (Old Scales)	1011	1209			
2600-4150 से 4275-5500 (Revised Scales)			1247	1214	1115
कुल योग † .. Total	382646	401995	417173	430318	454693

†कुल योग में केन्द्रीय/ अन्य राज्य सरकार के वेतन श्रृंखला पाने वाले कर्मचारी सम्मिलित होने के कारण मिलान नहीं होता है ।
Total do not tally as they also include employees getting Central Government/other State Government pay scales.

राज्यों की आर्थिक स्थिति
States' Economic Situation

राज्यवार कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सूचक
STATEWISE IMPORTANT ECONOMIC INDICATORS

राज्य State	देश के कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत Percentage of Area to total area of the Country	भारत की कुल जनसंख्या का प्रतिशत 1981 Percentage of Population to total Population of India 1981	जन संख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि. मी. 1981 Density of Population Per Sq. K.M. (1981)	नगरीय जनसंख्या का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 1981 Percentage of Urban Population to total Population (1981)	साक्षरता का प्रतिशत 1981 Literacy Percentage (1981)
1	2	3	4	5	6
1. आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh	8.44(5)	7.82(5)	195(10)	23.3(7)	29.94(11)
2. आसाम Assam	2.40(13)	2.90(13)*	254(8)	10.3(15)	N.A.
3. बिहार Bihar	5.30(9)	10.20(2)	402(3)	12.5(13)	26.20(15)
4. गुजरात Gujarat	5.97(7)	4.97(10)	174(12)	31.1(3)	43.70(4)
5. हरियाणा Haryana	1.35(16)	1.89(15)	292(7)	21.9(8)	36.14(9)
6. हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh	1.70(14)	0.62(17)	77(16)	7.6(16)	42.48(5)
7. जम्मू एवं कश्मीर Jammu & Kashmir	6.77(6)	0.87(16)	59(17)	21.1(9)	26.67(14)
8. कर्नाटक Karnataka	5.85(8)	5.42(8)	194(11)	28.9(4)	38.46(8)
9. केरल Kerala	1.18(17)	3.71(12)	655(1)	18.8(11)	70.42(1)
10. मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	13.50(1)	7.62(6)	118(14)	20.3(10)	27.87(12)
11. महाराष्ट्र Maharashtra	9.38(3)	9.16(3)	204(9)	35.0(1)	47.18(2)
12. उड़ीसा Orissa	4.75(10)	3.85(11)	169(13)	11.8(14)	34.22(10)
13. पंजाब Punjab	1.54(15)	2.45(14)	333(6)	27.7(5)	40.86(7)
14. राजस्थान Rajasthan	10.43(2)	5.00(9)	100(15)	21.1(9)	24.38(16)
15. तमिलनाडु Tamil Nadu	3.96(11)	7.06(7)	372(5)	33.0(2)	46.76(3)
16. उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	8.97(4)	16.18(1)	377(4)	18.0(12)	27.16(13)
17. पश्चिम बंगाल West Bengal	2.68(12)	7.97(4)	615(2)	26.5(6)	40.94(6)

*Projected.

राज्यवार कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सूचक (क्रमश:)
STATEWISE IMPORTANT ECONOMIC INDICATORS (*Contd.*)

राज्य State	औसत कृषि जोत (हैक्टेयर) Average size of holdings (Hect.) (1980-81)	प्रति व्यक्ति खाद्यान्नों का औसत उत्पादन (कि. ग्रा.) Average Per Capita Food-grain Production (Kg.) (1982-83 to 1984-85)	बोये गये क्षेत्र-फल का प्रति हैक्टेयर खाद का उपयोग (कि.ग्राम) Consumption of fertilizer per Hectare of cropped area (Kg.) (1984-85)	प्रति लाख जन-संख्या पर श्रमिकों का दनिक औसत रोजगार (संख्या) Average daily employmet of factory workers per lakh of population (No.) (1984)	उद्योगों से प्रति व्यक्ति आय वृद्धि (रुपये) Per Capita value added in Industries (1983-84) Rs.
1	7	8	9	10	11
1. आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh	1.87(8)	190(8)	75.0(3)	918(9)	230.1(9)
2. आसाम Assam	N.A.	127(14)	4.0(17)	434(14)	115.0(15)
3. बिहार Bihar	0.99(12)	123(15)	35.9(10)	608(11)	215.2(10)
4 गुजरात Gujarat	3.45(4)	142(12)	46.3(8)	1878(1)	646.6(2)
5. हरियाणा Haryana	3.52(3)	489(2)	57.7(5)	1546(5)	542.0(3)
6. हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh	1.54(9)	223(6)	22.9(13)	303(17)	381.1(4)
7. जम्मू एवं कश्मीर Jammu & Kashmir	0.99(12)	190(9)	29.6(11)	379(16)	54.1(17)
8. कर्नाटक Karnataka	2.73(7)	170(10)	52.0(7)	1226(7)	285.4(7)
9. केरल Kerala	N.A.	48(17)	43.9(9)	1068(8)	196.7(11)
10. मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	3.42(5)	248(3)	17.1(14)	768(10)	187.5 (12)
11. महाराष्ट्र Maharashtra	2.95(6)	150(11)	28.5(12)	1741(3)	667.8 (1)
12. उड़ीसा Orissa	N.A.	216(7)	12.9(15)	400(15)	116.6 (14)
13. पंजाब Punjab	3.79(2)	848(1)	151.2(1)	1520(6)	305.1 (6)
14. राजस्थान Rajasthan	4.44(1)	238(5)	11.2(16)	522(12)	169.8 (13)
15. तमिलनाडु Tamil Nadu	1.08(10)	119(16)	100.0(2)	1766(2)	367.9 (5)
16. उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	1.00(11)	244(4)	65.1(4)	459(13)	102.5(16)
17. पश्चिम बंगाल West Bengal	N.A.	141(13)	54.8(6)	1572(4)	283.2 (8)

राज्यों की आर्थिक स्थिति
States Economic Situation

राज्यवार कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सूचक (क्रमश:)
STATEWISE IMPORTANT ECONOMIC INDICATORS (*Contd.*)

राज्य State	प्रति व्यक्ति विद्युत् उपभोग (कि.वा.) Per Capita Consumption of electricity (k.wh.) (1986-87)@	कुल ग्रामों से विद्युतीकृत ग्रामों का प्रतिशत Percentage of Electrified Villages to total Villages. (March, 87)	प्रति लाख जनसंख्या पर मोटर गाड़ियों की संख्या Number of Motor Vehicles per lakh of Population (March, 1985)	प्रति हजार वर्ग किलो मीटर पर रेलमार्ग की लम्बाई (कि. मी.) Railway route length per '000 Sq. of area (km.) (March, 1987)
1	12	13	14	15
1. आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh	205(6)	90.3(7)	939(6)	17.90(10)
2. आसाम Assam	51(17)	71.5(8)	512(14)	23.37(9)
3. बिहार Bihar	95(16)	57.3(12)	98(16)	30.82(4)
4. गुजरात Gujarat	320(3)	96.6(2)	2515(2)	28.33(7)
5. हरियाणा Haryana	272(4)	100.0(1)	1434(5)	34.00(3)
6. हिमाचल प्रदेश Hima chal Pradesh	145(10)	95.4(5)	809(10)	4.57(16)
7. जम्मू एवं काश्मीर Jammu & Kashmir	140(11)	90.8(6)	801(11)	0.34(17)
8. कर्नाटक Karnataka	97(15)	95.9(4)	1651(4)	15.76(13)
9. केरल Kerala	135(13)	100.0(1)	918(8)	23.62(8)
10 मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	182(7)	67.2(10)	686(12)	13.05(14)
11. महाराष्ट्र Maharashtra	327(2)	96.1(3)	1998(3)	17.64(11)
12. उड़ीसा Orissa	146(9)	56.0(14)	389(15)	12.74(15)
13. पंजाब Punjab	481(1)	100.0(1)	3112(1)	42.78(1)
14. राजस्थान Rajasthan	155(8)	66.1(9)	834(9)	16.41(12)
15. तमिलनाडु Tamil Nadu	238(5)	100(1)	937(7)	29.95(6)
16. उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	131(14)	63.6(11)	649(13)	30.44(5)
17. पश्चिम बंगाल West Bengal	137(12)	56.6(13)	834(9)	42.74(2)

Utilities and non-utilities

राज्यों की आर्थिक स्थिति
States' Economic Situation

राज्यवार कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सूचक (क्रमशः)
STATEWISE IMPORTANT ECONOMIC INDICATORS (*Contd.*)

राज्य State	प्रति लाख जनसंख्या पर बैंकों की संख्या (संख्या) (मार्च 1987) No. of Banking offices per lakh of Population (No.) March, 1987	प्रति व्यक्ति बैंक निक्षेप (मार्च, 1987) Per capita Bank Deposit March, 1987 (Rs.)	प्रति व्यक्ति बैंक साख (मार्च, 1987) Per capita Bank credit March, 1987 (Rs.)	योजना का उद्व्यय (करोड़ रुपये) Plan outlay (Crore Rs.) 1985-90	प्रति व्यक्ति राजस्व (रुपये) Per capita Revenue (Rs.) (B.E.) 1988-89
1	16	17	18	19	20
1. आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh	7.74(10)	1080(11)	875(9)	5200(6)	638.62(8)
2. आसाम Assam	4.93(17)	571(16)	316(16)	2100(14)	544.20(13)
3. बिहार Bihar	6.07(16)	682(15)	268(17)	5100(7)	417.40(16)
4. गुजरात Gujarat	9.08(6)	1808(4)	1035(6)	6000(4)	688.28(6)
5. हरियाणा Hariyana	8.61(7)	1473(8)	975(8)	2900(12)	939.92(3)
6. हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh	13.03(1)	1572(7)	633(11)	1050(17)	1326.70(1)
7. जम्मू एवं कश्मीर Jammu & Kashmir	12.16(2)	1623(6)	692(10)	1400(16)	1136.34(2)
8. कर्नाटक Karnataka	10.61(5)	1392(9)	1245(4)	3500(9)	667.07(7)
9. केरल Kerala	10.71(4)	1635(5)	1050(5)	2100(15)	621.87(9)
10. मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	7.22(12)	724(14)	447(13)	7000(3)	558.12(12)
11. महाराष्ट्र Maharashtra	7.66(9)	3041(2)	2477(1)	10500(1)	818.06(4)
12. उड़ीसा Crissa	6.59(14)	499(17)	422(15)	2700(13)	558.92(11)
13. पंजाब Punjab	11.95(3)	3211(1)	1455(2)	3285(10)	763.24(5)
14. राजस्थान Rajasthan	7.84(11)	759(13)	509(12)	3000(11)	518.96(14)
15. तमिलनाडु Tamil Nadu	8.13(8)	1338(10)	1329(3)	5750(5)	589.23(10)
16. उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	6.63(13)	935(12)	435(14)	10447(2)	397.67(17)
17. पश्चिम बंगाल West Bengal	6.31(15)	1967(3)	1005(7)	4125(8)	507.50(15)

राज्यवार कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सूचक (समाप्त)
STATEWISE IMPORTANT ECONOMIC INDICATORS (*Conl.*)

राज्य States	प्रति व्यक्ति कर राजस्व Per Capita Tax-Revenue 1988-89 (B.E.) (Rs.)	केन्द्रीय करों का प्रति व्यक्ति अंश Per Capita Share in Central Taxes 1988-89 (B.E.) (Rs.)	प्रति व्यक्ति राजस्व व्यय Per Capita Revenue expenditure 1988-89 (B.E.) (Rs.)	प्रति व्यक्ति विकास पर व्यय Per Capita Development Exp. 1988-89 (B.E.) (Rs.)	प्रचलित कीमतों पर वर्ष 1984-85 से 1986-87 तक की औसत प्रति व्यक्ति राज्य आय (रुपये) Per Capita State Income (at current prices) Average of 1984-85 to 1986-87* (Rs.)
1	21	22	23	24	25
1. आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh	471.46(10)	130.55(8)	656.77(9)	484.64(6)	2192(11)
2. आसाम Assam	257.97(16)	146.87(3)	567.76(11)	385.86(11)	2103(12)
3. बिहार Bihar	247.94(17)	141.28(4)	356.11(17)	232.56(17)	1653(17)
4. गुजरात Gujarat	478.82(9)	95.25(15)	775.61(6)	563.30(4)	2983(4)
5. हरियाणा Hariyana	585.34(1)	78.02(17)	876.62(4)	622.00(3)	3634(2)
6. हिमाचल प्रदेश Himachal Pradesh	557.30(4)	343.90(1)	1217.02(1)	848.92(1)	2587(6)
7. जम्मू एवं काश्मीर Jammu & Kashmir	490.34(5)	302.27(2)	1172.59(2)	716.95(2)	2242(9)
8. कर्नाटक Karnataka	489.43(6)	113.74(12)	709.21(7)	471.67(7)	2313(8)
9. केरल Kerala	487.39(7)	123.34(10)	669.84(8)	433.53(10)	2205(10)
10. मध्य प्रदेश Madhya Pradesh	355.12(12)	134.78(6)	550.12(13)	367.50(13)	1893(15)
11. महाराष्ट्र Maharashtra	581.92(2)	106.55(14)	851.26(5)	471.30(8)	3506(3)
12. उड़ीसा Orissa	302.76(14)	140.62(5)	538.63(14)	362.32(14)	1861(16)
13. पंजाब Punjab	562.62(3)	187.58(16)	910.80(3)	513.45(5)	4424(1)
14. राजस्थान Rajasthan	311.85(13)	108.81(13)	564.85(12)	372.77(12)	2102(13)
15. तामिलनाड Tamil Nadu	484.70(8)	133.63(7)	629.44(10)	461.30(9)	2473(7)
16. उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	274.22(15)	130.34(9)	440.71(16)	267.62(16)	1978(14)
17. पश्चिम बंगाल West Bengal	376.49(11)	119.27(11)	524.09(15)	352.22(15)	2777(5)

कोष्ठकीय संख्या राज्य की श्रेणी को दर्शाता है ।
Figures within brackets denote State rankings.

*प्रावधानिक
Provisional

आर्थिक समीक्षा 1988-89

1. अर्थ व्यवस्था

1.1 राज्य की अर्थव्यवस्था के दृश्य में उत्साहजनक लक्षण दिखाई दे रहे हैं। अर्थव्यवस्था गत चार वर्षों से निरन्तर सूखे के कारण विषम परिस्थितियों से प्रभावित रही। वर्ष 1987-88 में भयंकर सूखे के फलस्वरूप न केवल खाद्यान्न उत्पादन में 29.3 प्रतिशत की कमी अंकित की गई, वरन् स्थिर मूल्यों पर राज्य आय में 5.56 प्रतिशत की कमी हुई। अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान अभी भी प्रमुख बना हुआ है तथा राज्य की 70 प्रतिशत जनसंख्या इस पर निर्भर है। कृषि उत्पादन में उतार चढाव राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं।

1.2 वर्ष 1988 के मानसून से अच्छी वर्षा हुई तथा निरन्तर सूखे की कठिनाइयों से प्रभावित जनसंख्या को चिर प्रतीक्षित राहत का अनुभव हुआ। इसके परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ। सामान्यतः वर्षा संतोषप्रद हुई, परन्तु सितम्बर 88 के प्रथम पक्ष में वर्षा की विफलता से कुछ जिलों में खरीफ की फसलों को क्षति हुई। इसके उपरान्त भी खाद्यान्न उत्पादन 10 मिलियन टन से अधिक होने की संभावना है।

1.3 अर्थ व्यवस्था का औद्योगिक आधार न केवल सुधरा है वरन् उसमें परिवर्तन भी हुए हैं। इस स्वरूप ने अर्थ व्यवस्था में लचीलेपन के गुण प्रवाहित किए हैं। इस तथ्य का साक्ष्य यह है कि औद्योगिक क्षेत्र द्वारा निरन्तर पड़े सूखे के भार को बिना किसी गम्भीर असंतुलन के वहन किया है।

1.4 वर्ष 1987-88 में मूल्यों में वृद्धि की प्रवृति इस वर्ष के प्रथम सात माहों में जारी रही। गत वर्ष की तुलना में राजस्थान के थोक मूल्य सूचकांक में जुलाई 1988 तक 16 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई। फिर भी संतोषप्रद मानसून तथा राज्य सरकार के प्रभावशाली प्रयासों से कृषि उत्पादन की सम्भावनाऐं उज्जवल हुई है तथा मुद्रा प्रसार के दबाव को न केवल सीमित किया गया बल्कि कम कर दिया गया जिसके कारण अगस्त से दिसम्बर 88 की अवधि के सूचकांक में केवल 6.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई। थोक मूल्य के वार्षिक औसत सूचकांक में गत वर्ष के संवादी अंक की तुलना में 11.78 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई। श्रम ब्यूरो, भारत सरकार, शिमला द्वारा 1982 = 100 आधार पर 70 चयनित केन्द्रों का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तैयार किया जा रहा है। राजस्थान में जयपुर एवं अजमेर केन्द्र हैं जिनके औद्योगिक श्रमिकों का मूल्य सूचकांक बनाया जा रहा है। जयपुर एवं अजमेर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों में वृद्धि की प्रवृत्ति परिलक्षित है। गत वर्ष की तुलना में जयपुर केन्द्र में जनवरी से दिसम्बर 88 की अवधि में 11.43 प्रतिशत वृद्धि अंकित की गई जबकि अजमेर केन्द्र में संवादी वृद्धि 9.19 प्रतिशत रही।

1.5 राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि, जैसा कि कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन एवं मूल्यों के रुख, राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान में परिलक्षित है, अर्थव्यवस्था के विकास के परिचायक है। स्थिर (1970-71) कीमतों पर वर्ष 1987-88 की अनुमानित शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद में, गत वर्ष की तुलना में, 5.56 प्रतिशत कमी अंकित की गई। जबकि प्रचलित मूल्यों पर शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद में इसी अवधि में 8.84 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 1988-89 में अच्छी आशायें हैं क्योंकि कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि की सम्भावनाऐं हैं। राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि व संबद्ध क्षेत्र का 50 प्रतिशत से अधिक अंशदान होता है, के ऊंचे स्तर को छूने की आशा है।

2. राज्य आय

2.1 राज्य की अर्थव्यवस्था को दर्शाने के लिये राज्य आय एक महत्वपूर्ण माप है। राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान मौटे तौर पर आर्थिक स्थिति का स्तर व इसके विभिन्न घटकों में संरचनात्मक परिवर्तन का बोध कराते हैं। राज्य घरेलू उत्पाद के अनुमान, विभिन्न घटकों के लिए उपलब्ध नवीनतम जानकारी पर आधारित हैं। दर्शाए गये अनुमान वर्ष 1970-71, आधार वर्ष पर आधारित है। वर्ष 1987-88 के समंक प्रावधानिक है, जो कालान्तर में प्राप्त होने वाले अन्तिम आंकडों की उपलब्धता पर संशोधित होंगे। वर्ष 1988-89 के अनुमान त्वरित है जो, अर्थ व्यवस्था में निकट भूतकाल में दृष्टव्य प्रवृतियों पर आधारित है, अतएव पूर्णतः अस्थाई हैं इसलिए इनका उपयोग सावधानी से किया जावे।

शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद 1987-88

2.2 स्थिर कीमतों (वर्ष 1970-71) पर शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद वर्ष 1986-87 के 2523.51 करोड़ रु. की तुलना में वर्ष 1987-88 में गिरकर 2383.23 करोड़ रु. अनुमानित किया गया जिसमें कृषि अनुभाग में मुख्यतः तीव्र गिरावट के कारण 5.56 प्रतिशत की कमी अंकित की गई। वर्ष 1987-88 के सूखे ने अपंजीकृत विनिर्माण एवं आधारभूत क्षेत्रों की उपलब्धियों के नियमित विकास को भी प्रभावित किया। प्रचलित मूल्यों पर शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद में वर्ष 1986-87 के 8730.35 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 1987-88 में बढकर 9502.19 करोड़ रुपये हो गया तथा इसमें 8.84 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई। वर्ष 1988-89 में त्वरित अस्थाई अनुमानों के अनुसार स्थिर व प्रचलित कीमतों पर शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद क्रमशः 2872.65 करोड़ रु. तथा 10902.98 करोड रु. होने की सम्भावना है।

प्रति व्यक्ति आय

2.3 निरन्तर सूखों का प्रभाव प्रति व्यक्ति आय पर भी परिलक्षित हुआ। स्थिर (1970-71) कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय वर्ष 1986-87 की 634 रुपये की तुलना में गिरकर वर्ष 1987-88 में 583 रु. रही। जिसमें 8.04 प्रतिशत की कमी अंकित हुई। वर्ष 1988-89 में त्वरित व अस्थाई अनुमानों के आधार पर प्रति व्यक्ति आय 685 रु. होने की सम्भावना है। प्रचलित मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय वर्ष 1986-87 के 2193 रुपये की तुलना में 6.06 प्रतिशत बढकर वर्ष 1987-88 में 2326 रु. हो गई। वर्ष 1988-89 में त्वरित अनुमानों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय 2600 रु. होने की संभावना है।

राज्य घरेलू उत्पाद का अनुभागानुसार स्वरूप

2.4 अर्थव्यवस्था के विभिन्न घटकों में हुए संरचनात्मक परिवर्तन राज्य आय व प्रति व्यक्ति आय को प्रभावित करते हैं। अनुभागानुसार शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर (1970-71) कीमतों पर यह प्रगट करता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था अभी भी कृषि पर आधारित है। इस प्रकार यह मौसम व जलवायु की स्थितियों से प्रभावित होती है। पिछले कुछ वर्षों में अर्थ व्यवस्था ने, मौसम के दबाव के सामने लोच प्रगट कर अपने आंतरिक दृढता को परिलक्षित किया। गत वर्षों से अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन हुये हैं।

2.5 शुद्ध राज्य घरेलू उत्पद में कृषि अनुभाग का योगदान वर्ष 1984-85 में 55 प्रतिशत से वर्ष 1988-89 में 54 प्रतिशत परिवर्तित हुआ। दूसरी तरफ गौण व तृतीयक अनुभागों का योगदान वर्ष 1984-85 के क्रमशः 14.2 प्रतिशत से 30.7 प्रतिशत से बढकर वर्ष 1988-89 में क्रमशः 14.8 प्रतिशत व 31.1 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार प्राथमिक अनुभाग का योगदान में कमी को गौण व तृतीयक अनुभाग के योगदान में वृद्धि ने प्रतिसंतुलित कर दिया।

2.6 निम्न तालिका शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद के अर्थ व्यवस्था के मुख्य अनुभागों के स्वरूप को वर्ष 1984-85 से आगे तक स्थिर (1970-71) कीमतों पर प्रस्तुत करती है:—

(लाख रु. में)

वर्ष	प्राथमिक	कृषि पशुपालन सहित	गौण	तृतीयक	योग
1984-85	132916 (55.09)	127492 (52.85)	34262 (14.20)	74074 (30.71)	241252 (100.00)
1985-86	128133 (53.00)	122723 (50.77)	35910 (14.86)	77686 (32.14)	241729 (100.00)
1986-87	129147 (51.18)	123280 (48.85)	41456 (16.43)	81748 (32.39)	252351 (100.00)
1987-88 प्रा	114896 (48.21)	108858 (45.68)	39509 (16.58)	83918 (35.21)	238323 (100.00)
1988-89 त्व	155515 (54.14)	149066 (51.89)	42502 (14.79)	89248 (31.07)	287265 (100.00)

कोष्ठकीय संख्या योग से प्रतिशत दर्शाती है।

प्रा—प्रावधानिक
त्व—त्वरित

3. कृषि

गत कुछ वर्षों से लगातार मानसून की कमी के उपरान्त राज्य के सभी हिस्सों में संतोषजनक वर्षा हो जाने से राज्य के कृषक वर्ग में एक उत्साह व नवजीवन का संचार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप राज्य में खाद्यान्न का उत्पादन जो वर्ष 1987-88 में 4·8 मिलियन टन तक गिर गया था, वर्तमान वर्ष में 10.07 मिलियन टन के स्तर तक पहुंचने की संभावना है। इसके बावजूद की माह सितम्बर, 88 के प्रथम पक्ष में राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे का प्रभाव होने से फसल को क्षति हुई है। इस परिपेक्ष्य में कृषि क्षेत्र में वास्तव में काफी उत्साहजनक स्थिति प्राप्त करली है। कृषि का संभावित अंशदान लगभग 51.9 प्रतिशत है। देश में राजस्थान तिलहन का विशेषत: सरसों का प्रमुख उत्पादक बन गया है। अकाल ग्रस्त वर्षों में भी राज्य में तिलहन के उत्पादन में वृद्धि की प्रवृत्ति बनी रही है।

3.2 गत चार वर्षों में प्रमुख फसलों का क्षेत्रफल व उत्पादन निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:—

फसलें	क्षेत्रफल (लाख हैक्टेयर)				उत्पादन (लाख टन)			
	1985–86 संशोधित	1986–87 संशोधित	1987–88 अंतिम	1988–89 संभावित उपलब्धि	1985–86 संशोधित	1986–87 संशोधित	1987–88 अंतिम	1988–89 संभावित उपलब्धि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
अनाज								
खरीफ	68.91	74.46	54.66	71.35	18.70	20.32	10.54	37.03
रबी	21.01	21.26	17.71	20.75	44.93	38.13	32.78	45.18
दालें								
खरीफ	19.04	17.68	10.97	19.48	0.99	0.88	0.43	4.57
रबी	19.87	14.39	6.99	17.06	16.68	8.58	4.29	13.97
कुल खाद्यान्न	128.83	127.79	90.33	128.64	81.30	67.91	48.04	100.75
तिलहन	19.38	14.99	19.44	22.20	9.12	8.83	12.30	15.77
खरीफ	8.18	6.00	5.25	8.10	2.11	1.78	1.80	3.94
रबी	11.20	8.99	14.19	14.10	7.01	7.05	10.50	11.83
गन्ना	0.26	0.29	0.27	0.25	10.10	12.91	10.19	10.29
कपास*	3.33	3.65	3.44	3.49	4.74	6.99	2.18	5.47

*उत्पादन लाख गांठों में

3.3 ऊपर दिये गये समंकों में यह स्पष्ट है कि वर्ष 1986-87 व 1987-88 में सूखे की स्थिति के कारण वर्ष 1985-86 की तुलना में खरीफ तथा रबी खाद्यान्नों के उत्पादन में गिरावट आई है। वर्ष 1988-89 में अच्छी वर्षा के कारण खरीफ तथा रबी खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि होने की संभावनायें हैं। खाद्यान्न का उत्पादन 10.07 मिलियन टन होने की संभावना है।

3.4 खरीफ तिलहनों का 1986-87 व 1987-88 में 1985-86 की तुलना में कम उत्पादन हुआ। वर्ष 1987-88 में वर्षा की कमी के उपरान्त तिलहन की पैदावार (खरीफ व रबी) में अधिक हुई है जबकि 1986-87 में वर्ष 1985-86 की तुलना में कम हुई थी। तिलहनों के उत्पादन में इस वृद्धि का कारण मुख्यतः खाद्यान्न में बोयें जाने वाले क्षेत्रफल को तिलहन फसलों में परिवर्तित करना है।

3.5 वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक गन्ने का उत्पादन 10 लाख टन से 13 लाख टन के मध्य परिवर्तित होता रहा। अब वर्ष 1988-89 में गन्ने का उत्पादन 10.29 लाख टन होना संभावित है। कपास का उत्पादन 1985-86 में 4.74 लाख गांठों से ब: कर 1986-87 में 6.99 लाख गांठ हुआ तथा 1987-88 में पुनः घट कर 2.18 लाख गांठ रह गया। 1987-88 में इस उतार का मुख्य कारण इन्दिरा गांधी नहर से समय पर पानी नहीं मिल पाना है। 1988-89 में कपास का उत्पादन 5.47 लाख गांठें होने की आशा है।

3.6 कृषि में उपलब्धियों का स्तर नीचे दिय गये क्षेत्रफल एवं उत्पादन सूचकांकों (आधार वर्ष 1979-80 से 1981-82 = 100) से परिलक्षित होता है :

वर्ष	सूचकांक	
	क्षेत्रफल	उत्पादन
1979-80	95.00	80.16
1980-81	98.96	100.12
1981-82	106.04	119.69
1982-83	104.13	133.18
1983-84	108.89	163.36
1984-85	99.96	143.03
1985-86	107.20	137.96
1986-87	104.28	117.34
1987-88	78.46	93.57
1988-89 (संभावित)	110.96	164.03

3.7 कृषि विकास के विभिन्न कार्यक्रमों की उपलब्धियों को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

मद	इकाई	1987–88	1988–89	
			लक्ष्य	संभावित उपलब्धियां
खरीफ फसलें				
1. अधिक उपज वालीं फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल	लाख हैक्टेयर	10.73	22.00	16.81
2. अधिक उपज वाली किस्मों के बीजों का वितरण	'000 क्विंटल	39.1	77.28	58.00
3. अन्य उन्नत बीजों का वितरण	,,	21.4	32.87	18.63
4. उर्वरकों का वितरण	000 टन	70.5	90.0	100.98
5. जीवाणु कल्चर पैकेट्स का वितरण	लाख संख्या में	1.76	2.30	5.47
6. पौध संरक्षण	लाख हैक्टेयर	24.0	35.0	30.58
रबी फसलें				
1. मेक्सिकन गेहूं के अन्तर्गत क्षेत्रफल	लाख हैक्टेयर	9.75	15.40	13.50
2. मेक्सिकन गेहूं के बीज का वितरण	लाख क्विंटल	0.53	1.45	0.83
3. अन्य प्रमाणित बीज	,,	0.18	0.24	0.24
4. उर्वरकों का वितरण	'000 टन	144.03	200.00	200.00
5. जीवाणु कल्चर पैकेटस का वितरण	लाख संख्या में	0.43	1.50	1.50
6. पौध संरक्षण	लाख हैक्टेयर	24.0	33.00	27.00

वाणिज्यिक बैंकों तथा सहकारी बैंकों से समय पर अल्प अवधि ऋण मिल जाये इसकी व्यवस्था की गई।

सिंचाई

3.8 जनमानस के खाद्यान्न की बढती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा उनके आर्थिक विकास के लिये जल एक बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। चूंकि राज्य में जल स्रोतों की कमी है अतः राज्य के आन्तरिक तथा बाह्य उपलब्ध जल स्रोतो का उपयोग करने हेतु विकास कार्यक्रमों में इसे प्रमुख स्थान दिया जा रहा है। वर्ष 1986–87 तक राज्य में विभिन्न स्रोतो से सकल सिंचित क्षेत्र 4351 हजार हैक्टेयर था।

3.9 राज्य की छठी पंचवर्षीय योजना के अन्त तक वृहद व मध्यम सिंचाई परियोजनाओं से 19.96 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षमता हो गई थी। सातवीं योजना में भी सिंचाई क्षमता में वृद्धि करने को वांछित प्राथमिकता दी गई। सातवीं योजना के प्रथम तीन वर्षो में 130 हजार हैक्टेयर की सिंचाई क्षमता की वृद्धि हुई है।

3.10 निम्न तालिका में गत पांच वर्षों में कुल तथा सकल सिंचित क्षेत्रफल दिया गया है।

('000 हैक्टेयर में)

मद	1982–83	1983–84	1984–85	1985–86	1986–87
1. शुद्ध सिंचित क्षेत्र	3218	3276	3204	3110	3421
2. निम्न स्रोतों द्वारा सकल सिंचित क्षेत्र					
1. नहर	1385	1497	1359	1511	1635
2. तालाब	179	241	139	98	141
3. टयूबवेल्स	176	145	215	180	286
4. कुएँ	2093	2090	2079	2052	2248
5. अन्य	55	41	38	22	41
कुल योग	4088	4014	3830	3863	4351

पशु पालन

3.11 राज्य के कृषक वर्ष में, विशेषकर पश्चिमी जिलों में पशुपालन एक प्रमुख व्यवसाय है। राज्य घरेलू उत्पाद में इसके बहुमूल्य योगदान के अतिरिक्त, पशुपालन में रोजगार प्रदान करने की क्षमता है।

3.12 ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये पशुओं की नस्ल सुधार, चारे की व्यवस्था तथा पशु चिकित्सा के क्षेत्र में विकास के लिए काफी विकास कार्यक्रम लिये गए हैं इसमें नस्ल सुधार, चारा विकास तथा 1088 पशु चिकित्सालय व 6 पोलि किलिनिक के माध्यम से पशु चिकित्सा कार्य सम्मिलित है। वर्ष 1988–89 के दौरान (दिसम्बर, 1988 तक) राज्य में 38.14 लाख पशुओं को चिकित्सा उपलब्ध करायी गयी , 25.11 लाख पशुओं के लिए दवाएं उपलब्ध करवायी गई एवं 4.13 लाख पशु बधिया किए गये। इसी अवधि में 35.68 लाख पशुओं को टीके लगाये गये। दिसम्बर, 1988 तक बायो प्रोडक्शन प्रयोगशाला द्वारा 113.05 लाख रोग प्रतिरोधक टीकों का उत्पादन किया गया। ग्राम आधार योजना के अन्तर्गत फ्रोजन सीमन द्वारा कृत्रिम गर्भाधान के 475 केन्द्र कार्यरत हैं।

डेयरी

3.13 राष्ट्रीय दुग्ध विकास संघ के सहयोग से राजस्थान सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ सहकारिता के आधार पर दुग्ध विकास कार्यक्रम चला रहा है। जनवरी, 1989 के अन्त तक राज्य में डेयरी संयंत्रों तथा अवशीतन केन्द्रों की संख्या क्रमशः 10 तथा 24 थी। डेयरी संयंत्रों की औसत क्षमता 9 लाख लीटर प्रति दिन एवं अवशीतन केन्द्रों की क्षमता 4.10 लाख लीटर प्रति दिन थी।

3.14 वर्ष 1988–89 में जनवरी, 89 तक 181 नई दुग्ध उत्पादक समितियां बनाई गई जिससे समितियों की कुल संख्या 4312 हो गई। इन सहकारी समितियों में 2702 नये दुग्ध उत्पादकों को सदस्य बनाया गया जिससे सदस्यों की संख्या जनवरी 89 तक बढ कर 314639 हो गई। इस अवधि में औसतन 2.36 लाख लीटर दुग्ध प्रतिदिन संग्रहण किया गया। समितियों द्वारा 75448 टन पशु आहार का वितरण किया गया तथा 65568 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान इसी अवधि में किया गया।

3.15 वर्ष 1988–89 में डेयरी संघ के अधीन चार पशु आहार सयंत्र कार्यरत थे, जिनके द्वारा जनवरी 89 तक 38593 मै. टन पशु आहार का उत्पादन हुआ तथा 47114 मै. टन आहार वितरित किया गया। पशु आहार की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिये नाफेड, हाफेड आदि से भी खरीद की गई।

मत्स्य पालन

3.16 राज्य में मत्स्य पालन के लिए लगभग 3 लाख हैक्टेयर जल क्षेत्र उपलब्ध है। इस सीमित जल क्षेत्र को दृष्टिगत रखते हुए जलाशयों के विकास, उन्नत किस्म के मत्स्य बीजों के उत्पादन, संवर्धन व संग्रहण तथा राज्य में बेतरतीब मत्स्य आखेट को नियंत्रित करने के लिए यत्न किए गए हैं। मत्स्य बीज उत्पादन के लिए वर्ष 1988–89 में 139 शुष्क बंध कार्यरत रहे।

3.17 राज्य में दो राष्ट्रीय मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र, कासिमपुरा (कोटा) तथा भीमपुरा (बांसवाडा) निर्माणाधीन हैं। इन केन्द्रों का निर्माण होने पर प्रत्येक केन्द्र से 10 मिलियन फ्राई मत्स्य बीज उत्पादन होगा।

3.18 राज्य में लगातार सूखे के कारण वर्ष 87–88 में मत्स्य उत्पादन 7313 मै. टन ही हुआ। वर्ष 1988–89 में 16000 मै. टन मत्स्य उत्पादन का लक्ष्य रखा है। जिसके प्राप्त होने की संभावना है। विभाग द्वारा वर्ष 1987–88 में 28.6 मिलियन (फ्राई) मत्स्य बीज उत्पादन किया। वर्ष 1988–89 में 60 मिलियन मत्स्य बीज उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है जो पूरा कर लिया गया है।

3.19 राज्य के बेरोजगार व्यक्तियों को मत्स्य उत्पादन हेतु मत्स्य पालक विकास अभिकरण द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है। मार्च, 1988 तक 1882 व्यक्तियों को प्रशिक्षित कर उन्हें 1455 हैक्टेयर जल क्षेत्र आवंटित किए जा चुके हैं। मछली पकडते समय होने वाली दुर्घटनाओं से पीडित मछुआरों की सहायता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरु की गई ग्रुप बीमा योजना राज्य में भी लागू कर दी गई हैं। इस योजना के तहत रू. 9 वार्षिक प्रीमियम प्रत्येक मछुआरे से लिया जाता है एवं दुर्घटना ग्रस्त होने पर रु. 7500 तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर रु. 15,000 का भुगतान किया जाता है।

भेड एवं ऊन

3.20 राजस्थान की अर्थव्यवस्था में भेड पालन का विशेष स्थान है। राज्य के पश्चिमी एवं उत्तरी पूर्वी भागों में सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों में जीविकोपार्जन के उददेश्य से भेडपालन महत्वपूर्ण आर्थिक साधन है तथा यह बडी संख्या में रोजगार उपलब्ध करवाता है। राज्य के कुल पशु धन में भेडों की संख्या लगभग 33 प्रतिशत है। आलोच्य वर्ष में 71456 भेडों का गर्भाधान कराया गया। जिनसे 12814 मेमनो को जन्म दिया नवम्बर 1988 तक 69.14 लाख भेडों को पेट के कीडों की दवा पिलाई गई, 23 लाख को रोग निरोधक टीके लगाये गये व 42 लाख मेढों को बाह्य परिजीवों से बचाव हेतु दवा लगाई गई। इसी अवधि में नस्ल सुधार के लिए 3.68 लाख नाकारा भेडों तथा मेमनों का बधियाकरण किया गया एवं 6.41 लाख भेडों का प्राथमिक उपचार किया गया। वर्ष 1988–89 में 6 रोग निदान चल इकाईयां, 5 भेड व ऊन प्रसार केन्द्र एवं 3 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र खोले गये।

वन

3.21 वातावरण की स्वच्छता व सुरक्षा बनाये रखने में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वातावरण को सुरक्षित रखने व ऊर्जा के स्त्रोतों को बढाने व ईधन व चारे की आवश्यकता की पूर्ति हेतु विद्यमान प्राकृतिक वन संपदा अर्थव्यवस्था में बहुत महत्व रखते हैं। राज्य में मात्र 9 प्रतिशत क्षेत्रफल ही वनों से वर्गीकृत है। इसमें से केवल एक तिहाई क्षेत्र ही घने जंगलों से शामिल है।

3.22 वृक्षारोपण कार्य में वृद्धि के प्रयत्नों में तेजी लाने के लिए कई योजनायें व कार्यक्रम हाथ में लिए गए हैं। विभाग व सार्वजनिक प्रयत्नों से 13 करोड के वृक्षारोपण के लक्ष्य के विरुद्ध 12.59 करोड वृक्ष लगाये जा चुके हैं।

3.23 ईंधन, चारे व लकडी की आवश्यकताओं की दृष्टि से आत्म निर्भरता प्राप्त करने हेतु ग्रामों में सार्वजनिक भूमि पर सिलवी पेस्टोरल प्लान्टेशन विकसित किया जा रहा है। इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में दस हजार हैक्टेयर भूमि में वन व जलाने की लकडी के वृक्ष लगाए गये थे। वीहड क्षेत्रों के पुर्नउत्थान व राष्ट्रीय व सामाजिक वानिकी परियोजनाओं के अन्तर्गत क्रमशः 4500 हैक्टेयर व 10523 हैक्टेयर क्षेत्र में जंगल लगाए गए हैं। वन विभाग की 2730 नर्सरियां कार्यरत है जिनमें से 1313 नर्सरियां विभागीय हैं व 1413 कृषकों व स्कूलों द्वारा संचालित है।

4. उद्योग एवं खनन्

4.1 राज्य की अर्थव्यवस्था के विकास में उद्योग व खनन् एक विशेष महत्व रखते हैं। राज्य के घरेलू उत्पादन में उद्योग व खनन् से 18.97 प्रतिशत प्राप्त होता है। पिछले चार वर्षों के सूखे से औद्योगिक उत्पादन विशेषकर लघु उद्योगों व लघु इकाईयों पर विपरित प्रभाव पडा है। वर्ष 1987–88 में जहां पंजीकृत विनिर्माण अनुभाग के हिस्से में कुल राज्य घरेलू उत्पाद का 1.29 प्रतिशत बढा है वहां गैर पंजीकृत अनुभाग के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है। परन्तु खनन क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में 6.67 प्रतिशत की बढोतरी हुई हैं।

4.2 राज्य सरकार की रोजगार के अवसर बढाने के लिये लघु उद्योगों को विकसित करने की नीति है। दिसम्बर, 88 तक राज्य में 668.14 करोड रुपयों के विनियोजन व 5.25 लाख व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये 1,41,890 लघु उद्योग एवं लघु इकाईयों का पंजीकरण उद्योग विभाग द्वारा किया गया है। औद्योगीकरण को गति देने के लिये राज्य में जिला उद्योग केन्द्र कार्यरत है।

4.3 भारत सरकार द्वारा राज्य में वर्ष 1989-90 में 4 जिला विकास केन्द्र खोलने का लक्ष्य रखा है। प्रत्येक केन्द्र पर विभिन्न स्त्रोतों से 30 करोड़ रुपये व्यय किये जाने की संभावना है। उद्योग विभाग के अतिरिक्त राज्य में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास व विनियोजन निगम (रीको) राजस्थान लघु उद्योग निगम (राजसिको) राजस्थान हाथकर्घा विकास निगम (आर एच डी सी) व राज्य वित्त निगम (आर एफ सी) औद्योगिक विकास में कार्यरत है। इनकी कार्य प्रणाली को अधिक गतिशील बनाया जा रहा है।

4.4 रीको ने 17708 प्लाट विकसित किये जिनमें से 13612 प्लाट दिसम्बर 88 के अंत तक आवंटित किये जा चुके हैं। वर्ष 1988–89 में 500 प्लाट के आवंटन के लक्ष्य के विरुद्ध माह दिसम्बर, 88 तक 505 प्लाट आवंटित किये गये। हीरे तराशने व पॉलिश करने वाले उद्योग की विकसित करने के लिये सांगानेर में एक 'जेमस्टोन इण्डस्ट्रीयल पार्क' विकसित किया जा रहा है जिसमें 15,000 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध होने तथा 60 करोड रुपये के माल का निर्यात होने की संभावना है।

4.5 औद्योगिक इकाईयों को वित्तीय सहायता देने की योजना के अन्तर्गत मूल्यांकन करने की प्रणाली को सुदृढ किया गया तथा माह दिसम्बर 88 तक 1795.23 लाख की क्षमता भागीदारी एवं सावधि ऋण सहायता स्वीकृत की गई। जिसके विरुध 948.40 लाख रुपये वितरित किये गये। 218.49 लाख रुपये की अन्य वित्तीय सहायताओं की स्वीकृति के विरुद्ध 149.18 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण, बिक्री कर में छूट, सीड केपीटल और केन्द्रीय एवं राज्य अनुदान (सबसीडी) के रूप में वितरित किये जा चुके हैं।

4.6 राजस्थान वित्त निगम उद्योगों को वित्तीय सहायता देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निगम द्वारा लघु तथा मध्यम वर्ष के उद्योगों को 60 लाख रुपये तक ऋण के रूप मे सहायता दे रहा है। वर्ष 1988–89 के अंतर्गत जनवरी, 89 के अंत तक, निगम द्वारा 3465 औद्योगिक इकाईयों को 71.03 करोड रुपये के ऋण स्वीकृत किये गये जिसमें से 53.58 करोड रुपयों के ऋण वितरित किये जा चुके हैं। निगम ऋण वसूली के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है तथा जनवरी, 89 के अंत तक 39.41 करोड रुपये के ऋण वसूल किये जा चुके हैं। शिल्पवाडी योजना के अंन्तर्गत 88 शिल्पवाडी स्थापित की हैं जिसके अंतर्गत जनवरी 89 के अंत तक 3.74 करोड रुपये के ऋण स्वीकृत किये गये हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के 743 विनियोजकों को 2.84 करोड रुपये के ऋण स्वीकृत किये गये हैं।

4.7 राजस्थान लघु उद्योग निगम राज्य में शिल्पकारों तथा लघु उद्योगों की सहायता देने में लगा हुआ है। लघु उद्योगों व राजस्थानी हस्तशिल्पीयों की कच्चे माल की पूर्ति, उत्पादन एवं उनके उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था करना आदि निगम के मुख्य कार्य हैं। निगम विभिन्न जिलों में स्थापित अपने गोदामों के द्वारा लघु उद्योग इकाईयों को आवश्यक कच्चा माल देने की सुविधा प्रदान कर रहा हैं। इन गोदामों के द्वारा वितरित किये गये कच्चे माल की मात्रा निम्न प्रकार है:—

(मै. टन)

कच्चा माल	1987–88	1988–89
1. आयरन एण्ड स्टील	6112	6111
2. पाल्म फेटी एसिड	3082	1658
3. कोल / कोक	47039	27201
4. पोलीमर प्रोडक्टस (आई. सी. पी. एल.)	366	490

4.8 राजस्थान लघु उद्योग निगम अपने एम्पोरियमों के द्वारा राजस्थानी हस्तकला वस्तुओं की बिक्री को प्रोत्साहन दे रहा है। इस वर्ष एक नया एम्पोरियम कलकत्ता में खोला गया है। इन एम्पोरियमों द्वारा वर्ष 1988–89 में रुपये 2.35 करोड की हस्तशिल्प वस्तुओं का विक्रय किया गया।

4.9 निगम द्वारा 9000 व्यक्तियों को गलीचा बुनने का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें से 40 प्रतिशत व्यक्ति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के थ।

4.10 राजस्थान लघु उद्योग निगम शिल्पकारों से निकट सम्पर्क बनाये रखने के दृष्टिकोण से बीकानेर, कोटा, बाडमेर एवं उदयपुर में हस्तकला प्रमोशन एवं प्रोक्योरमेन्ट केन्द्र स्थापित किये हैं। सांगानेर में एयर कारगो कोम्पलेक्स में दिसम्बर, 88 के अंत तक 79 करोड रुपयों का व्यापार किया है।

4.11 राजस्थान राज्य हाथकर्घा विकास निगम, राज्य में असहकारी क्षेत्र में हाथ कर्घा उद्योग को बढावा देने का कार्य कर रहा है। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में निगम ने 2.20 करोड रुपये की केन्द्रीय सहायता से एक प्रोसेसिंग हाउस की स्थापना की है। विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत माह जनवरी 89 तक 1836 परिवारों को 20 सूत्री कार्यक्रम में तथा 1638 परिवारों को विशेष कम्पोनेन्ट प्लान्स के अंतर्गत लाभान्वित किया। आलोच्य वर्ष में 80 बुनकरों को भी ऊनी हाथ कर्घा वस्त्रों के उत्पादन का प्रशिक्षण देने हेतु 4 सामान्य सुविधा केन्द्र स्थापित करने जा रहा है। निगम ने जन जाति क्षेत्रीय विकास निगम की सहायता से प्रत्येक केन्द्र पर 25 अनुसूचित जनजाति के बेरोजगार व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने के उददेश्य से जिला बांसवाडा, डूंगरपुर एवं उदयपुर जिलों में हाथ कर्घा बुनाई प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये हैं। अप्रेल, 1988 में भारत सरकार ने एक ऊनी हाथ कर्घा विकास परियोजना स्वीकृत की है।

4.12 वर्ष 1987–88 में 21.75 करोड रुपये की सूती एवं ऊनी खादी का उत्पादन हुआ जो बढकर 1988–89 में 25.50 करोड रुपये होने की संभावना हैं। उद्योग क्षेत्र में वर्ष 1987–88 में 116.49 करोड रुपये का उत्पादन हुआ जिसके आलोच्य वर्ष में बढकर 120.00 करोड रुपये होने की संभावना है। इस क्षेत्र में रोजगार का स्तर 2.60 लाख व्यक्ति तक पहुंचने का है।

4.13 वर्ष के अन्त में इन्डियन फैक्ट्रीज एक्ट 1948 के अंतर्गत, मुख्य निरीक्षक कारखाना एवं वाष्प, राजस्थान द्वारा पंजीकृत निर्माणियों की बढी हुई संख्या राजस्थान में औद्योगिक विकास की परिचायक है।

पंजीकृत निर्माणियों की संख्या तथा रोजगार

(संचयी संख्या लाखों में)

वर्ष	पंजीकृत निर्माणियों की संख्या	पंजीकृत नियोजन
1	2	3
1981	6608	1.66
1982	6860	1.73
1983	7281	1.87
1984	7656	1.97
1985	8233	2.02
1986	9150	2.14
1987	9665	2.25
1988	10,512(प्रा.)	2.36(प्रा.)

प्रा. प्रावधानिक

4.14 वर्ष 1987–88 में चयनित वस्तुओं के उत्पादन की तुलनात्मक स्थिति निम्न तालिका में दर्शाई गई है :

कुछ चयनित वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन

(तुलनात्मक अध्ययन)

क्र. सं.	मद	इकाई	उत्पादन		वर्ष 1987 की तुलना में वर्ष 1988 में प्रतिशत परिवर्तन
			1988 (प्रावधानिक)	1987 (परिवर्तित)	
1	2	3	4	5	6
1.	शक्कर	मै. टन	5456.70	23202.8	(–) 76.48
2.	स्प्रिट सब प्रकार की	000 लीटर	12872.25	14443.96	(–) 10.88
3.	वनस्पति घी	मै. टन	64668.30	51508.02	25.55
4.	नमक	मै. टन	1038074	833090	24.60
	फर्टिलाइजर्स				
5.	यूरिया	000 मै. टन	298.18	261.95	13.83
6.	सुपर फास्फेट	,,	109.55	89.06	23.00
7.	सीमेन्ट	,,	4031.24	3898.29	3.41
8.	अग्नि की ईंटें	000 संख्या	1720.75	2022.18	(–) 14.90
9.	जस्ते की छडें	000 मै. टन	35.56	33.75	5.37
10.	केडमियम फिनिश्ड प्रोडक्ट्	मै. टन	141.35	117.57	20.23
11.	रेलवे वैगन	संख्या	1108	826	34.14
12.	बाल बियरिंग	लाख संख्या	138.71	123.06	12.72
13.	पानी के मीटर	संख्या	42787	61928	(–) 30.90
14.	रेडिएटर्स	संख्या	3963	2614	51.60
15.	लेपित एवं पुनर्लेपित पत्थर	000 वर्ग. मी.	368.12	346.40	6.27
16.	विद्युत् मीटर	संख्या	868187	829424	4.67
	पोलिस्टर धागा				
17.	नायलान धागा	मै. टन	4947.95	5198.75	(–) 6.62
18.	पोलिस्टर धागा	मै. टन	18217.91	14366.03	26.81
	केमिकल				
19.	कास्टिक सोडा	मै. टन	30832	25757	19.70
20.	कैल्शियम कार्बाईड	,,	30839	23445	31.54
21.	पी. वी. सी. रेजिन	,,	23482	17575	33.61
22.	पी. वी. सी. कम्पाउन्ड	,,	6710	6489	3.40
23.	सल्फ्यूरिक एसिड	,,	155669	123818	25.72
24.	टी. वी. सेटस	संख्या	3865	3753	2.98
25.	कापर कैथोडस	मै. टन	26999	19959	35.27
26.	सूती कपडा	लाख मीटर	332.51	374.36	(–) 11.18
27.	सूती धागा	000 मै. टन	48.58	53.23	(–) 8.74

4.15 उपरोक्त तालिका यह दर्शाती है कि वर्ष 1988 में उत्पादन की मिश्रित प्रवृत्ति रही है। उपरोक्त अंकित 20 मदों के उत्पादन में वृद्धि हुई है जबकि शेष, मदों के उत्पादन में वर्ष 1987 की तुलना में वर्ष 1988 के उत्पादन में गिरावट आयी है उत्पादन में आये विचलन को निम्न तालिका में दिया गया है :—

वर्ष 1988 में वर्ष 1987 की तुलना में प्रतिशत विचलन		मद
1.1	10 प्रतिशत तक वृद्धि	सीमेन्ट, जिंक इंगोट्स, बिजली के मोटर, पी. वी. सी. कम्पाउन्ड, टी. वी. सैट्स, लेपित एवं पुनर्लेपित पत्थर
1.2	10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक वृद्धि	यूरिया, बाल बियरिंग, कास्टिक सोडा।
1.3	20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक वृद्धि	वेजीटेबिल घी, सुपर फास्फेट, कैडमियम फिनिश्ड प्रोडक्ट्स रेल के डिब्बे, पोलिस्टर धागा, कैलशियम कार्बाइड, पी. वी. सी. रेजिन, गंधक का तेजाब, ताम्बें की छड, नमक।
1.4	50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक वृद्धि	रेडियेटर्स।
2.1	10 प्रतिशत तक कमी	नायलान धागा, सूती धागा।
2.2	10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक कमी	स्प्रिट (सभी तरह की), अभ्रक की ईंटें, सूती धागा।
2.3	20 प्रतिशत से अधिक कमी	शक्कर, पानी के मीटर।

4.16 राजस्थान में खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इस संपदा को दोहन हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। वर्ष 1988 में उत्पादन, बिक्री मूल्य व प्रतिदिन के रोजगार में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।

4.17 निम्न तालिका में वर्ष 1987 एवं 1988 के अंतर्गत खनिज उत्पादन, उनका बिक्री मूल्य एवं औसतन दैनिक व्यक्तियों के नियोजन का तुलनात्मक विवरण दर्शाये गये हैं:—

महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन, बिक्री मूल्य तथा औसत दैनिक नियोजन

खनिज	उत्पादन ('000" टनों में)		विक्रय मूल्य ('000" रुपये में)		व्यक्ति की दैनिक नियोजित संख्या	
	1987	1988 (प्रा)	1987	1988 (प्रा)	1987	1988 (प्रा)
1	2	3	4	5	6	7
I. धात्विक खनिज						
1. कच्चा ताम्बा	1694	1800	399751	500000	4101	5000
2. कच्चा लोहा	55	65	2253	2410	198	212
3. सान्द्र शीशा	36	36	200462	223600		
4. सान्द्र जस्ता	99	109	505344	535120	4387	4417
5. चांदी (किलोग्राम में)	18672	18890	79113	99000		
6. टंगस्टन (टनों में)	31	32	4124	4225	305	307
II. अधात्विक खनिज						
1. डालोमाइट	4	4	142	150	27	30
2. फैल्सफर	26	25	1316	1300	669	660

1	2	3	4	5	6	7
3. फ्लोराइट	5	4	10385	10300	513	510
4. गार्नेट (अब्रेसिव)	376	900	62	अप्राप्त	90	80
5. गार्नेट मूल्यवान व अर्धमूल्यवान (किग्रा.)	2188	4170	85	अप्राप्त	अप्राप्त	अप्राप्त
6. जिप्सम	1565	1605	71977	72052	1210	1270
7. लाइमस्टोन (सीजी)	6046	6410	199620	199700	2051	2170
8. अभ्रक	475	600	3731	5000	430	500
9. राक फास्फेट	461	450	206904	206200	1228	1220
10. सिलिका सैन्ड	192	200	9578	9900	1061	1080
11. सोप स्टोन	295	315	35734	38700	5752	6000
12. एस्बेसट्स	26	30	1492	1600	1974	1980
13. बैराईट्स	6	7	1303	1402	181	190
III. लघु खनिज						
1. सैन्ड स्टोन	3815	3864	275626	277020	67352	67360
2. मेसनरी स्टोन	9420	9610	95985	96300	61181	61200
3. लाइमस्टोन डाइमेंशनल	977	1120	292736	310270	21940	21990
4. लाइमस्टोन	2400	2630	218727	220120	7255	7285
5. संगमरमर पत्थर	576	620	95149	100175	42072	42175

प्रा–प्रावधानिक

4.18 राजस्थान खनिज विकास निगम, खनिज आधारित औद्योगिक योजनाओं के संवर्धन हेतु कार्यशील रहा है। वर्ष 1987-88 की तुलना में वर्ष 1988-89 में राजस्थान खनिज विकास निगम का व्यापार 15 करोड़ रु. से बढ़कर 23 करोड़ रुपये होने की संभावना है।

औद्योगिक संबंध

4.19 राज्य में औद्योगिक संबंधों में सामान्यतः स्थिरता रही। वर्ष 1988-89 (दिसम्बर तक) हड़ताल एवं तालाबन्दी की संख्या 66 रही जबकि वर्ष 1987 में यह संख्या 81 थी। प्रभावित श्रमिकों की संख्या काफी कम रही। इसी प्रकार मानव दिवस हानि भी कम थी। निम्न तालिका में हड़ताल, तालाबन्दी एवं श्रमिक संघों की स्थिति दर्शायी गयी है:—

श्रम संघ, हड़ताल एवं तालाबन्दी

(संख्या में)

मद	1987	1988 (दिसम्बर 88 तक)
1	2	3
श्रमिक संघ		
1. पंजीकृत श्रमिक संघ	318	328
2. सदस्यता	37029	27468

1	2	3
हड़ताल		
1. हड़तालों की संख्या	70	51
2. प्रभावित श्रमिकों की संख्या	43813	11466
3. मानव दिवसों की हानि	691573	433892
तालाबन्दी		
1. तालाबन्दी की संख्या	11	15
2. प्रभावित श्रमिकों की संख्या	1161	1466
3. मानव दिवसों की हानि	205662	50964

4.20 संयुक्त स्कन्ध कम्पनियां

कम्पनी क्षेत्र का विस्तार राज्य की आर्थिक एवं औद्योगिक विकास की प्रगति का एक सूचक है। वर्ष 1988-89 में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की सीमित कम्पनियों में तथा उनकी प्रदत्त पूंजी में वृद्धि हुई है जैसा कि निम्न तालिका से विदित होता है।

मद	1987–88	1988–89 (दिसम्बर 88 तक)
सार्वजनिक कम्पनियां		
6. संख्या	459	475
7. प्रदत्त पूंजी (करोड़ रुपयों में)	203.46	205.81
निजी कम्पनियां		
1. संख्या	2697	3270
2. प्रदत्त पंजी (करोड़ रुपयों में)	28.13	29.80
योग		
1. संख्या	3356	3745
2. प्रदत्त पंजी (करोड़ रुपयों में)	231.59	235.61

नियोजन

4.21 गरीबी को हटाने एवं व्यक्तियों का जीवन स्तर को उठाने के लिए रोजगार के अवसर बढाना राज्य विकास नीति का प्रमुख अंग है। रोजगार संबंधी वार्षिक सूचना की कमी ने अर्थव्यवस्था में रोजगार स्तर की स्थिति ज्ञात करना कठिन कर दिया है। फिर भी विभिन्न प्रकार के उपलब्ध समंक नियोजन के ढ़ांचे एवं स्थिति को दर्शाते है। पंजीकृत कारखानों में औसत प्रतिदिन रोजगार जो गत वर्ष 2.25 लाख था वह वर्ष 1988 में बढकर 2.36 लाख हो गया। उद्योग विभाग द्वारा पंजीकृत लघु उद्योग इकाइयों में औसत दैनिक रोजगार 31 मार्च, 1988 को 5.09 लाख व्यक्ति था वह बढकर दिसम्बर, 1988 के अंत तक 5.25 लाख हो गया।

4.22 ग्रामीण क्षेत्रों के व्यक्तियों के कष्ट निवारण हेतु राज्य में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आईआरडीपी) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एनआरईपी) व ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम (आरएलइजी) चलाये जा रहे हैं। इस वर्ष में 2 लाख परिवारों को लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है जिसमें 0.30 लाख पुराने लाभांवित परिवार है। एनआरईपी व आरएलइजीपी कार्य क्रम में 127.85 व 99.33 लाख मानव दिवस की क्षमता के लक्ष्य के विरुद्ध 191.61 व 120.75 लाख मानव दिवस की रोजगार क्षमता माह फरवरी, 89 तक अर्जित करली है।

4.23 वर्ष 1988-89 में खादी उत्पादन में लगे व्यक्तियों की संख्या बढकर 1.79 लाख होने की संभावना है। इसी प्रकार ग्रामीण उद्योगों में जो व्यक्ति कार्य कर रहे हैं उनकी संख्या 1987-88 में 2.38 लाख थी वह चालू वर्ष के अंत तक बढकर 2.60 लाख हो जाने का अनुमान है ।

4.24 खनिज क्षेत्र में वर्ष 1988 के दौरान 2.45 लाख व्यक्तियों को औसत दैनिक नियोजन दिया गया।

4.25 संगठित क्षेत्र में नियोजन स्तर को जांचने का एक और सूचक नियोजित बाजार सूचना है इसके अंतर्गत रोजगार निदेशालय द्वारा संगठित क्षेत्र के रोजगार के स्तर की स्थिति ज्ञात होती है। राज्य व भारत में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र में रोजगार निम्न प्रकार रहा।

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में रोजगार

(लाख संख्या में)

वर्ष	राजस्थान			अखिल भारत		
	सार्वजनिक क्षेत्र*	निजी क्षेत्र	योग	सार्वजनिक क्षेत्र*	निजी क्षेत्र	योग
1	2	3	4	5	6	7
1984	7.66	1.90	9.56	168.69	73.45	242.14
1985	7.90	1.93	9.83	172.09	73.09	245.78
1986	8.30	1.97	10.27	176.78	73.57	250.35
1987	8.54	1.96	10.50	179.87	73.62	253.49

स्त्रोतः रोजगार निवेशालय

* सार्वजनिक क्षेत्र में केन्द्र व राज्य सरकार व केन्द्र व राज्यों की अर्ध सरकारी संस्थान व स्थानीय संस्थायें शामिल हैं।

5. मूल्य :

5.1 वर्ष 1988 में मूल्य प्रवृत्ति वृद्धि की ओर अग्रसर रही, जैसा कि थोक एवं खुदरा मूल्य सूचकांकों से परिलक्षित होता है। अखिल भारतीय स्तर पर भी यहां प्रवृत्ति पायी गयी। वर्ष 1987 की उपेक्षा 1988 में राजस्थान में थोक मूल्य सूचकांकों के अनुसार मुद्रा–स्फीति की दर अखिल भारतीय स्तर से अधिक रही है। गत वर्ष की तुलना में वर्ष 1988 के दौरान जयपुर केन्द्र का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 11.43 प्रतिशत अधिक रहा जबकि अजमेर केन्द्र में यह वृद्धि 9.19 प्रतिशत ही रही। जयपुर केन्द्र का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अखिल भारतीय औसत की तुलना में भी अधिक रहा। किन्तु यह अजमेर केन्द्र पर कुछ कम रहा।

थोक मूल्य:

5.2 राजस्थान में वर्ष 1988 में औसत सामान्य थोक मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1952-53 = 100) 1054.0 रहा है जो कि विगत वर्ष के 942.9 की तुलना में 11.78 प्रतिशत अधिक है। अखिल भारतीय स्तर पर इस अवधि में यह वृद्धि केवल 8.42 प्रतिशत हुई (आधार 1970-71) वर्ष 1988 में, जुलाई 1988 तक फरवरी 1988 के अपवाद के अतिरिक्त, थोक मूल्य सूचकांकों में निरंतर वृद्धि हुई है। इस अवधि में गत वर्ष की तुलना में 16.50 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई। अगस्त 1988 में सूचकांक में गिरावट आई, किन्तु सितम्बर में इसमें पुनः वृद्धि हुई एवं अक्टूबर में यह चरम सीमा पर रहा, जब सूचकांक 1125.0 हो गया एवं पुनः नवम्बर व दिसम्बर में गिरावट रही। जुलाई से दिसंबर 1988 की अवधि में गत वर्ष तुलना में 6.06 प्रतिशत का परिवर्तन था। यह भी उल्लेखनीय है कि चालू वर्ष में अक्टूबर से दिसंबर के त्रैमास में जुलाई से सितम्बर के त्रैमास की तुलना में केवल 1.11 प्रतिशत का परिवर्तन था।

5.3 विस्तृत समूहवार मूल्य सूचकांक निम्न तालिका में दिये गये है

राजस्थान में थोक मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1952–53=100)

प्रमुख वर्ग	वार्षिक औसत सूचकांक					गत वर्ष की तुलना में प्रतिशत विचलन			
	1984	1985	1986	1987	1988	1985	1986	1987	1988
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. खाद्य पदार्थ वर्ग	710.9	792.7	805.4	897.7	1035.9	+11.51	+1.60	+11.46	+15.39
2. औद्योगिक कच्चा माल वर्ग	654.6	615.0	629.8	818.20	827.9	(−) 6.05	+2.41	+29.91	+1.19
3. ईंधन, शक्ति, प्रकाश और उपस्नेहक वर्ग	1519.5	1622.0	1680.4	1715.10	1801·2	+6.75	+3.60	+2.06	+5.02
4. विनिर्मित वर्ग	891.6	921.8	965.1	1044.50	1082.5	+3.39	+4.70	+8.23	+3.64
5. सामान्य सूचकांक	763.2	828.9	848.2	942.9	1054.0	+8.61	+2.33	+11.16	+11.78

उक्त तालिका से यह ज्ञात होता है कि थोक मूल्य सूचकांक में वर्ष 1988 में वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य पदार्थ वर्ग की 15.39 प्रतिशत की वृद्धि से प्रभावित रही।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक :

5.4 वर्ष 1987 की तुलना में वर्ष 1988 में खुदरा मूल्यों में विचलन की प्रवृत्ति भी लगभग थोक मूल्यों की प्रवृत्ति के समान ही रही। जयपुर केन्द्र के औद्योगिक श्रमिकों के वार्षिक औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वर्ष 1987 की तुलना में वर्ष 1988 में 11.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अजमेर केन्द्र में यह वृद्धि 9.19 प्रतिशत रही। अखिल भारतीय स्तर पर संवादी परिवर्तन 9.46 प्रतिशत था।

5.5 जयपुर एवं अजमेर दोनों ही केन्द्रों के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों में वर्ष 1987 व 1988 में जनवरी से सितंबर तक के महीनों में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। इस अवधि में वर्ष 1988 में जयपुर एवं अजमेर केन्द्रों पर क्रमशः 12.63 एवं 9.97 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि गत वर्ष इसी अवधि की क्रमशः 14.51 प्रतिशत एवं 13.92 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में कम है। तथापि अक्टूबर से दिसम्बर 1988 की अवधि में दोनों केन्द्रों के सूचकांकों में गिरावट अंकित हुई है।

5.6 जयपुर एवं अजमेर केन्द्रों के लिए समूहवार उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों का विस्तृत विवरण तालिका में दिया जा रहा है।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100)

समूह	जयपुर							अजमेर						
	वार्षिक औसत सूचकांक				गत वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन			वार्षिक औसत सूचकांक				गत वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन		
	1985	1986	1987	1988	1985 से 1986	1986 से 1987	1987 से 1988	1985	1986	1987	1988	1985 से 1986	1986 से 1987	1987 से 1988
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1. खाद्य पदार्थ	672	700	765	×	+4.17	+9.43	×	631	687	772	×	+8.87	+12.37	×
2. पान सुपारी एवं मादक पदार्थ	759	827	911	×	+8.96	+10.16	×	936	985	1066	×	+5.24	+8.22	×
3. इंधन शक्ति एवं प्रकाश	751	753	764	×	+0.27	+1.46	×	721	761	818	×	+5.55	+7.49	×
4. गृह किराया	312	340	563	×	+8.97	+65.59	×	410	460	517	×	+12.20	+12.39	×
5. वस्त्र, बिस्तर एवं जूते	738	776	840	×	+5.15	+8.25	×	631	671	701	×	+6.34	+4.47	×
6. विविध	467	505	547	×	+8.35	+8.35	×	504	554	638	×	+9.92	+15.16	×
7. सामान्य सूचकांक	634	665	735	819	+4.89	+10.53	+11.43	614	665	740	808	+8.31	+11.28	+9.19
8. अखिल भारतीय (सामान्य)	608	661	719	787	+8.72	+8.77	+9.46							

×माह अक्टूबर, 1988 एवं इसके बाद के लिए आधार वर्ष 1982=100 में परिवर्तन किया गया । अतः वर्ष 1988 के लिए समूहवार तुलनात्मक सूचकांक (वार्षिक औसत) उपलब्ध नहीं है । माह अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, 1988 के लिये सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960) श्रम ब्यूरो भारत सरकार, शिमला द्वारा उपलब्ध कराये गये लिंकिंग फैक्टर के आधार पर ज्ञात किये गये हैं ।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली:–

5.7 सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं, विशेषतः जनसंख्या के निर्धनतम वर्ग को निर्धारित कीमतों पर आवश्यक वस्तुऐं जैसे गेहूं, चावल, चीनी, आयातित खाद्य तेल, केरोसीन, नियंत्रित कपड़ा उपलब्ध किया जाता है। शहरी क्षेत्र में 3590 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 10429 उचित मूल्य की दुकानें कार्यरत हैं।

5.8 चालू वर्ष में माह दिसम्बर, 1988 तक भारत सरकार द्वारा राज्य सरकार को 7.40 लाख मैट्रिक टन गेहूं, 2180 बडे एवं 8000 छोटे खाद्य तेल के पेक, 157725 मैट्रिक टन लेवी की चीनी एवं 228200 किलो लीटर केरोसीन आवंटित किया गया।

5.9 उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान के लिए सतर्कता समिति का गठन किया जा रहा है। इन समितियों द्वारा अपना प्रतिवेदन जिला रसद अधिकारी को भेजा जाना अपेक्षित है। आवश्यक वस्तुओं की काला बाजारी एवं जमाखोरी की दुषप्रवृत्ति को रोकने के लिए माह दिसम्बर 1988 तक 1243 छापे मारे गये। 402 व्यक्तियों के विरुद्ध न्यायालय में मुकदमें दायर किए गये तथा 16 व्यक्तियों की आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत सजा दी गई। 2927 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई तथा विभागीय कार्यवाही के अन्तर्गत 26.42 लाख रुपयों का माल अथवा प्रतिभूतियां जब्त की गई।

5.10 जनजाति क्षेत्रों में 4409 ग्रामों में 1.64 रुपये प्रति किलों की दर से अनुदानित गेहूं उपलब्ध करवाया गया। अनुदानित गेहूं की मात्रा 1.05 लाख मैट्रिक टन थी। इसके अतिरिक्त 24 गतिशील दुकानें भी कार्यशील हैं। राज्य के जनजाति एवं दूरवर्ती क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गोदामों का निर्माण करवाया जा रहा है।

5.11 कीमतों के समर्थन के उद्देश्य से जनवरी, 1989 तक राजफेड के माध्यम से 11478 मैट्रिक टन बाजरा, 221 मैट्रिक टन ज्वार तथा 55 मैट्रिक टन मक्का का क्रय किया गया।

5.12 उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए राज्य स्तर पर एक कमीशन तथा 6 संभागीय मुख्यालयों पर जिला फोरम का गठन किया गया है। राज्य स्तर पर उपभोक्ता सुरक्षा परिषद का गठन भी किया गया है।

5.13 राज्य में वनों एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से रसोई गैस कनेक्शन भी दिए गये।

विद्युत्

6.1 विद्युत् आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण अंग है ।

6.2 राज्य में भाखड़ा, व्यास, चम्बल, सतपुडा अन्तर्राज्यीय परियोजनाएं अणु बिजलीघर, सिंगरोली थर्मल पावर, कोटा थर्मल पावर तथा माही हाइडल पावर परियोजनाएं, विद्युत् उपलब्धता के मुख्य स्रोत हैं । 210 मेगावाट का कोटा थर्मल प्रोजेक्ट जिसकी स्थापना दिसम्बर, 1988 को होनी थी समय से पूर्व ही 25-9-88 को स्थापित किया गया । माही विद्युत् गृह II की प्रथम इकाई ने 45 मेगावाट की क्षमता की यांत्रिक इकाई 31-1-89 को स्थापित की गई । इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय थर्मल विद्युत् आयोग द्वारा अन्ता विद्युत् गृह की 88.1 मेगावाट क्षमता वाली गैस पर आधारित प्रथम इकाई की स्थापना निश्चित अवधि से 7 माह पूर्व ही दिनांक 20-1-89 को की गई ।

6.3 विद्युत उत्पादन व उपभोग का गत तीन वर्ष का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है:–

(मिलियन यूनिट)

मद	वर्ष		
	1986-87	1987-88*	1988-89**
1	2	3	4
1. उत्पादन (शुद्ध)	5067.31	4982.70	4650.70
2. क्रय	2618.86	3134.02	3972.50
योग (1+2)	7686.17	8116.72	8623.20
3. उपभोग			
(अ) अन्य राज्यों/व्यवस्थाओं को देना	168.17	128.11	300.00
(ब) भाखडा व्यास मैनजमेंट बोर्ड में खपत के बनाये गए पूल में	290.48	258.82	..
(स) राजस्थान में उपभोक्ता			
(i) घरेलू	539.44	581.07	682.00
(ii) व्यवसायिक	282.15	303.87	345.00
(iii) औद्योगिक	2611.10	2705.28	2890.41
(v) कृषि	1580.04	1702.62	1922.00
(v) सार्वजनिक जल प्रदाय	264.85	285.32	341.00
(vi) सार्वजनिक प्रकाश	30.76	33.05	34.00
(vii) अन्य	174.18	160.89	250.00
योग (स)	5382.52	5772.10	6464.41

*प्रावधानिक **अनुमानित

6.4 वर्ष 1988-89 में विद्युत् की उपलब्धता गत वर्ष की तुलना में विद्युत् उत्पादन की क्षमता में वृद्धि के कारण तथा अच्छी वर्षा के कारण अधिक रही । विद्युत् उपलब्धता में सुधार होने के कारण औद्योगिक उपभोक्ताओं हेतु लगाई गई विद्युत् कटौती को जून, 88 में उठा लिया गया तथा कृषकों को 8 से 10 घंटे के ब्लाक में प्रतिदिन विद्युत उपलब्ध कराई गई ।

6.5 विद्युत की बढती हुई मांग को दृष्टि में रखते हुए 210 मेगावाट की कोटा थर्मल पावर प्रोजेक्ट की द्वितीय इकाई के निश्चित अवधि से 3–4 माह पूर्व मई-जून, 89 में स्थापित किए जाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं । इसके अतिरिक्त माही हाइडल पावर गृह द्वितीय इकाई जिसकी 45 मेगावाट क्षमता होगी, को जुलाई/अगस्त, 89 में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है ।

सड़कें

6.6 राजस्थान राज्य क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में द्वितीय स्थान पर है। राज्य की अच्छी आर्थिक स्थिति के लिए सड़कों का जाल बिछाना आवश्यक है। मार्च 88 तक 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सड़कों की लम्बाई 15.64 किलोमीटर थी जो बढ़कर मार्च 89 तक 16.11 कि. मी. हो जाने की संभावना है। वर्ष 1984-85 के वह अखिल भारतीय औसत जो 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 53.92 किलोमीटर से बहुत कम है।

6.7 राज्य में गत तीन वर्षों की सड़कों की लम्बाई नीचे दर्शाई गई है:—

(किलोमीटर में)

सड़कें	1986–87			1987–88			1988–89		
	पक्की	कच्ची	योग	पक्की	कच्ची	योग	पक्की	कच्ची	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. राष्ट्रीय मार्ग	2521	..	2521	2521	..	2521	2521	..	2521
2. राज्य मार्ग	7354	106	7460	7395	47	7442	7425	17	7442
3. मुख्य जिला सड़कें	3331	285	3616	3406	213	3619	3446	173	3619
4. अन्य जिला सड़कें	11628	3164	14792	12091	2829	14920	12708	2754	15462
5. ग्रामीण सड़कें	13455	7607	21062	15391	7391	22782	16804	7036	23840
6. सीमावर्ती सड़कें	2239	..	2239	2239	..	2239	2239	..	2239
योग	40528	11162	51690	43043	10480	53523	45123	9980	55123

6.8 राज्य के 1800 से अधिक व्यक्तियों की जनसंख्या वाले कुल 3300 ग्रामों में से 2829 ग्रामों की दिसम्बर, 88 तक सड़कों से जोड दिया गया है। इसी प्रकार 1000 से 1500 व्यक्तियों वाली जन संख्या के 2407 ग्रामों में से 1513 ग्रामों को दिसम्बर, 88 तक सड़कों से जोड दिया है।

मोटर वाहन

6.9 राज्य की यांत्रिक परिवहन सुविधाओं में पर्याप्त सुधार हुआ है। सड़कों पर वाहनों की संख्या जो की वर्ष 1985 में 5.54 लाख थी, सितम्बर 88 तक बढकर 7.92 लाख हो गई। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदान आटो/मोटर साइकिलों, स्कूटरों का है। परिवहन सुविधाओं के विकास हेतु 319 नए परमिट वर्ष 1988 में जारी किए गये। इसके अतिरिक्त 3050 किलोमीटर के 60 नए मार्ग चालू किए गये। 56 रूटों पर बसों की संख्या में वृद्धि की गई। निरीक्षण चौकियों की स्थापना की गई ताकि बसों में भीड-भाड व अनाधिकृत चालू की गई बसों को रोका जा सके।

राज्य में विभिन्न प्रकार के पंजीकृत वाहनों की प्रगति नीचे दी गई है:—

(संचयी संख्या)

मद	1985	1986	1987	1988 (सितम्बर 88 तक)
1	2	3	4	5
1. मोटर रिक्शा	58	68	71	84
2. आटो/मोटर साइकिल एवं स्कूटर	303300	361174	427348	480087
3. आटो रिक्शा	10123	11292	12744	13727
4. टैम्पो				
(1) सामान ढोने हेतु	268	277	283	335
(2) यात्री वाहन	1737	1841	1998	2227

1	2	3	4	5
5. कार एवं स्टेशन वैगन	32140	34555	38408	41679
6. जीप	24089	26169	28551	30451
7. ट्रेक्टर	80771	87356	96074	103654
8. ट्रेलर्स	27332	28771	30615	32194
9. टेक्सी	4812	5417	6161	6664
10. बस व मिनी बस	17504	18738	19639	20409
11. ट्रक एवं अन्य सामान वाहन	50262	51907	55232	57770
12. अन्य	1992	2167	2240	2351
कुल योग	554388	629727	719364	791632

6.10 राष्ट्रीयकृत मार्गों पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम 2974 वाहन चला रहा है। राष्ट्रीयकृत मार्गों की वृद्धि के बजाय निगम द्वारा वर्तमान मार्गों पर संचालन को सुदृणा करने का प्रस्ताव है।

7. विकास एवं वित्त

7.1 योजना आयोग ने वर्ष 1989-90 के लिए 795 करोड़ रुपये का उद्व्यय स्वीकृत किया है जबकि यह वर्ष 1988-89 में 710 करोड़ रुपये था। वर्ष 1989-90 में प्रस्तावित उद्व्यय गत वर्ष के उद्व्यय से करीब 12 प्रतिशत अधिक है।

7.2 राज्य योजना में विद्युत व सिंचाई मदों को प्राथमिकता दिया जाना निरन्तर है। वर्ष 1989-90 के उद्व्यय में 215.40 करोड़ रुपया विद्युत मद के लिये निर्धारित किया, इसके बाद सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण के लिये 159.90 करोड़ का उद्व्यय रखा गया है। इस प्रकार राज्य के कुल उद्व्यय में से 47 प्रतिशत इन मदों पर उपयोग होगा। जल वितरण के लिये 57.10 करोड़ रुपया रखा गया है। सामाजिक व सामुदायिक विकास अनुभाग मदों में पर्याप्त वृद्धि की गई है जिससे की गरीबी दूर करने व रोजगार बढ़ाने के कार्यक्रमों को सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

7.3 राज्य के योजना उद्व्यय के मदवार वितरण को निम्न तालिका में दर्शाया गया है :—

(करोड रुपये में)

मद	सातवीं योजना उद्व्यय	वर्ष 1987-88 उद्व्यय	1987-88 व्यय वास्तविक	1988-89 उद्व्यय (संभावित)	1988-89 व्यय (संभावित)	1989-90 उद्व्यय
1	2	3	4	5	6	7
1. कृषि एवं संबंधित सेवाएं	190.94 (6.37)	37.63 (5.84)	40.15 (6.22)	49.44 (6.97)	46.75 (6.58)	54.41 (6.84)
2. ग्रामीण विकास	145.57 (4.85)	33.21 (5.15)	30.61 (4.75)	34.70 (4.89)	48.78 (6.87)	41.09 (5.17)
3. सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण	681.07 (22.70)	144.70 (22.43)	135.13 (20.95)	152.40 (21.47)	144.62 (20.37)	159.90 (20.11)
4. विद्युत	927.48 (30.92)	215.80 (33.46)	206.77 (32.07)	208.71 (29.40)	193.35 (27.23)	215.40 (27.09)
5. उद्योग एवं खनिज	190.52 (6.35)	31.58 (4.90)	26.37 (4.08)	35.22 (4.97)	29.02 (4.09)	39.33 (4.95)
6. यातायात	153.28 (5.11)	25.25 (3.91)	20.51 (3.18)	30.75 (4.34)	48.14 (6.78)	36.00 (4.53)
7. वैज्ञानिक सेवाएं एवं अनुसंधान	8.40 (0.28)	0.76 (0.12)	0.55 (0.09)	0.76 (0.11)	0.66 (0.09)	0.78 (0.10)
8. आर्थिक सेवायें	7.31 (0.24)	1.14 (0.18)	2.18 (0.34)	3.55 (0.50)	3.31 (0.47)	3.96 (0.50)
9. सामाजिक एवं सामुदायिक सेवायें	674.71 (22.49)	142.90 (22.16)	127.20 (19.73)	181.38 (25.55)	180.57 (25.43)	225.74 (28.40)

1		2	3	4	5	6	7
10.	सामान्य सेवायें	20.72 (0.69)	3.39 (0.53)	2.89 (0.45)	4.15 (0.59)	3.33 (0.47)	5.22 (0.66)
11.	आठवें वित्त आयोग के अन्तर्गत उन्नयन अनुदान	..	7.69 (1.19)	6.79 (1.05)	7.69 (1.09)	10.22 (1.44)	7.41 (0.93)
12.	प्रशासनिक सुधार	..	0.25 (0.04)	0.04 (0.01)	0.25 (0.04)	0.05 (0.01)	0.30 (0.04)
13.	मेवात विकास बोर्ड	..	0.70 (0.01)	.. ..	0.75 (0.11)	0.95 (0.13)	1.15 (0.14)
14.	विशेष क्षेत्रीय प्रोग्राम	..	..	0.65 (0.10)	..	..	..
15.	अकाल सहायता कार्यों हेतु मेटिरियल कम्पोनेन्ट	..	..	45.00 (6.98)	0.25 (0.04)	..	..
16.	जिला योजना (अन-टाईड)	..	..	..	..	0.25 (0.04)	4.31 (0.54)
	योग	3000 (100.00)	645.00 (100.00)	644.84 (100.00)	710.00 (100.00)	710.00 (100.00)	795.00 (100.00)

स्वास्थ्य

7.4 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के अन्तर्गत देश के समस्त नागरिकों को सन् 2000 तक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान किया जाना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राज्य में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। राज्य में वर्तमान में 189 चिकित्सालयों, 710 औषद्यालयों, 598 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 116 मातृ व शिशु कल्याण केन्द्रों, 4792 उप केन्द्रों, 280 एड पोस्ट व मिनी स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में स्वदेशी चिकित्सा सुविधाओं के अन्तर्गत 3228 आयुर्वेदिक, यूनानी, होमियोपैथिक व प्राकृतिक चिकित्सालय व औषधालय कार्यरत हैं। राजकीय चिकित्सालयों में शय्याओं की संख्या 23311 (मार्च 1987) से बढकर मार्च 88 तक 23714 हो गई। ग्रामीण जनों को घर पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से शल्य चिकित्सा इकाई दूरस्थ क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन कर रहा है।

7.5 राज्य में वर्ष 1971-81 के दशक में जनसंख्या/वृद्धि सम्पूर्ण भारत की तुलना में अधिक (32.81 प्रतिशत) रही। जनसंख्या वृद्धि को रोकने की आवश्यकता को देखते हुये बढती हुई जनसंख्या को रोकने के लिये लोगों को वृहद स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षित करने व छोटे परिवार के उद्देश्य को समझाना आवश्यक होगा। इस कार्य के लिये राज्य में परिवार कल्याण ब्युरो, 27 जिला परिवार कल्याण केन्द्रों, 232 ग्रामीण परिवार कल्याण केन्द्रों, 598 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 158 शहरी परिवार कल्याण केन्द्रों, 125 पोस्ट मार्टम केन्द्रों व 355 एम.टी.पी.केन्द्रों द्वारा छोटे परिवार का संदेश लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

7.6 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा माताओं व बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य सेवायें, इम्युनाइजेशन व प्रोफिलेक्टीक न्युट्रिशन कार्य प्रदानकरती है। जनवरी 1989 तक 7.31 लाख डी.पी.टी, 7.4 लाख बी.सी.जी., 6.02 लाख खसरे के टीके और 7.01 लाख पोलियो के टीके लगाकर इन रोगों से मुक्त किया गया। 4.92 लाख माताओं व 4.05 लाख बच्चों को आयरन व फोलिक एसिड की गोलियां दी गई। नवम्बर, 88 तक 4.23 लाख बच्चों को विटामिन "ए" दिया गया। भारत सरकार ने राज्य में टेक्नोलोजी मिशन के अन्तर्गत इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

शिक्षा

7.7 गत 10 वर्षों से राज्य में शिक्षा प्रशासन को युक्तियुक्त बनाने के साथ साथ आधुनिक तकनीक का भी प्रयोग किया गया है। राज्य में वर्ष 1950 में शैक्षणिक दर 8.02 प्रतिशत से बढकर 1981 में 24.38 प्रतिशत हो गई है। पुरुषों में यह दर 36.30 है जबकि स्त्रियों में 11.42 प्रतिशत हैं। 6–11 आयु वर्ग व 11–14 आयु वर्ग के बच्चों में से क्रमशः 47.81 लाख विद्यार्थी व 14.32 लाख विद्यार्थी राज्य के 30810 प्राइमरी व 8955 अपर प्राइमरी स्कूलों में भर्ती किये गये। इसी प्रकार 14–17 आयु वर्ग में 6.81 लाख विद्यार्थी 2171 सैकण्डरी व 892 हायर सैकण्डरी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 1988-89 में 3000 प्राथमिक व 600 उच्च प्राथमिक स्कूल और जोड़े जावेंगे। इसके अतिरिक्त 671 हायर सैकण्डरी स्कूलों को सोनियर हायर सैकण्डरी स्कूलों में परिवर्तित किया गया तथा 24 हायर सैकण्डरी स्कूलों में वोकेशनल शिक्षा चालू की गई। शैक्षणिक स्तर ऊंचा उठाने के लिये 12187 प्राथमिक स्कूलों में आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना प्रारंभ की गई हैं। 6919 एकल शिक्षक संस्थाओं में एक अतिरिक्त शिक्षक नियुक्त किया जावेगा, 11310 अनौपचारिक शिक्षा के न्द्रों के माध्यम से 3.10 लाख व्यक्तियों को शिक्षित किया जा रहा है।

7.8 उच्च शिक्षा के सुदृढीकरण हेतु कोटा खुले विश्वविद्यालय में स्थापित क्षेत्रीय केन्द्रों की संख्या 2 से बढकर 4 कर दी गयी है। इसके अतिरिक्त 12 शिक्षा केन्द्र भी खोले गये हैं। जोधपुर विश्वविद्यालय में मास्टर ऑफ कम्प्यूटर ऐपलिकेशन पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है। महाविद्यालयों में 11 नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। 5 महाविद्यालयों में एम.फिल पाठ्यक्रम इस वर्ष से प्रारम्भ किये गये हैं।

7.9 15–25 आयु वर्ग के 4.45 लाख प्रौढ, 14602 प्रौढ शिक्षा केन्द्रों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जिनमें से 6259 महिला प्रौढ शिक्षा केन्द्र है।

7.10 वर्ष 1988-89 में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र का और अधिक विस्तार किया गया। इस वर्ष एक अभियांत्रिक महा विद्यालय को क्रमोन्नत एवं 6 नये पोलोटेक्निक्स प्रारम्भ किये गये हैं। सीमावर्ती बाडमेर जिले में कार्यरत पोलोटेक्नीक का भारत सरकार की सहायता से विस्तार किया जा रहा है।

जल प्रदाय

7.11 राज्य का अधिकांश भाग शुष्क, समशुष्क व पहाडी है। कई क्षेत्रों में भूजल खारा (ब्रेकिश) व फलोराइड युक्त है। 34968 गांवों में से 32530 गांव पीने योग्य पानी की समस्या से ग्रस्त चिहिन्त किये हैं। इन समस्याग्रस्त गांवों में से29986 गांवों में दिसम्बर 1988तक पीने के पानी की आपूर्ति की गई। पीने योग्य पानी की समस्या को दूर करने के लिए चालू वर्ष 1988–89 में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में क्रमशः53.11 करोड़ रुपये व 113.16 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया। अजमेर, जयपुर' किशनगढ ब्यावर व के कड़ी शहरों।कस्बो तथा इनके रास्ते में पडने वाले गांवों को पीने का पानी उपलब्ध करवाने के लिए टोंक जिले की बनास नदी पर बीसलपुर बांध का निर्माण कार्य प्रगति पर है। भारत सरकार ने भी पीने योग्यपानी उपलब्ध कराने के लिये 3 जिलों बाडमेर, चूरू व नागौर के लिए तकनीकी मिशन के अन्तर्गत धन राशि प्रदान की है। नारू रोग से प्रभावित 14जिलों के लिए भारत सरकार को एक कार्यकारी योजना भेजी गई है। इसके लिय 4.92 करोड़ रूपय को स्वीकृति प्राप्त हुई है।

ग्रामीण विकास

7.12 गरीबी दूर करने व रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिये राज्य के क्षेत्रिय विकास कार्यक्रम जैसे ग्रामीण विकास कार्यक्रम, मरु विकास कार्यक्रम, सूखा संभावित क्षेत्र कार्यक्रम, मेवात विकास कार्यक्रम आदि सम्मिलित है।

7.13 समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम मुख्यतः गरीबी दूर करने का कार्यक्रम है। 2 लाख परिवारों को लाभान्वित करने के लक्ष्य के विरूद्ध दिसम्बर 1988 तक 1.19 लाख परिवारों को लाभान्वित किया गया। ट्राइसम योजना के अन्तर्गत 8098 युवाओं को प्रशिक्षण दियागया और 5133 युवाओं को मजदूरी अथवा स्वरोजगार माह दिसम्बर 88 तक उपलब्ध कराया गया।

7.14 ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिये राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम व ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम क्रियान्वित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सामुदायिक आधारभूत ढांचे को सुदृढ कर उत्पादक व सार्वजनिक उपयोगी बनाना है वर्ष 1988-89 में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के अन्तगत 127.85 लाख मानव दिवस के रोजगार सृजन के लक्ष्य के विरुद्ध 191.61 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित किया गया। ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम के अन्तर्गत इस वर्ष 96.33 मानव दिवसों के रोजगार सृजन के विरुद्ध 120.75 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजन फरवरी 89 तक हुआ।

7.15 स्थानीय उपयोगिता के कार्यों के क्रियान्वयन जैसे भूसंरक्षण कार्य, वृक्षारोपण, पशुओं के लिए पीने योग्य पानी और लघु सिंचाई विकास कार्यक्रम के लिए क्रमशः 38 करोड़ रुपये एवं 5 करोड़ रुपये का प्रावधान मरू विकास कार्यक्रम व सूखा संभावित कार्यक्रम के अन्तर्गत रखा है। मेसिव कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 198-898 में दिसम्बर 88 तक 3.31 लाख लघु और सीमान्त कृषकों को लाभान्वित किया गया है।

7.16 ग्रामीण क्षेत्रों में उर्जा के वैकल्पिक रूप में बायो गैस संयंत्रों की स्थापना को लोकप्रिय बनाया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत बायो गैस संयंत्र लगाये जाने के लिये उपभोक्ताओं को अनुदान एवं बायो गैस टेक्नीशियनों/कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया है। आलोच्य वर्ष में बायो गैस विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 3000 बायो गैस संयंत्र लगाने के लक्ष्य के विरुद्ध फरवरी 89 तक 2466 बायो गैस संयंत्र लगाये गये।

गृह निर्माण

7.18 निम्न आय व मध्ययम आय वर्गों के व्यक्तियों को मकान उपलब्ध करवाने हेतु राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया गया है। मकान लेने के इच्छुक 1.50 लाख व्यक्तियों का मण्डल ने अब तक पंजीकरण किया जिसमें से मण्डल द्वारा 85,000 व्यक्तियों को मकान आवंटित किये है। आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के लोगों को मकान आवंटन में प्राथमिकता दी जाती है और पंजीकरण जमा में भी कुछ छूट प्रदान की जाती है वर्ष 1988-89 में एक नई समूह पंजीकरण योजना प्रारंभ की है। जिसके अंतर्गत व्यावसायिक व्यक्तियों को मकान उपलब्ध करवाने की व्यवस्था है। वर्ष 1989-90 में मण्डल द्वारा चालीस हजार मकान निर्माण करने का प्रस्ताव है।

20 सूत्री कार्यक्रम

7.19 बीस सूत्री कार्यक्रम को क्रियान्विति में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। वर्ष 1988-89 में गरीबी हटाओ कार्यक्रम के अन्तर्गत 1.19 लाख परिवारों को दिसम्बर 88 तक समन्वित ग्रामीण विकास योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम व ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम के अंतर्गत क्रमशः 191.61 लाख मानव दिवस व 120.75 लाख मानव दिवस का सृजन हुआ। 2155 लघु उद्योग इकाइयों का पंजीकरण किया गया है व 875 बंधक मजदूरों का पुनर्वास किया गया है। फरवरी 89 के अन्त तक 1753 ग्रामों में पीने योग्य जल की व्यवस्था की गई। चालू वर्ष में (फरवरी 89) तक 8.13 लाख बच्चों को रोग मुक्त किया गया एवं 76 हजार बंध्यकरण आपरेशन किये गये। आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत 11507 आँगन बाडी केन्द्र चल रहे हैं। इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत 2982 मकानों का निर्माण हुआ। गंदी बस्ती सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत 32215 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 1259 लाख वृक्ष लगाये गये। 175 उचित मूल्य की दुकानें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत खोली गयी। 1185 ग्रामों का विद्युतीकरण किया गया व 14494 पम्प सैटों को ऊर्जीकृत किया गया। 107786 उन्नत चूल्हे व 2466 बायोगैस संयंत्रों की स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों में की गई।

बैंकिंग

7.20 राज्य के आर्थिक विकास में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना से बैंकों के विकास में काफी तेजी आयी है। बैंक कार्यालय, उनमें जमा व ऋण की स्थिति निम्न तालिका में दर्शायी जा रही है।

(सितम्बर, 1988)

मद	कार्यालय संख्या	जमा (करोड़ रु.)	ऋण (करोड़ रु.)
I. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक			
1. राजस्थान	1007	151.88	145.91
2. भारत	13588	2573.08	2562.38
II. अन्य अनुसूचित व्यापारिक बैंक			
1. राजस्थान	1774	2329·28	1932.70
2. भारत	42073	128606.00	76839.26
III–योग			
1. राजस्थान	2781	3481.16	2078.61
2. भारत	55661	131179.08	79401.64

7.21 बैंक व्यक्ति अनुपात (1981 जनसंख्या पर) यह तथ्य प्रकट करता है कि सितम्बर 1988 में राजस्थान में 12338 व्यक्तियों के पीछे एक बैंक कार्यरत था जबकि भारतीय स्तर पर 12310 व्यक्तियों के पीछे एक बैंक था। इसी प्रकार एक बैंक के कार्य क्षेत्र में 123 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र राजस्थान में था जबकि राष्ट्र स्तर पर यह 59 वर्ग किलोमीटर था।

बचत

7.22 विभिन्न प्रतिभूतियों के अन्तर्गत लघु बचतों का संग्रहण निम्न तालिका में दर्शाया गया है :—

(लाख रु. में)

प्रतिभूतियां	1987-88		1988-89 (दिसम्बर 1988 तक)	
	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
1. राष्ट्रीय बचत पत्र				
द्वितीय निर्गम	36.40	22.46	..	..
षष्ठ निर्गम	8458.97	7084.14	2254.22	934.65
सप्तम निर्गम	274.93	84.83	115.56	(−) 14.55
2. डाकघर बचत खाता	8924.82	1606.73	7152.42	53.99
3. संचयी सावधि जमा	248.45	(−) 70.87	130.95	(−) 165.18
4. आवर्ती खाता	4097.53	1741.37	3845.34	1956.73
5. डाकघर सावधि जमा	1570.88	(−) 1817.59	1386.32	(−) 1220.99
6. सामाजिक सुरक्षा पत्र	0.76	0.76	0.22	0.22
7. लोक भविष्य निधि	383.56	375.76	122.62	121.48
8. इन्दिरा विकास पत्र	5629.65	5629.65	7829.48	7829.48
9. मासिक आय योजना	679.98	679.98	1210.22	1210.22
10. राष्ट्रीय बचत योजना	318.31	318.31	324.42	324.42
11. किसान विकास पत्र	..	..	3246.71	3246.71
योग :	30624.24	15655.53	27618.48	14277.18

7.23 इन्दिरा विकास पत्रों व मासिक आय योजना के अन्तर्गत विनियोग अधिक रहा। वर्ष 1988-89 में प्रारंभ किये गये किसान विकास पत्रों में विनियोग में अच्छी प्रतिक्रिया रही। किन्तु राष्ट्रीय बचत पत्रों, संचयी सावधि जमाओं व डाकघर सावधि जमाओं के अन्तर्गत गिरावट का रुख रहा।

ECONOMIC REVIEW 1988-89

1. THE ECONOMY :

1.1 The economic scenario of the State is showing sign of buoyancy. The economy of the State was put to a severe strain by successive droughts during the past 4 years. The drought during 1987-88 was particularly severe which resulted not only in decline in foodgrain production by 29.3 percent but the State income at constant prices also decreased by 5.56 percent. Agriculture continues to be the main stay of the economy with 70 percent of the state's population dependent on it. Fluctuations in agriculture production thus, affect the economy of the State.

1.2 During the monsoon of 1988, good rainfall brought long awaited respite to the population suffering from the rigours of successive droughts. This has resulted in a marked recovery in agriculture sector. Although the rainfall was by and large satisfactory, failure of rains during the first fortnight of September 88 have damaged the kharif crops in some districts. However, the foodgrain production is still expected to exceed 10 million tonnes which is more than double of 1987-88.

1.3 The industrial base of the economy has not only been strengthened but also diversified. This has also injected an element of resilience into the economy which is evidenced by the fact that the industrial sector could withstand the impact of successive droughts without any serious dislocation.

1.4 Inflationary trend of prices observed during 1987-88 continued during the first 7 months of the current calendar year i.e 1988. The wholesale price index of Rajasthan recorded an increase of over 16% upto July 1988 as compared to the preceding year. However, with satisfactory monsoon and effective extension efforts by the State Government, the prospects of agriculture production brightened and the inflationary pressures were not only contained but also brought down as the increase in the index during the period August-December 88 was only 6.06% of the over all wholesale price index for the year showing an increase of about 11.78% over the corresponding figure of the previous year. Labour Bureau, Government of India, Simla is preparing Consumer Price Index Numbers of 70 selected centres on base 1982=100. Jaipur and Ajmer are the two centres for which CPI

numbers of Industrial Workers are constructed in Rajasthan. Consumer Price Index Numbers of Jaipur and Ajmer Centres have also shown an increasing trend. Jaipur Centre recorded an increase of 11.43 percent during January-December 1988 over previous year. Corresponding increase for Ajmer Centre was 9.19 percent.

1.5 The growth of economy, as reflected through estimates of State Domestic Product shows impact in conformity with the trends in agricultural and industrial production alongwith the price behaviour. Estimated Net State Domestic Product for 1987-88 at constant (1970-71) prices registered a decline of 5.56 percent over previous year. Net State Domestic Product at current prices, however, increased by 8.84 percent during the corresponding period. The prospect for 1988-89 are bright as agricultural production is anticipated to increase significantly. The State Domestic product to which agriculture and allied sectors contribute nearly 50 percent is likely to touch a higher level.

2. STATE INCOME :

2.1 State Income is one of the parameters to measure the health of the State's economy. Estimates of the State Domestic product provide a broad view of the status of the economy and also structural shifts amongst its various constituents. The estimates of State Domestic Product have been prepared on the basis of the latest information available for its various sectors/components. The estimates presented here are based on 1970-71 base year as per existing series. Estimates for the year 1987-88 are provisional and subject to revision when final figures are available in due course of time. Estimates for 1988-89 are quick and absolutely tentative based on trend of economy in recent past and are to be read with caution.

NET STATE DOMESTIC PRODUCT 1987-88.

2.2 Net State Domestic Product at constant (1970-71) prices in estimated at Rs. 2383.23 crores in 1987-88 as against Rs. 2523.51 crores in 1986-87 registering a fall of 5.56 percent primarily due to a sharp decline from agricultural sector. The drought in 1987-88 has also affected the sustained growth in the performance in manufacturing (untregistered) and infrastructure sectors. Net State Domestic Product at current prices is estimated at Rs. 9502.19 crores in 1987-88 as against Rs. 8730.35 crores in 1986-87; registering an increase of 8.84 percent. According to tentative quick estimates the NSDP at constant and current prices during 88-89 is likely to be Rs. 2872.65 crores and Rs. 10902.98 crores respectively.

PER CAPITA INCOME :

2.3 The impact of successive droughts was felt on the per capita income as well. The per capita income at constant (1970-71) prices declined to Rs. 583 in 1987-88 from Rs. 634 in 1986-87 registering a decrease of 8.04 percent. On the basis of tentative quick estimates the per capita income for the year 1988-89 is likely to be Rs. 685. However, per capita income at current prices was Rs. 2326 in 1987-88 against Rs. 2193 in 1986-87, up by 6.06 percent. Quick estimates for 1988-89 however indicate that the per capita income at current prices is likely to be Rs. 2600.

SECTORAL PROFILE OF STAE DOMES TIC PRODUCT ;

2.4 The structural changes in the various constituents of the economy affect the growth of state income and per capita income. The sectoral profile of NSDP at constant (1970-71) prices indicates that the economy of the State is still agrarian in character. It is, thus, influenced by the climatic & weather conditions. In recent years economy has also shown signs of inherent strength by resilience in the face of weather stresses. A structural shift in the economy is observed over the years.

2.5 The contribution of primary sector to the Net State Domestic product has varied from 55% in 1984-85 to 54% by 1988-89. On the other hand the share of secondary and tertiary sector has increased from 14.2% and 30.7% respectively in 1984-85 to 14.8% and 31.1% respectively by 1988-89. The decline in the share of primary sector is; thus, counter balanced by increase in the share of secondary and tertiary sectors.

2.6. The table below presents the composition of net state domestic product by broad sectors of the economy from 1984-85 onward at constant (1970-71) prices.

(Rs. in lac)

Year	Primary	Agriculture including Animal Husbandary	Secondary	Tertiary	Total
1984-85	132916	127492	34262	74074	241252
	(55.09)	(52.85)	(14.20)	(30.71)	(100.00)
1985-86	128133	122723	35910	77686	241729
	(53.00)	(50.77)	(14.86)	(32.14)	(100.00)
1986-87	129147	123280	41456	81748	252351
	(51.18)	(48.85)	(16.43)	(32.39)	(100.00)
1987-88	114896	108858	39509	83918	238323
(P)	(48.21)	(45.68)	(1658)	(35.21)	(100.00)
1988-89	155515	149066	42502	89248	287265
(Q)	(54.14)	(51.89)	(14.79)	(31.07)	(100.00)

Figures in brackets indicate percentage to the total.
P—Provisional Q—Quick Estimates.

AGRICULTURE :

3.1 Satisfactory rainfall over most parts of the State after several year of poor monsoon has given a fresh lease of life to the farming community of the State. As a consequence, the foodgrain production, which had slipped to 4.8 million tonnes during 1987-88 is likely to reach a level of 10.07 million tonnes during the current year. This is despite the damage to crops in many districts due to prolonged dry spell during the first fortnight of September, 1988. Seen in this background, the agricultural sector has indeed made an impressive recovery. The contribution of agricultural allied sectors is likely to be around 51.9%. The State has already become a major producer of oil seeds, particularly mustard, in the country. The production of oil seed in the State has shown an increasing trend even in drought years.

3.2 The area and production of major crops for the last four years is given in the following table:—

Crops	Area (Lac Hectares)				Production (Lac Tonnes)			
	1985-86 Revised	1986-87 Revised	1987-88 Final	1988-89 (Likely Ach.)	1985-86 Revised	1986-87 Revised	1987-88 Final	1988-89 (Likely Ach.)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Cereals								
Kharif	68.91	74.46	54.66	71.35	18.70	20.32	10.54	37.03
Rabi	21.01	21.26	17.71	20.75	44.93	38.13	32.78	45.18
Pulses								
Kharif	19.04	17.68	10.97	19.48	0.99	0.88	0.43	4.57
Rabi	19.87	14.39	6.99	17.06	16.68	8.58	4.29	13.97
Total Foodgrains	128.83	127.79	90.33	128.64	81.30	67.91	48.04	100.75
Oil Seeds	19.38	14.99	19.44	22.20	9.12	8.83	12.30	15.77
Kharif	8.18	6.00	5.25	8.10	2.11	1.78	1.80	3.94
Rabi	11.20	8.99	14.19	14.10	7.01	7.05	10.50	11.83
Sugar Cane	0.26	0.29	0.27	0.25	10.10	12.91	10.19	10.29
Cotton*	3.33	3.65	3.44	3.49	4.74	6.99	2.18	5.47

* Production in Lac bales.

3.3 It transpires from the above data that because of the prevalent drought conditions during 1986-87 and 1987-88, the production of Kharif and Rabi foodgrains declined as compared to 1985-86. During the year 1988-89 the prospects of production of Kharif and Rabi foodgrains are bright because of good rainfall. The production of total foodgrains is expected to be 10.07 million tonnes.

3.4 The production of kharif oilseeds was less in 1986-87 and 1987-88 as compared to the year 1985-86. The total production of oil seeds (Kharif and Rabi) registered an increase during 1987-88 despite deficient rainfall but was slightly less in 1986-87 as compared to 1985-86. The increase in the production of oil seeds may be mainly attributed to the shifting of cultivated area from foodgrain crops to oil seed crops.

3.5 The production of sugarcane kept on fluctuating between 10 lac tonnes to 13 lac tonnes in the years 1985-86 to 1987-88, and is expected to be 10.29 lac tonnes in the year 1988-89. The production of cotton increased to 6.99 lac bales in 1986-87 from 4.74 lac bales in 1985-86. It declined to 2.18 lac bales in 1987-88 beacause of the non availability of water in time from IGNP. The production of cotton is expected to be 5.47 lac bales in 1988-89.

3.6. The levels of achievement in agriculture can be reviewed through the indices of area and production (base year 1979-80 to 1981-82 = 100) given below:—

Year	Area	Index of Production
1979-80	95.00	80.16
1980-81	98.96	100.12
1981-82	106.04	119.69
1982-83	104.13	133.18
1983-84	108.89	163.36
1984-85	99.96	143.03
1985-86	107.20	137.96
1986-87	104.28	117.34
1987-88	78.46	93.57
1988-89 (estimated)	110.96	164.03

3.7 The achievements under various programmes of agricultural developments are given in the following table :

Head	Unit	1987-88	1988-89	
			Targets	Anticipated Ach.
Kharif Crops				
1. Area under HYV	Lac Hect.	10.73	22.00	16.81
2. Distribution of HYV Seeds.	'000 Qtls.	39.1	77.28	58.00
3. Distribution of other improved seeds.	,,	21.4	32.87	18.63
4. Distribution of Fertilizers	Lac Tonnes.	70.5	90.0	100.98
5. Distribution of Rhyzobium	Lac Nos.	1.76	2.30	5.47
6. Plant Protection.	Lac Hect.	24.0	35.0	30.58
Rabi Crops				
1. Area under Mexican Wheat.	Lac Hect.	9.75	15.40	13.50
2. Distribution of Mexican Wheat Seed.	Lac Qtls.	0.53	1.45	0.83
3. Other certified seeds.	"	0.18	0.24	0.24
4. Distribution of Fertilizers.	'000 Tonnes.	144.03	200.00	200.00
5. Distribution of Rhyzobium culture packets.	Lac Nos.	0.43	1.50	1.50
6. Plant Protection measures.	Lac Hect.	24.0	33.0	27.0

Action was taken to see that short term credit from Cooperative and Commercial banks was made available timely.

IRRIGATION :

3.8 Water is the most critical input not only for meeting the growing food requirement of the masses but also for their economic development. Since the State is already deficient in water resources, harnessing of water resources both inside and outside the State has been receiving a very high priority in our developmental efforts. The area under irrigation stood at 4351 thousand hec. by 1986-87.

3.9 Irrigation potential of 19.96 lac hects. was created under major and medium irrigation projects in the State by the end of Sixth Five Year Plan. Due priority of increasing irrigation facilities in the Seventh Plan has been given. Irrigation potential of 130 thousand hects. has been created in first three years of Seventh Plan.

3.10 The total and net irrigated area for the last five years is given in the following table:—

(In '000 hects.)

Head	1982-83	1983-84	1984-85	1985-86	1986-87
1. Net Area Irrigated	3218	3276	3204	3110	3421
2. Gross Irrigated Area by sources.					
(i) Canal	1385	1497	1359	1511	1635
(ii) Tanks	179	241	139	98	141
(iii) Tube-wells	176	145	215	180	286
(iv) Wells	2093	2090	2079	2052	2248
(v) Others.	55	41	38	22	41
TOTAL	4088	4014	3830	3863	4351

ANIMAL HUSBANDRY :

3.11 Animal husbandry is the predominent occupation of the peasants of the State specially in western districts. In addition to its valuable contribution to the State Domestic Product Animal Husbandry offers considerable potential for employment.

3.12 A number of development activities have been undertaken in this sector to boost up the rural economy. These include breed improvement, fodder development and providing veterinary care through 1088 veterinary hospitals dispensaries and 6 poly clinics. During the year 1988-89 (till December; 1988); 38.14 lac animals were treated 25.11 lac animals were provided with medicines; 4.13 lac animals were castrated in the veterinary institutions and 35.68 lac animals inoculated. The bio-production laboratory has manufactured 113.05 lac doses of vaccine during 1988-89 (upto December, 1988). Under the key village scheme 475 centres are functioning for artificial insemination of cattle with frozen semen technology.

DAIRY :

3.13 Rajasthan Cooperative Dairy Federation is executing dairy development programme on cooperative basis in collaboration with National Dairy Development Board. The number of dairy plants and chilling centres functioning in the State was 10 and 24 respectively at the end of January, 1989. The average capacity of plants was 9 lac litres per day and chilling capacity was 4.10 lac litres per day.

3.14 During 1983-89, 186 new milk producers societies were organised thereby increasing their number to 4312; by Jan., 1989, 27092 milk producers were enrolled as members of Dairy Cooperative Societies upto Jan., 1989 making the total membership of 314639. The average milk collection during this period was 2.36 lac litres. Cattle Feed distributed through societies was 75448 tonnes and 65568 animals were artificially inseminated during the same period.

3.15 Four cattle Feed Plants are running under Dairy Federation. During 1988-89, 38593 M. T. of cattle feed was produced and 47114 M. T. was distributed upto Jan. 1989 by these plants. Cattle feed was also purchased from Nafed, Hafed, etc. to meet the requirement.

FISHERIES :

3.16 Only 3 lac hectares of water areas is available in the State for inland fisheries. Looking to this limited resources the efforts are being made to develop the ponds, production of the improved varieties of fish seeds, stocking of fish and controlling the fishing on un-scientific lines. For producing healthy fish seeds, 139 dry bunds and fish farms continued to function during 1988-89.

3.17 Construction work on two National Fish seed production Centres Kasimpura (Kota), Bhimpura (Banswara), remained in progress. On completion, ten million fry fish seeds will be produced in each of these centres.

3.18 Due to continuous droughts, production of fish in the State could reach 7313 M. T. during 1987-88. During 1988-89 a target to produce 16,000 M.T. fish has been kept which is likely to be achieved. During the year 1987-88, 28.60 million fry fish seed was produced by theunemployed persons. By March, 1988, 1882 target of producing 60 million fish seed was fixed and the same has been achieved.

3.19 State Fisheries Development Corporation is imparting training to the unemployed persons. By March 1988, 1882 persons have been trained and 1455 hectare of water area has been allotted to them. The group insurance scheme to

help the Fishermen from accident during fishing launched by the Central Government has also been introduced in our State. Under this scheme a nominal premium of Rs. 9/- is taken from each fisherman. In case of accident he is paid Rs. 7500 and in case of death in accident Rs. 15000 is paid.

SHEEP & WOOL :

3.20 Sheep rearing is of special importance in the Rajasthan's Economy. For the socially and economically weaker persons of Western & North Eastern parts of the State, sheep rearing is the main source of their livelihood. The sheep population in the State is about 33 per cent of the total livestock population. During the year under review 71456 sheep were brought under cross breeding programme and 12814 lambs were produced. 69.14 lac sheep were dosed against worms, 23 lac sheeps were inoculated, 42 lac lambs were dressed for protection against external parasites during 1988-89 (upto November, 1988). To improve breeds, 3.68 lac lambs and sheep were castrated and 6.41 lac sheep were provided with first aid during the same period. During the year 1988-89, 6 mobile dispensaries, 5 sheep and wool extension centres and 3 artificial insemination centres were set up.

FORESTS :

3.21 Forests have a vital role in the preservation of environment, Conservation of existing natural forests for the protection of environment and enlargement of resource base, to meet the energy, small timber and fodder requirement is very vital for the economy. Only 9 per cent of the area of the State is classified as forest. Out of which only one third area is having good forest cover.

3.22 Number of schemes and programmes have been undertaken to boosten efforts of afforestation. Against the target of planting 13 crores trees, 12.59 crores trees were planted through departmental & community efforts.

3.23 Small pieces of land are being developed in the community lands of villages for silvi-pastoral plantation, fuel and small timber plantations to achieve self sufficiency in the needs of fuel, timber and fodder. Plantation of fodder and fuel wood trees in ten thousand hectares of land was done in the Indira Gandh Canal area. Under the schemes of Ravine reclamation and National Social Forestry Project afforestation was done in an area of 4500 and 10523 hectares respectively. 2730 nurseries of forest department are functioning out of which 1313 nurseries are departmental and 1413 are run by farmers and schools.

4. INDUSTRY & MINING :

4.1 Industry and mining occupy an important significance in the development of State's economy. Almost 18.97 percent of the State Domestic Product is received from the industry and mining sector. Industrial production particularly in small scale and tiny sector has adversely been affected by drought conditions in the last four years. During the year 1987-88, whereas manufacturing in registered sector has recorded an increase in SDP of about 1.29% in its contribution to SDP. There has been a steep fall in contribution from manufacturing non-registered sector. Mining sector has however registered an increase of 6.67% over the previous year.

4.2 The State has all along been persuing the policy of developing small scale industries as a means to expanding the employment opportunities. Number of small scale industrial units and tiny units registered by the Industries Deptt. upto December 88 was 141890, with an investment of Rs. 668.14 crores and providing employment to 5.25 lac persons. To accelerate the pace of industrialisation District industries centres are functioning in the State.

4.3 A target of setting up of 4 district growth centres in the year 1989-90 has been kept by Government of India in the State. Rs. 30 crores are likely to be invested in each of these centres from different sources. Institutions like Rajasthan State Industrial Development and Investment Corporation (RIICO), Rajasthan Small Industries Corporation (RAJSICO), Rajasthan Handloom Development Corporation (RHDC), Rajasthan Financial Corporation (RFC) are engaged in the development of industries in the State in addition to the State Directorate of Industries. Their activities have further been geared up.

4.4 RIICO has developed 17708 plots, out of which 13612 plots have been allotted by December 1988. Against a target of allotment of 500 plots during 1988-89, it has allotted 505 plots upto December, 1988. To encourage gem cutting and polishing industry, a 'Gem Stone Industrial Park' is being developed at Sanganer which will provide employment to 15000 persons and expected to generate exports worth Rs. 60 crores.

4.5 Under the scheme of financial assistance to industrial units, procedure of appraisal has been streamlined and equity participation and term loan assistance of Rs. 1795.23 lac has been sanctioned till December 1988, against

which Rs. 948.40 lac have been disbursed. Interest free loan, rebate in sales tax seed capital and central/State subsidy of Rs. 149.18 lac have also been disbursed against the sanction of Rs. 218.49 lac.

4.6 Rajasthan Financial Corporation plays an important role in financing industries. Corporation provides loan assistance upto Rs. 60 lac to small and medium industries. During the year 1988-89 by January 1989, Corporation has sanctioned loans of the order of Rs. 71.03 crores to 3465 industrial units out of which Rs. 53.58 crores have been disbursed. RFC has made sustained efforts for adequatae recovery of loans. Rs. 39.41 crores have been recovered till January 89. Under Shilpbari Scheme, 88 Shilpbaries were set up and loans amounting to Rs. 3.74 croreswere sanctioned till Jan. 1989. Loans amounting Rs. 2.84 crores were sanctioned to 743 entrepreneurs belonging to Scheduled Castes and Scheduled tribes.

4.7 Rajasthan Small Industries Corporation continued to provide assistance to small scale industrial units and craftsmen of the State. Supply of raw materials, production and marketing of products of small scale industries and Rajasthani Handicrafts are major activities of the corporation. The Corporation provides essential raw materials to small scale industries through its network of depots in different districts. The quantity distributed is given below :

(M. Ton)

	Raw Material	1987-88	1988-89
1.	Iron and Steel	6112	6111
2.	Palm Fatty Acid	3082	1658
3.	Coal/Coke	47039	27201
4.	Polymar Products (ICPL)	366	490

4.8 RAJSICO through its Emporiums is promoting effectively sales and marketing of Rajasthani Handicrafts. A new emporium was opened this year at Calcutta. Handicrafts emporiums sold goods worth Rs. 2.35 crores during 88-89 till Jan. 89.

4.9 Corporation imparted training to 9000 persons in carpet weaving out of which 40 percent persons were Scheduled Caste and Scheduled Tribes.

4.10 RAJSICO has opened Handi craft promotion and procurement centres at Bikaner, Kota, Barmer & Udaipur for having close liaison with the craftmen. In the Air Cargo Complex at Sanganer, the turnover was Rs. 79 crores (till December 1988).

4.11 Rajasthan State Handloom Development Corporation is promoting handloom industry in the non-cooperative sector in the State. The corporation has set up a process house at Vishwakarma Industrial Area at the cost of Rs. 2.20 crores. Under the various programmes of the corporation 1836 families were benefitted under 20 point programme and 1638 families under special component plan upto Jan. 1989. Four common facility centres for imparting training to 80 weavers in woolen handloom clothes are being set up in this year. Corporation has opened training centres of handloom weaving for unemployed tribal youths at Banswara, Dungarpur & Udaipur districts with the help of Tribal Area Development Department with intake of 25 youths at each centre. The corporation is implementing the Woolen Handloom Development Project since April 1988.

4.12 Production of cotton and woollen khadi which was worth Rs. 21.75 crores in 1987-88 is likely to increase to Rs. 25.50 crores in the year 1988-89. Production under village industries was of the order of Rs. 116.49 crores in 1987-88, which is expected to rise to Rs. 120.00 crores in current year. Employment level is expected to reach the level of 2.60 lac persons.

4.13 Over the years, there has been a rapid increase in the number of factories registered under the Indian Factories Act 1948 with the Chief Inspector of Factories and Boilers, Rajasthan as is evident from the following table :

Number of Registered Factories and corresponding employment.

(In cummulative numbers)

Year	Number of registered factories	Registered employment
1981	6608	1.66
1982	6860	1.73
1983	7281	1.87
1984	7656	1.97
1985	8233	2.02
1986	9150	2.14
1987	9665	2.25
1988	10,512 (P)	2.36 (P)

P = Provisional

4.14 Comparative Position of levels of production of selected Industries during 1987 and 1988 are presented below.

Industrial Production of some selected items.
(A Comparative Study)

S. No.	Item	Unit	Production		Percentage change in 1988 over 1987
			1988 (provisional)	1987 (Revised)	
1.	Sugar	M.T.	5456.70	23202.8	-76.48
2.	Spirit all type	000'lt.	12872.25	14443.96	-10.88
3.	Vegetable Ghee	M.T.	64668.30	51508.02	25.55
4.	Salt	M.T.	1038074	833090	24.60
5.	Urea	000MT	298.18	261.95	13.83
6.	Super phosphate	-do-	109.55	89.06	23.00
7.	Cement	-do-	4031.24	3898.29	3.41
8.	Mica insulating bricks	000 Nos.	1720.75	2022.18	-14.90
9.	Zinc ingots	000 MT	35.56	33.75	5.37
10.	Cadmium Finished Products	M.T.	141.35	117.57	20.23
11.	Railway Wagons	No.	1108	826	34.14
12.	Ball Bearings	Lac No.	138.71	123.06	12.72
13.	Water Meters	No.	42787	61928	-30.90
14.	Radiators	No.	3963	2614	51.60
15.	Polished & repolished stone	000 Sq. Meters	368.12	346.40	6.27
16.	Electric Meters	No.	868187	829424	4.67
Synthetic Fibre					
17.	Nylon Yarn	MT	4947.95	5198.75	6.62
18.	Polyester Yarn	MT	18217.91	14366.03	26.81
Chemicals					
19.	Caustic Soda	MT	30832	25757	19.70
20.	Calcium Carbide	-do-	30839	23445	31.54
21.	P.V.C. Resin	-do-	23482	17575	33.61
22.	P.V.C. compound	-do-	6710	6489	3.40
23.	Sulphuric Acid	-do-	155669	123818	25.72
24.	T.V. Sets	No.	3865	3753	2.98
25.	Copper Cathodes	MT	26999	19959	35.27
Cotton Textiles.					
26.	Cotton Cloth	Lac. Meters	332.51	374.36	-11.18
27.	Cotton Yarn	000 Meters	48.58	53.23	-8.74

4.15 The above table indicates a mixed trend in production during 1988. As many as 20 items have recorded increase in production whereas the production of remaining 7 items has fallen during 1988 as compared to 1987. Variations in production is given in the following table :

Percentage variation in production in 1988 over 1987.		Items.
1.1	Increase upto 10 percent.	Cement, Zinc-ingots, Electric meters, PVC compound, T.V. sets, Polished & re-polished stone.
1.2	Increase of 10 to 20 percent.	Urea, Ball Bearings, Caustic Soda.
1.3	Increase of 20 to 50 percent.	Vegetable Ghee, Super phosphate, Cadmium finished products, Railway Wagons, Polyster Yarn, Calcium Carbide, PVC Resin, Sulphuric Acid, Copper Cathodes, Salt.
1.4	Increase of 50 to 100 percent.	Radiators.
2.1	Decrease upto 10 percent.	Nylon Yarn, Cotton Yarn.
2.2	Decrease of 10 to 20 percent.	Spirit (all type), Mica Insulating bricks, Cotton Cloth.
2.3	Decrease of more than 20 percent.	Sugar, Water Meters.

4.16 State has rich mineral resources. Efforts are being made to exploit these resources. There has been an increase in production, sale value and average daily employment, during 1988 over the position obtaining in the preceding year.

4.17 Table below presents a comparative picture of trends in mineral production, their sale value and average number of persons employed per day,

during 1987 and 1988.

Minerals	Production (000 Tonnes)		Sale Value (in 000 Rs.)		Average No. of persons employed per day	
	1987	1988(P)	1987	1988(P)	1987	1988(P)
I. Metallic Minerals						
1. Copper ore	1694	1800	399751	500000	4101	5000
2. Iron ore	55	65	2253	2410	198	212
3. Led concentrate	36	36	200462	223600		
4. Zinc concentrate	99	109	505344	535120	4387	4417
5. Silver (Kg.)	18672	18390	79113	99000		
6. Tungsten (Tonnes)	31	32	4124	4225	305	307
II. Non-Metallic Minerals						
1. Dolomite	4	4	142	150	27	30
2. Felspar	26	25	1316	1300	669	660
3. Flourite	5	4	10385	10300	513	510
4. Garnet (Abrasive)	376	900	62	NA	90	80
5. Garnet precious & Semi-precious (Kg.)	2188	4170	85	NA	NA	NA
6. Gypsum	1565	1605	71977	72052	1210	1270
7. Lime Stone (CG)	6046	6410	199620	199700	2051	2170
8. Mica	475	600	3731	5000	430	500
9. Rock Phosphate	461	450	206904	206200	1228	1220
10. Silica Sand	192	200	9578	9900	1061	1080
11. Soap Stone	295	315	35734	38700	5752	6000
12. Asbestos	26	30	1492	1600	1974	1980
13. Baryts	6	7	1303	1402	181	190
III. Minor Minerals						
1. Sand Stone	3815	3864	275626	277020	67352	67360
2. Masonery Stone	9420	9610	95985	96300	61181	61200
3. Lime Stone (Dimensional)	977	1120	292736	310270	21940	21990
4. Lime Stone	2400	2630	218727	220120	7255	7285
5. Marble	576	620	95149	100175	42072	42175

P. Provisional.

4.18. Rajasthan State Mineral Development Corporation continued to promote mineral based industrial projects in the State. The turnover of RSMDC during 1988-89 will be of the order of Rs. 23 crores against Rs. 15 crores in 1987-88.

4.19. Industrial Relations.

Industrial relations in the State have generally been peaceful. In 1988-89 (till December 1988), number of strikes and lockouts was 66 against 81 in 1987. The number of workers affected had however was considerably low. Similarly the loss of mandays was also low. The position of Strikes, Lockouts and trade Unions is presented in the following table:—

(In numbers)

Item	1987	1988 (till Dec. 88)
Trade Unions		
(i) Trade Unions (Registered)	318	328
(ii) Membership	37029	27468
Strikes		
(i) Number of strikes	70	51
(ii) Workers affected	43813	11466
(iii) Mandays lost	691573	433892
Lockouts		
(i) Number of lockouts	11	15
(ii) Workers affected	1161	1466
(iii) Mandays lost	205662	50964

4.20 Joint Stock Companies.

Expansion of corporate sector is one of the indicators of growth of industrial and economic activity in the State. During the year 1988-89 there has been addition in the number of public and private limited companies alongwith their

paid up capital as discernible from the following table:—

Item	1987-88	1988-89 (Till Dec. 88)
Public Limited Companies		
(i) Number	459	475
(ii) Paid up capital (in crore Rs.)	203.46	205.81
Private Limited Companies		
(i) Number	2697	3270
(ii) Paid up capital (in crore Rs.)	28.13	29.80
Total		
(i) Number	3356	3745
(ii) Paid up capital (in crore Rs.)	231.59	235.61

Employment :

4.21. Alleviation of poverty and improving the standard of living of the people has been the guiding dictum in formulation of development strategy in the State. Paucity of annual information on employment makes it difficult to indicate the levels of employment in the economy. But pattern and position of employment is discernible from a variety of data. Average daily employment in registered factories was 2.36 lac in 1988 as against 2.25 lac in previous year. In small scale industries registered with the Industries Department average daily employment stood at 5.09 lac persons as on 31st March 1988 which went up to 5.25 lac persons at the end of December 1988.

4.22. Integrated Rural Development Programme (IRDP) National Rural Employment Programme (NREP) and Rural Landless Employment Guarantee Programme (RLEGP) are being implemented in the state to mitigate the sufferings of people in rural areas. A target of benefitting 2 lac families has been kept for the current year including 0.30 lakh old beneficiaries. Under NREP and RLEGP against the target of creation of employment potential of 127.85 and 99.33 lac mandays, employment of 191.61 and 120.75 lac mandays respectively were generated upto February 1989.

4.23 Number of persons engaged in manufacture of Khadi is likely to increase to 1.79 lac in 1988-89, Similarly the number of persons working in the village industries was 2.38 lac in 1987-88 which is expected to rise to 2.60 lac by the end of the current year.

4.24 In the mineral sector average daily employment was provided to 2.45 lac persons, during 1988.

4.25 Another pointer to watch the level of employment in the organised sector is Employment Market Information collected by Directorate of Employment. A profile of Comparative figures for employment in Public and Private Sector in the State and all India level are given below :

(In Lac No.)

Year	Rajasthan			All India		
	Public sector*	Private sector	Total	Public sector*	Private sector	Total
1	2	3	4	5	6	7
1984	7.66	1.90	9.56	168.69	73.45	242.14
1985	7.90	1.93	9.83	172.09	73.09	245.78
1986	8.30	1.97	10.27	176.78	73.57	250.35
1987	8.54	1.96	10.50	179.87	73.62	253.49

Source : Directorate of Employment.

* Public Sector employment includes Central and State Govts., Central and State Ouasi Govt. and local bodies.

5. PRICE :

5.1 Price behaviour during 1988 continued to show a rising trend as reflected through the index numbers of wholesale and consumer prices. Similar trend was also observed at the all India level. The rate of inflation recorded in wholesale price index numbers in 1988 over 1987 was higher in Rajasthan as compared to the all India figure. The consumer price index of Jaipur Centre registered an increase of 11.43 percent during 1988 over previous year but in case of Ajmer Centre increase was 9.19 percent. CPI of Jaipur Centre was also higher than the all India average but it was slightly lower at Ajmer Centre.

5.2 **Wholesale Prices:**—The annual average general wholesale price index number for Rajasthan for 1988 stood at 1054.0 as compared to 942.9 (1952-53 base) in the preceding year, registering an increase of 11.78 percent. The Corresponding change in All India index was only 8.42 percent (1970-71 base).

5.3 During the year 1988, the wholesale price index number showed an increasing trend upto July 88 except in the month of February 88. The percentage increase over previous year in this period was 16.50. The index went down in August 88 but increased again in September and reached its peak in October 88 when it became 1125.0 and again declined in November and December 88. The percentage change in the Index in the period July-December 88 as compared to last year was 6.06. It may, however be mentioned that in the current year the percentage change in the quarter October-December as compared to the quarter July-September was only 1.11.

5.4 The detailed groupwise indices are given in following table:—

Wholesale Price Index Numbers (base 1952-53=100) Rajasthan

Major groups	Annual Average Indices					% Variations over preceding year.			
	1984	1985	1986	1987	1988	1985	1986	1987	1988
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. Food Articles	710.9	792.7	805.4	897.7	1035.9	+11.51	+1.60	+11.46	+15.39
2. Industrial Raw Materials	654.6	615.0	629.8	818.20	827.9	-6.05	+2.41	+29.91	+1.19

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
3. Fuel, Power, Light & Lubricants Group.	1519.5	1622.0	1680.4	1715.10	1801.2	+6.75	+3.60	+2.06	+5.02
4. Manufactures group	891.6	921.8	965.1	1044.50	1082.5	+3.39	+4.70	+8.23	+3.64
Genral Index	763.2	828.9	848.2	942.9	1054.0	+8.61	+2.33	+11.16	+11.78

5.5 The above table shows that the increase in the WPI during 1988 was influenced by the food articles group i. e. 15.39 percent.

CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS :

5.6 Variations in retail prices during 1988 as compared to 1987 have also followed almost the same trend as of wholesale prices. Annual average consumer price index numbers for indust rial workers in Jaipur Centre increased by 11.43 percent during 1988 over 1987. The corresponding figures for Ajmer centre was 9.19 percent. The correspon ding change at all India level was 9.46 percent.

5.7 Consumer Price Index of both the centres viz. Jaipur and Ajmer showed a rising trend from the month of January to September during the year 1987 and 1988. Percentage rise during this period was 12.63 percent and 9.97 percent respectively at Jaipur and Ajmer Centres, which was lower than the percentage rise of 14.51 and 13.92 percent respectively during the year 1987. However during the period of October to December, index numbers of both the centres registered a decline.

5.8 Detailed groupwise consu mer price index numbers for Jaipur and Ajmer Centres are given in the following table :

Consumer Price Index Numbers for Industrial Workers (Base 1960=100)

Groups	Jaipur							Ajmer				Percentage change over previous year		
	Annual Index Average				Percentange change over previous year			Annual Average Index						
	1985	1986	1987	1988	1986 over 1985	1987 over 1986	1988 over 1987	1985	1986	1987	1988	1986 over 1985	1987 over 1986	1988 over 1987
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1. Food	672	700	766	*	+4.17	+9.43	*	631	687	772	*	+8.87	+12.37	*
2. Pan Supari and Intoxicants	759	827	911	*	+8.96	+10.16	*	936	985	1066	*	+5.24	+8.22	*
3. Fuel Power & Light	751	753	764	*	+ 0.27	+1.46	*	721	761	818	*	+5.55	+7.49	*
4. Housing	312	340	563	*	+8.97	+65.59	*	410	460	517	*	+12.20	+12.39	*
5. Clothing, Bedding & Footwear	738	776	840	*	+5.15	+8.25	*	631	671	701	*	+6.34	+4.47	*
6. Miscellaneous	467	506	547	*	+8.35	+8.10	*	504	554	638	*	+9.92	+15.16	*
7. General	634	665	735	819	+4.89	+10.53	+11.43	614	665	740	808	+8.31	+11.28	+9.19
8. All India(General)	608	661	719	787	+ 8.72	+8.77	+9.46							

Base year changed to 1982=100 with effect from the index for the month of October 1988 onwards. Therefore comparable groupwise indices for 1988 (annual average) not available. The general index Nos. for October, November & December 1988 on base 1960=100 have been workedout with the help of linking factor provided by the Labour Bureau, Govt. of India, Simla.

Public Distribution System:

5.9. Essential commodities like wheat rice sugar, imported edible oils, kerosene, controlled cloth are distributed through a network of fair price shops under public distribution system to the comsumers, particularly to the vulnerable sections of the population at fixed prices. 3590 fair price shops in urban areas and 10429 fair price shops in rural areas are functioning.

5.10 Till December 88, of the current year, State has been allotted 7.40 lac M. T. of wheat, 2180 large packs and 8000 small packs of edible oil, 1,57,725 M.T. of levy sugar and 2,28,200 K. L. of kerosene from Govt. of India.

5.11 Vigilance committees for each fair price shops are being setup to guard the interest of the consumers. These committees are expected to send their report to the concerned district supply officers. To prevent malpractices like hoarding and black marketing of the essential commodities, 1243 raids were conducted till December 88. Challans against 402 persons were presented in the courts and 16 persons were convicted under Essential Commodities Act. Action was taken against 2927 persons and goods or securities worth Rs. 26.42 lac were seized through departmental action.

5.12 In the tribal area subsidized wheat was made available at the rate of Rs. 1.64 per kg. in 4409 villages. The The quantity subsidized was 1.05 lac M.T. Besides this 24 mobile shops are also in operation. For effective public distribution system in the tribal and far flung areas of the State, godowns are being constructed.

5.13 As a measure of price supp ort, 11478 M.T. of Bajra, 221 M.T. of Jowar and 55 M.T. of Maize were procured till Jan., 89 through the agency of RAJFED.

5.14 To safeguard the interests of consumers a commission at State level and six district forums at divisional headquarters have been set up. Consumer protection council at State level has also been set up.

5.15 Cooking gas connections were provided to protect environment and forests in the State.

INFRASTRUCTURE:

POWER:

6.1 Power is an important factor of economic development. Therefore utmost priority has been given to this sector.

6.2 Bhakra, Beas, Chambal, Satpura, Interstate sharing projects, Atomic power (RAPP), Singrauli Thermal Power, Kota Thermal Power and Mahi Hydel Power projects are the main sources of the power availability in the State. Kota Thermal Project of 210 MW which was scheduled to be commissioned by December 1988, was commissioned three months earlier on 25-9-88. Mechanical run of the first unit of Mahi Power Station II with 45 MW capacity was done on 31-1-89. Besides this gas based first unit of Antah Power Station of 88.1 MW was commissioned on 20-1-89, seven months earlier than the scheduled date by National Thermal Power Commission.

6.3 The pattern of generation and consumption of electricity during last 3 years is given below:

(In Million Units)

Item	Years		
	1986-87	1987-88*	1988-89**
1	2	3	4
1. Generation (Net)	5067.31	4982.70	4650.70
2. Purchase	2618.86	3134.02	3972.50
Total 1+2	7686.17	8116.72	8623.20
3. Consumption :			
(a) To other State/system	168.17	128.11	300.00
(b) To common pool consumers of BBMB	290.48	258.82	—
(c) Consumers in Rajasthan :			
(i) Domestic	539.44	581.07	682.00
(ii) Commercial	282.15	303.87	345.00
(iii) Industrial	2611.10	2705.28	2890.41
(iv) Agriculture	1580.04	1702.62	1922.00
(v) Public Water Works	264.85	285.32	341.00
(vi) Street lighting	30.76	33.05	34.00
(vii) Others	174.18	160.89	250.00
Total:—(c)	5382.52	5772.10	6464.41

* Provisional

** Estimated.

6.4 Availability of power was better in the year 1988-89 as compared to the previous years due to increase in the installed capacity of the power generation and good monsoon rains. Due to improvement in the power availability power cut imposed on the industrial consumers has been lifted from June 1988 and the cultivators are being given electricity for 8 to 10 hours blocks daily.

6.5 Looking to the increase demand of electricity, efforts are afoot to commission the Kota Thermal power Project II second unit with 210 M.W. in May/June 1988, 3-4 months before scheduled date. Besides this there is a target to commission the Mahi Hydel Power Station II second unit with 45 M.W. by July/August 1989.

ROADS:

6.6 Rajasthan is second largest State in area in the country. For better economy of the State a net work of roads is considered to be essential. Road length per 100 sq. K.M. of area was 15.64 KM. by March, 1988 which is likely to go up to 16.11 K.M. by March, 1989. However this is still much below the All India average of road length of 53.92 K.M. per 100 sq. K.M. during 1984-85.

6.7 The road length in the State during three years are given below :

(In Kms.)

Roads.	1986-87			1987-88			1988-89		
	Surfaced	Un-surfaced	Total	Surfaced	Un-surfaced	Total	Surfaced	Un-surfaced	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. National Highway	2521	—	2521	2521	—	2521	2521	—	2521
2. State Highway	7354	106	7460	7395	47	7442	7425	17	7442
3. Major district Roads	3331	285	3616	3406	213	3619	3446	173	3619
4. Other district roads	11628	3164	14792	12091	2829	14920	12708	2754	15462
5. Village roads	13455	7607	21062	15391	7391	22782	16804	7036	23840
6. Border roads	2239	—	2239	2239	—	2239	2239	—	2239
Total:	40528	11162	51690	43043	10480	53523	45123	9980	55123

6.8 In Rajasthan out of the total 3300 villages, having population of 1500 persons and more, 2829 villages have been connected by road upto December, 1988. Similarly out of 2407 villages having popu lation between 1000 to 1500 persons, 1513 villages have been connected by road upto December, 1988.

MOTOR VEHICLES :

6.9 Mechanised transport facilities is improving in the State with good speed. The number of motor vehicles on road was 5.54 lac in 1985 which has gone upto 7.92 lac by September, 1988. The increase is being more in auto/motor cycles and scooters. To develop the transport services 319 new permits have been given during 1988. Besides, 60 new routes of 3050 kms have also been opened. The number of buses have been increased on 56 routes. Checking parties have been appointed to protect the interest of the passengers from overloading and unauthorized running of the buses. The progress of various types of vehicles registered in the State is given below :

(Cumulative Numbers)

Item	1985	1986	1987	1988 (upto Sept.)
1. Motor Rickshaw	58	68	71	84
2. Auto/Motor Cycles & Scooters.	303300	361174	427348	480087
3. Auto Rikshaw	10123	11292	12744	13727
4. Tempos.				
(i) For carrying goods	268	277	283	335
(ii) For carrying passengers	1737	1841	1998	2227
5. Cars & Station Wagons.	32140	34555	38408	41679
6. Jeep	24089	26169	28551	30451
7. Tractor	80771	87356	96074	103654
8. Trailor	27332	28771	30615	32194
9. Taxi	4812	5417	6161	6664
10. Bus & Mini Bus	17504	18738	19639	20409
11. Truck & other goods carriers	50262	51907	55232	57770
12. Miscellaneous	1992	2167	2240	2351
Total :	554388	629727	719364	791632

6.10 Rajasthan State Road Transport Corporation is plying 2974 vehicles on Nationalised Routes. Instead of further increase the Nationalised routes the Corporation proposes to consolidate the operation of the existing routes.

7. DEVELOPMENT & FINANCES :

7.1 Planning commission has approved State plan of Rs. 795 crores for the year 1989-90 as againat Rs. 710 crores during 1988-89. This outlay during 1989-90 is about 12 percent higher as compared to preceeding year.

7.2 Power and Irrigation Sector continued to receive high priority in the state plan. During 1989-90 an outlay of Rs. 215.40 crores has been earmarked for power, followed by an outlay of Rs. 159.90 crores for Irrigation and Flood control. Thus more than 47 percent of the state plan allocation shall be utilised for these sectors. For water supply schemes, an outlay of Rs. 57.10 crores has been kept. Outlays on social & community sectors have also been stepped up considerably to implement anti-poverty & employment generation programmes.

7.3 The following table presents the sectoral distribution of plan outlay of State.

(Rs. in crores)

Sectors	Seventh Plan Outlay	1987–88		1988–89		1989–90
		Outlay	Expenditure (Actual)	Outlay	Expenditure (likely)	Outlay
1	2	3	4	5	6	7
1. Agriculture & Allied Services	190.94 (6.37)	37.63 (5.84)	40.15 (6.22)	49.44 (6.97)	46.75 (6.58)	54.41 (6.84)
2. Rural Development	145.57 (4.85)	33.21 (5.15)	30.61 (4.75)	34.70 (4.89)	48.78 (6.87)	41.09 (5.17)
3. Irrigation & Flood Control	681.07 (22.70)	144.70 (22.43)	135.13 (20.95)	152.40 (21.47)	144.62 (20.37)	159.90 (20.11)
4. Power	927.48 (30.92)	215.80 (33.46)	206.77 (32.07)	208.71 (29.40)	193.35 (27.23)	215.40 (27.09)
5. Industries & Minerals	190.52 (6.35)	31.58 (4.90)	26.37 (4.08)	35.22 (4.97)	29.02 (4.09)	39.33 (4.95)
6. Transport	153.28 (5.11)	25.25 (3.91)	20.51 (3.18)	30.75 (4.34)	48.14 (6.78)	36.00) (4.53
7. Scientific Service and Research	8.40 (0.28)	0.76 (0.12)	0.55 (0.09)	0.76 (0.11)	0.66 (0.09)	0.78 (0.10)
8. Economic Services	7.31 (0.24)	1.14 (0.18)	2.18 (0.34)	3.55 (0.50)	3.31 (0.47)	3.96 (0.50)

1	2	3	4	5	6	7
9. Social & Community Services	674.71 (22.49)	142.90 (22.16)	127.20 (19.73)	181.38 (25.55)	180.57 (25.43)	225.74 (28.40)
10. General Services	20.72 (0.69)	3.39 (0.53)	2.89 (0.45)	4.15 (0.59)	3.33 (0.47)	5.22 (0.66)
11. Upgradation grants under VIIIth Finance Commission	..	7.69 (1.19)	6.79 (1.05)	7.69 (1.09)	10.22 (1.44)	7.41 (0.93)
12. Administrative Reforms	..	0.25 (0.04)	0.04 (0.01)	0.25 (0.04)	0.05 (0.01)	0.30 (0.04)
13. Mewat Development Board	..	0.70 (0.01)	..	0.75 (0.11)	0.95 (0.13)	1.15 (0.14)
14. Special Area Programme	..	..	0.65 (0.10)	..	..	..
15. Material component for Famine relief works.	..	..	45.00 (6.98)	0.25 (0.04)	..	..
16. District Planning (untied)	..	..	..	..	0.25 (0.04)	4.31 (0.54)
TOTAL	3000.00 (100.00)	645.00 (100.00)	644.84 (100.00)	710.00 (100.00)	710.00 (100.00)	795.00 (100.00)

HEALTH :

7.4. Under National Health policy all the citizens of country shall be provided health care services by 2000 AD. Medical & health facilities of the State are being expanded keeping this goal in view. At present health care services in the State are being rendered through 189 hospitals, 710 dispensaries, 598 P.H.C.s, 116 MCW centres and 4792 sub-centres, 200 Aid posts and mini health centres. Besides 3228 Ayurvedic, Unani, Homeopathic, naturopathy hospitals & dispensaries are also functioning in the State. No. of beds in the Government Allopathic hospitals have increased from 23311 (in Macrh, 1987) to 23714 by March, 1988. Medical Camps through Mobile surgical units are organised in far flung areas to make the medical facilities available at the door steps of the rural masses.

7.5. The rate of growth of population of the State during the decennium 1971-81 at 32.81% was higher than all-India average of 25%. This has

necessitated taking up of effective measures for population control through a massive education programme and propagation of the small family concept. The State level family Welfare Bureau, 27 districts FW Bureaus, 232 Rural FW Centres, 598 PHC Centres, 158 Urban Family Welfare Centres, 125 post partum centres and 355 MTP centres are engaged in the vital task of family welfare in the state.

7.6. Mother and Child Health services provide better health care facilities, Immunisation & Prophylaxis Nutrition programme for mothers and children. Upto January 1989, children were immunised with 7.31 lac DPT. 7.4 lac B.C.G., 6.02 lac Measles and 7.01 lac polio vaccine and 4.92 lac mothers & 4.05 lac children were given iron and folic acid tablets. Doses of liquid solution of Vitamin 'A' were administered to 4.23 lac children upto November 1988. The Government of India has also launched technology mission on immunisation in the State.

EDUCATION :

7.7. In the education field modern techniques have been adopted alongwith rationalisation of the administrative set up. Literacy which stood at 8.02 percent in 1959 increased to 24.38 percent in 1981 with the literacy rate being 30.30 percent among male and 11.42 percent among female. 47.81 lac students under age group 6-11 and 14.32 lac students in the age group 11-14 were enrolled in 30810 primary and 8955 upper primary schools. Similarly, 6.18 lac students in 14-17 age group are receiving education in 2171 secondary and 892 higher secondary schools. 3000 primary and 600 upper primary schools will be added during 1988-89. Besides 671 higher secondary schools have been converted into senior higher secondary schools and vocational education started in 24 higher secondary schools. For raising the educational standard "Operation Black Board" scheme was introduced in 12187 primary schools and one more teacher was added in 6919 single teacher schools. Through 11310 non-formal education centres, 3.10 lac persons are being educated.

7.8. For strengthening of higher education, the number of regional centres have been increased from 2 to 4 in Kota Open University. Besides 12 study centres have also been opened. Master of Computer Application course has been started in Jodhpur University. Eleven new courses have been introduced in colleges. This year M. Phil courses have been started in 5 colleges.

7.9. 4.45 lac adults in the age group 15-35 are getting education in 14602 Adult education centres out of which 6259 are female centres.

7.10. Technical education facilities have further been expanded in 1988-89. One Engineering College has been upgraded and six new polytechnics opened. Expansion of the polytechnic in the border district of Barmer is being done with the assistance of the Government of India.

Water Supply

7.11. Most part of the state is arid, semi arid & hilly. Water in many areas is brakish with high flouride content. Out of 34968 populated villages, as per 1981 census, 32530 villages were identified as problematic. Out of these 29986 villages have been covered by drinking water supply upto December 1988. A provision of Rs. 53.11 crores and Rs. 113.16 crores in urban and rural sectors respectively has been made in the current year 1988-89. Construction work at Bisalpur Dam on Banas river in Tonk district to cater to the drinking water requirement of Ajmer, Kishangarh, Beawar, Kekri and Jaipur cities/towns alongwith enroute villages is in progress. Under technology mission Government of India has provided funds for providing safe drinking water in three districts viz. Barmer, Churu & Nagour districts. An action plan for Rs. 20.79 crores for eradication of Guinea-worm in 14 districts was sent to Government of India. A sanction of Rs. 4.92 crores has been received.

Rural Development

7.12. Rural Development Programmes include poverty alleviation and employment generation and area development programmes. Desert Development programme, Drought Prone Area Programme, Mewat Development Scheme, etc. are also covered under this head.

7.13. Under the integrated development programme, which is the main Programme for poverty alleviation, 1.19 lac families have been provided assistance upto December 1988 against the target of benefitting 2 lac families. Under TRYSEM Scheme, 8098 youths were imparted training 5133 youths provided wage or self employment upto December 1988.

7.14. National Rural Employment Programme and Rural landless employment guarantee programme are being implemented to provide employment opportunities in rural areas. These programmes aim at creation and strengthening of community infrastructures of productive and public utility nature. During the year 1988-89, under NREP against the target of generating employment potential of 127.85 lac mandays during the year, 191.61 lac mandays have been generated by Feb., 89.

Under RLEGP against a target of generating 96.33 lac mandays employment during the year, employment of 120.75 lac mandays have been generated by February 89.

7.15. For Execution of works of utilityi.e. Soil conservation works, afforestation, cattle drinking water and minor irrigation a provision of Rs. 38 crores and 5 crores respectively has been made in 1988-89 for D. D. P. and D. P. A. P: Programmes: Under the massive programme 3.31 lac small and marginal farmers were benefited during 1988-89 till December 1988.

7.16. To popularise the alternate source of energy, Biogas plants are being installed in rural areas. Under this programme subsidy is being provided for installation of Biogas plants and training is given to Biogas technicians/Masons and to consumers. Under Biogas Development Programme, 2466 Biogas plants have been set up against a target of 3000 Biogas plants till February 1989 of the year under review.

HOUSING :

7.17. The Rajasthan Housing Board has taken up a massive programme of providing houses to the persons belonging to low income & middle income groups. Out of the total registration of about 1.50 lac persons desiring houses, the Board has so far offered houses to 85 thousand persons. Registered applicants of economically weaker section get priority in the allotment of the houses and concession in the registration deposit. A new scheme for providing houses to professionals/self employed persons under group registration scheme was introduced in the year 1988-89. Board proposes to construct 40 thousand houses during 88-89.

TWENTY POINT PROGRAMME :

7.18. Rajasthan is one of the leading states in implementation of the 20 point programme. During 1988-89, in its campaign against poverty, as many as 1.19 lac families were benefited under IRDP upto Dec. 88. Employment of 191.61 lac mandays & 120.75 lac mandays has been generated under National Rural Employment Programme and Rural land less Employment Guarantee programme respectively. 2155 SSI Units have been registered. 875 bonded labourer were rehabilitated. Safe drinking water was provided in 1753 villages till Feb. 89 During current year (till Feb. 1989). 8.13 lac children have been immunised and 76 thousand sterlisation operations were performed. There are 11507 Anganwari Centres running under I. C. D. S. programme. In the Indira Awas

Yojana, 2982 houses have been built. 32215 persons have been benefited under the slum improvement programme. As many as 1259 lac trees have been planted under afforestation programme and 175 new fair price shops were opened to strengthen the public distribution system. 1185 villages have been electrified and 14494 pumpsets energised. 107786 improved chullahs and 2466 Biogas plants have also been set up in rural areas.

BANKING :

7.19. Banks have a vital role in the development of the economy of the State. There has been a rapid expansion of banking facility in the state with the opening of Regional Rural Banks. The position of the banks, their deposits and credits in Rajasthan **vis-a-vis** all India is presented in the following table :

(September, 1988)

Items	No. of offices	Deposits (crores Rs.)	Credit (crores Rs.)
1. Regional Rural Bank			
(i) Rajasthan	1007	151.88	145.91
(ii) All India	13588	2573.08	2562.38
2. Other Scheduled Commercial Banks			
(i) Rajasthan	1774	2329.28	1932.70
(ii) India	42073	128606.00	76839.26
3. Total			
(i) Rajasthan	2781	3481.16	2078.61
(ii) India	55661	131179.08	79401.64

7.20. The Bank population ratio (on 1981 census) reveals that there was one bank on the population of 12338 by September 88 in Rajasthan which compares well with the all India average of 12310. However the area coverage by banks was 123 sq. km. in Rajasthan, as against 59 Sq. Km. in the country.

SAVINGS :

7.21. Small savings collections in various securities in the State is presented

D - 4676

in the following table:—

(In Lac Rs.)

Securities.	1987-88		1988-89 (Upto December, 88)	
	Gross	Net	Gross	Net
1. National Saving Certificates.				
II Issue	36.40	22.46	-	-
VI Issue	8458.97	7084.14	2254.22	934.65
VII Issue	274.93	84.83	115.56	(-) 14.55
2. Post Office Saving .Accounts.	8924.82	1606.73	7152.42	53.99
3. Cumulative Time Deposits.	248.45	(-) 70.87	130.95	(-) 165.18
4. Recurring Deposits	4097.53	1741.37	3845.34	1956.73
5. Post Office Time Deposits.	1570.88	(-)1817.59	1386.32	(-) 1220.99
6. Social Security Certificates.	0.76	0.76	0.22	0.22
7. Public Provident Fund	383.56	375.76	122.62	121.48
8. Indira Vikas Patra.	5629.65	5629.65	7829.48	7829.48
9. Monthly Income scheme.	679.98	679.98	1210.22	1210.22
10. National Saving scheme.	318.31	318.31	324.42	324.42
11. Kisan Vikas Patra.	-	-	3246.71	3246.71
Total :	30624.24	15655.53	27618.48	14277.18

7.22 Investment in Indira Vikas Patra and Monthly Income Scheme was on higher side. Investment in Kisan Vikas Patra which was introduced in 1988-89 has also received good response. Tempo of investment in NSC, CTD and Post Office Time Deposits have shown a decline.

NIEPA DC
D04676